{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 01 सितम्बर 2026
भाद्रपद कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 338
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,957.27
निफ्टी	-	24,080.40
सोना	-	1,43,700
चांदी	-	2,55,000
डॉलर	-	95.15

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

बिश्केक में मोदी–पुतिन की अहम मुलाकात, यूक्रेन युद्ध पर बोले प्रधानमंत्री –

शांति से समाधान जरूरी

बिश्केक । किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच भारत–रूस संबंधों के साथ–साथ यूक्रेन युद्ध और कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा कि भारत यूक्रेन संकट के शांतिपूर्ण समाधान के सभी प्रयासों का समर्थन करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का लगातार प्रयास रहा है कि सभी समस्याओं का समाधान बातचीत और शांतिपूर्ण तरीकों से किया जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया को 'अनंत युद्ध' की स्थिति से निकलकर युद्ध के अंत की दिशा में आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि यूक्रेन में युद्ध जल्द समाप्त होगा और शांति स्थापित होगी।

यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के साथ लगातार संवाद बनाए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बातचीत में युद्ध का समाधान संवाद के जरिए निकालने की जरूरत पर जोर दे चुके हैं।

मुलाकात के दौरान भारत–रूस सहयोग की भी समीक्षा हुई। दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और उर्वरक आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई।

बिश्केक में हुई यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यूक्रेन युद्ध का वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर लगातार असर बना हुआ है। भारत का संतुलित रुख एक बार फिर सामने आया है—युद्ध नहीं, बल्कि बातचीत और शांति के जरिए समाधान।

एसआईआर का ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी, महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ नाम शामिल नहीं

मुंबई,। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत महाराष्ट्र की प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची जारी कर दी गई है। प्रारंभिक सूची में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम शामिल नहीं हैं। बताया जा रहा है कि घर–घर सत्यापन, डिजिटाइजेशन के लिए आवश्यक फॉर्म उपलब्ध नहीं होने और अन्य तकनीकी कारणों के चलते कई मतदाताओं का रिकॉर्ड ड्राफ्ट सूची में दर्ज नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान मुख्य रूप से मृत व्यक्तियों, स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर जा चुके नागरिकों, दोहरी मतदाता प्रविष्टियों और लंबे समय से अनुपस्थित मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। महाराष्ट्र में करीब 2 करोड़ 7 लाख मतदाताओं का रिकॉर्ड डिजिटाइज नहीं होने के कारण उनके नाम प्रारूप सूची से बाहर रह गए हैं।

- 30 सितंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का मौका

ड्राफ्ट सूची में नाम नहीं होने वाले मतदाताओं को घबराने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग ने नाम शामिल कराने या किसी प्रविष्टि पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए निर्धारित अवधि दी है। 31 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक नागरिक अपने दावे और आपत्तियां दाखिल कर सकते हैं। प्राप्त दावों और आपत्तियों की जांच के बाद 29 अक्टूबर 2026 तक उनके संबंध में निर्णय लिया जाएगा। इसके बाद महाराष्ट्र की अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

- ऑनलाइन ऐसे करें नाम की जांच

मतदाता अपना नाम ड्राफ्ट सूची में शामिल है या नहीं, यह चुनाव आयोग के मतदाता पोर्टल 1शह्लद्गह्म्ह्य.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ अथवा संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर जांच सकते हैं। यदि नाम सूची में नहीं है तो पात्र नागरिक फॉर्म–6 भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज होने पर फॉर्म–7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। वहीं, नाम, पता, वर्तनी या अन्य विवरण में सुधार के लिए फॉर्म–8 का इस्तेमाल किया जा सकता है। चुनाव आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले वे अपना नाम और अन्य विवरण अवश्य जांच लें, ताकि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से बाहर न रह जाए।

खास खबर

सोसाइटी का साइकिल पर 15 लाख जुर्माना

मुंबई। मुंबई समेत महाराष्ट्र में हाउसिंग सोसाइटियों और फ्लैट मालिकों के बीच विवाद अक्सर अदालतों तक पहुंच जाते हैं। आपने देखा होगा कि रखरखाव और जुर्माने से जुड़े कई ऐसे मामले सामने आए जो अदालतों तक पहुंचे। हाल ही में मुंबई की एक सोसाइटी ने साइकिल पार्किंग के लिए एक फ्लैट मालिक पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। हाई कोर्ट ने इस फ्लैट मालिक को राहत दी है। जानकारी के अनुसार, इमारत में रहने वाले दो फ्लैट मालिकों ने 11 साल तक सीढ़ियों पर खुली जगह में साइकिल खड़ी रखी थी। इसके लिए मुंबई की एक हाउसिंग सोसाइटी ने फ्लैट के दो सदस्यों पर 15 लाख 45 हजार 730 रुपये का जुर्माना लगाया था। इस फैसले को सहकारी उप–पंजीयक ने बरकरार रखा था। सोसाइटी और फ्लैट मालिक के बीच विवाद उच्च न्यायालय तक पहुंच गया। इसके बाद मुंबई उच्च न्यायालय ने सोसाइटी और उप–पंजीयक पर निशाना साधा।

ठग सुकेश चंद्रशेखर को 8 साल की जेल

नई दिल्ली। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने ठग सुकेश चंद्रशेखर को सुप्रीम कोर्ट के जज का रूप धारण करने और एक ज्यूडिशियल ऑफिसर पर जमानत के लिए दबाव डालने की कोशिश करने के लिए 8 साल जेल की सजा सुनाई है। तीस हजारी कोर्ट की चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हर्षिता मिश्रा ने पहले चंद्रशेखर को इंडियन पीनल कोड की धारा 170 (पब्लिक सर्वेंट का रूप धारण करना), 189 (पब्लिक सर्वेंट को चोट पहुंचाने की धमकी) और 507 (गुमनाम बातचीत के ज़रिए क्रिमिनल धमकी) के तहत दोषी पाया था। 29 अगस्त को, जज ने धारा 170 और 189 के तहत अपराधों के लिए 2–2 साल और धारा 507 के तहत 4 साल की सजा सुनाई, और निर्देश दिया कि सजाएं एक साथ चलने के बजाय एक के बाद एक चलेंगी।

सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड के 2 शूटर एनकाउंटर में ढेर

शामली। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड में यूपी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने सोमवार सुबह मुठभेड़ में हत्याकांड के दो कथित शूटरों सुमित (24) और मोहित (22) को मार गिराया। दोनों सोनीपत, हरियाणा के रहने वाले थे और उन पर 50–50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ के दौरान दोनों पक्षों के बीच करीब 20 राउंड फायरिंग हुई। गोली लगने के बाद पुलिस दोनों को जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शामली के एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने मीडिया को बताया, कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी बाइक से शामली से सोनीपत की तरफ भागने की कोशिश कर रहे हैं।

बिलपॉवर लिमिटेड के 160 करोड़ के कर्ज घोटाले में श्वष्ठ की बड़ी कार्रवाई, मुंबई–वडोदरा में छापे

मुंबई। बिलपॉवर लिमिटेड से जुड़े करीब 160 करोड़ रुपये के कर्ज घोटाले की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई और वडोदरा में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने हाल ही में सात आवासीय एवं व्यावसायिक परिसरों और तीन बैंक लॉकरों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान ईडी ने 12.20 करोड़ रुपये के आभूषण और 43.90 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। ईडी ने दो बैंक खातों में जमा करीब 27 लाख रुपये की राशि फ्रीज कर दी है। इसके अलावा तीन बैंक लॉकर भी फ्रीज किए गए हैं। छापेमारी के दौरान संपत्ति से संबंधित दस्तावेज, हिसाब–किताब की पुस्तकें, लेजर और विभिन्न डिजिटल उपकरण भी जांच एजेंसी के हाथ लगे हैं। इस मामले की शुरुआत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शिकायत से हुई थी। शिकायत के आधार पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बिलपॉवर लिमिटेड, उसके निदेशकों और संबंधित संस्थाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

शुद्धिकरण मामला : वाल्मीकि समाज की शिकायत पर राहुल पर प्राथमिकी दर्ज

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में 'शुद्धिकरण' के मामले को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि हल्द्वानी के वाल्मीकि समाज की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि शिकायत में राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने इस विवाद को लेकर अपनी टिप्पणी में यज्ञ कार्यक्रम को जातिगत रंग दिया और इससे जुड़े लोगों को 'छुआछूत मानने वाला' और 'दलित विरोधी' बताने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कुमार ने कहा कि कार्यक्रम में अनुसूचित जाति सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए थे और इसका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या किसी व्यक्ति विशेष से कोई संबंध नहीं था। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

जज बनकर धमकाने वाला आरोपी सुकेश चंद्रशेखर को 8 साल की जेल

नई दिल्ली,। महाठगी के आरोपी सुकेश चंद्रशेखर को दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने एक गंभीर मामले में आठ साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। सुकेश ने खुद को सुप्रीम कोर्ट का जज बताकर निचली अदालत की जज को धमकाने की कोशिश की थी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद उसे दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला अप्रैल 2017 का है। सुकेश भ्रष्टाचार के मामले में पुलिस हिरासत में था। पुलिस कांस्टेबल मंजीत की हिरासत में रहते हुए सुकेश ने उसके मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया। सुकेश ने इस फोन से मामले की सुनवाई कर रही स्पेशल जज पूनम चौधरी के आधिकारिक लैंडलाइन और मोबाइल पर संपर्क किया। उसने खुद को पहले सुप्रीम कोर्ट के जज का प्राइवेट सेक्रेटरी और फिर खुद को सुप्रीम कोर्ट का सिटिंग जज बताया।

सुकेश ने स्पेशल जज पर अपनी जमानत जल्द से जल्द मंजूर करने का दबाव बनाया और बात न मानने पर नुकसान भुगतने की धमकी दी। कोर्ट ने उसकी इस हरकत पर सख्त टिप्पणी करते हुए इस कृत्य को संस्थागत अवहेलना बताया है। तीस हजारी कोर्ट की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्षिता मिश्रा ने सुकेश चंद्रशेखर को दोषी ठहराते हुए कहा कि यह कोई साधारण धोखाधड़ी नहीं है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की स्वतंत्रता और पवित्रता पर सीधा हमला है।

रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने टिप्पणी की कि सुकेश ने अपनी इस मूर्खतापूर्ण नाटकीय प्रस्तुति में मर्यादा की सीमा लांघ दी। कोर्ट में अब कांस्टेबल की भूमिका पर जांच भी चल रही है। कोर्ट ने इस बात पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं कि सुकेश को पुलिस हिरासत में कांस्टेबल का फोन कैसे मिला?

पटाखा फैक्टरी में भीषण आग, 11 की मौत, कई की हालत बेहद नाजुक

कौशाम्बी । यूपी के कौशाम्बी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा–तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। फिलहाल हादसे में 11 लोगों की मौत हो जाने की सूचना है। वहीं, दर्जनभर से अधिक लोगों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। मौके पर प्रयागराज के एडीजी, आईजी, डीआईजी, अपर पुलिस आयुक्त के अलावा कौशाम्बी के डीएम और एसपी पहुंच गए हैं। झुलसे लोगों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि बस्ती से कुछ दूरी पर एक मकान में पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। हादसे के समय अंदर करीब दर्जनभर लोगों के मौजूद होने की सूचना है। आग लगने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण अंदर जाना मुश्किल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान से अचानक धुआं उठने के बाद पटाखों में विस्फोट शुरू हुआ। मकान के ऊपर से बिजली के तार भी गुजर रहे हैं। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों के गंभीर रूप से झुलसने की सूचना मिल रही है। मौके पर पुलिस अधिकारियों के साथ दो थानों की फोर्स राहत–बचाव में जुटी है। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

हादसे में फैक्टरी के आसपास बने 15 से अधिक मकान धराशायी हो गए। मलबे में बड़ी संख्या में लोगों के दबे होने की आशंका है। विस्फोट के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। कई मकानों के शीशे टूट गए। धमाके की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मकानों की ईंट और मलबा करीब 250 मीटर दूर स्थित रेलवे पुल तक जा पहुंचा। आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। घटना के बाद पुलिस फोर्स के अलावा सेना के जवानों को भी बुला लिया गया है। एयरफोर्स के सैनिक रेस्क्यू आपरेशन में जुट गए हैं और मलब में फंसे लोगों को निकालने में लगे हैं।

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से घायल हुए आठ लोगों को एसआरन लाया गया है, जिसमें प्रांजली (5) और प्रवीण (13) की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल उर्वशी (16) और राजेश (45) और सविता को वेंटीलेटर पर रखा गया है। इसके अलावा समता (33), अनीता (35), माला देवी (36) का उपचार चल रहा है। अनीता और माला देवी खतरे से बाहर हैं। मृतकों में प्रियांजलि (5), प्रवीण सिंह (13), जाह्नवी (12), आदित्य (12), रवि (8), ज्ञान सिंह (40), आदित्य (8), अंजू (32), विक्रम सरोज (35), अंश (6) तथा नन्हा (4) शामिल हैं। मनौरी पटाखा फैक्टरी विस्फोट मामले मे मृतकों की संख्या 15 के पार पहुंच सकती है। फिलहाल 11 लोगों की मौत हो चुकी है। 25 से अधिक लोगों की हालत बेहद नाजुक है। मलबे में दबने के कारण ईंट और सरिया से गंभीर घाव उनके शरीर पर हो गए हैं। अभी कई लोग मलबे में ही दबे हैं जिनको जेसीबी से खोदाई करके निकालने का कार्य चल रहा है।

पूर्व मंत्री थोप्पू एन डी वेंकटचलम ने द्रमुक छोड़ी

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री थोप्पू एन डी वेंकटचलम ने द्रमुक से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में उनके लिए पार्टी में बने रहना संभव नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका यह फैसला द्रमुक अध्यक्ष और पूर्व सीएम एम के स्टालिन के साथ किसी भी मतभेद के कारण नहीं है और उनके प्रति उनका सम्मान बना रहेगा।

वेंकटचलम ने कोडिवेरी संयुक्त पेयजल परियोजना का मुद्दा उठाया, इस पेरुंदुरई और उथुकुली पंचायत संघों के लिए लागू किया गया था। उन्होंने बताया कि चेनिमलाई संघ की छह ग्राम पंचायतों को पानी की आपूर्ति से बाहर रखा गया है, जबकि वे एसआईपीसीओटी क्षेत्र से निकलने वाले औद्योगिक और रंगाई कारखानों के अपशिष्ट से गंभीर रूप से प्रभावित हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से इन वंचित पंचायतों को भी पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने का आग्रह किया।

वेंकटचलम अन्नाद्रमुक सरकार में (2012–2013) राजस्व और आपदा प्रबंधन जैसे विभागों के मंत्री रहे हैं। उन्होंने पहले अन्नाद्रमुक छोड़ने के बाद द्रमुक में शामिल हुए थे, मुख्य रूप से कोडिवेरी पेयजल और अतिकडवु–अविनाशी भूजल पुनर्भरण जैसी स्थानीय परियोजनाओं को पूरा कराने के उद्देश्य से।

विजय शाह के आतंकवादियों की बहन केस में एसआईटी जांच पूरी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शाह ने कर्नल कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहा था। उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देते हुए शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश कर दी गई है। हालांकि, विजय शाह के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी अभी राज्यपाल के स्तर पर लंबित है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ के सामने सुनवाई हुई। एसआईटी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बताया कि अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई सिफारिश पर राज्यपाल के स्तर पर फैसला होना बाकी है। इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि राज्यपाल को इस पर फैसला लेने दिया जाए। सीजेआई सूर्यकांत ने भी कहा कि जांच रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारी के सामने जानी है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल अभियोजन की मंजूरी के मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं किया।

समाजसेवी अन्ना हजारे की तबीयत बिगड़ी, मुंबई के अस्पताल में आईसीयू में भर्ती

मुंबई । समाजसेवी अन्ना हजारे की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के बॉम्बे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले उनका इलाज उनके गांव रालेगांव सिद्धि के स्थानीय अस्पताल में चल रहा था, लेकिन हालत बिगड़ने के बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए मुंबई लाया गया। चिकित्सकों के मुताबिक, उन्हें एक्यूट वायरल संक्रमण बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, बीमारी और बढ़ती उम्र के कारण अन्ना हजारे काफी कमजोर हो गए हैं। फिलहाल उन्हें अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में रखा गया है। उनकी निगरानी संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. गौतम भंसाली की देखरेख में की जा रही है।

अन्ना हजारे महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के रालेगांव सिद्धि में लंबे समय से सामाजिक और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके आंदोलनों ने देशभर में व्यापक प्रभाव डाला। वर्ष 2011 में लोकपाल कानून की मांग को लेकर उनके आंदोलन ने देश की राजनीति में बड़ी बहस खड़ी कर दी थी।

सीजेपी मार्च पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के 5 सितंबर के मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि ऐसी कोई वजह नहीं है कि जिससे अनुमान लगाया जा सके कि कोई अप्रिय घटना घटेगी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे अपनी याचिका उनके द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के समक्ष दाखिल करें, जो छात्रों के खिलाफ पुलिस हिंसा के आरोपों की जांच कर रही है। पीठ ने कहा कि इस मामले को भी अन्य लंबित याचिकाओं के साथ ही सूचीबद्ध करें, जिन पर 10 सितंबर को सुनवाई होगी।

पीठ ने कहा कि उनसे कानून–व्यवस्था बनाए रखने की उम्मीद की जाती है, और कानून लागू करने वाली एजेंसी की यह जिम्मेदारी है कि वह कानून–व्यवस्था बनाए रखे और बताए कि क्या गैर–कानूनी है और क्या जायज है। हम उम्मीद करते हैं कि वे उसी दायरे में रहकर काम करेंगे। दोनों पक्षों से उम्मीद है कि वे सम्मान करेंगे, सही व्यवहार करेंगे और देश के कानून का पालन करेंगे।

सीजेपी ने किया है मार्च का एलान

सीजेपी ने दिल्ली में एक विरोध मार्च का आह्वान किया है। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने 25 जुलाई को किए गए उन वादों को पूरा नहीं किया, जिनके तहत परीक्षा में हुई गड़बड़ियों के खिलाफ अपना 36 दिन लंबा आंदोलन वापस लेने के लिए मनाया गया था। इससे पहले शहर की पुलिस ने कहा था कि उसे इंडिया गेट से दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जुलूस निकालने के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है, जबकि सीजेपी ने इसकी घोषणा की थी। दिल्ली पुलिस के रिटायर्ड अधिकारी राजेंद्र सिंह की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील संवैधानिक इलाकों – जैसे इंडिया गेट, सेंट्रल विस्टा और आसपास के क्षेत्रों – में बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करने, मार्च या संगठित प्रदर्शन की तब तक इजाजत न दी जाए, जब तक कि आयोजकों ने जरूरी मंजूरी न ले ली हो।

कुछ ना कहना

श्रीमती अनुभा मुंजारे
विधायक बालाघाट

मान. सम्राट सिंह सरस्वार
अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट

ग्राम पंचायत बघोली मे पंचायत निधि 15 वें वित्त से स्वीकृत 6 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 03 नवीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम

विधायक निधि से निर्मित डॉ. भीमराव आम्बेडकर, ज्योतिबाराव फुले, सावित्री बाई फुले सभामंच व वार्ड नंबर 20 में स्थापित नई स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण एवं जनदर्शन कार्यक्रम मे पहुंच रहें

श्रीमती रजवन झनकारसिंह उइके
जनपद सदस्य

सम्मानीय अतिथियों का
स्वागत...
वंदन... अभिनंदन...

अरशद पापा पटेल
सरपंच

कार्यक्रम स्थलः कार्यालय ग्राम पंचायत बघोली
दिनांक 01.09.2026, दिन मंगलवार, समय दोप. 2 बजें

शुभेच्छु :- ग्राम पंचायत बघोली ला., सरपंच, उपसरपंच, पंचगण एवं समस्त ग्रामवासी

सीईओ पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने लगाए गंभीर आरोप

बोले- गौण खनिज में हुआ भ्रष्टाचार, मेरे पास हैं सबूत

दोषी सचिवों को उपकृत करने का भी आरोप, सरपंचों को किया गया परेशान; बैठकों से अध्यक्ष को दूर रखने पर भी उठाए सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अभिषेक सराफ का भले ही बालाघाट से स्थानांतरण हो गया हो, लेकिन उनसे जुड़ा विवाद अब भी उनका पीछा नही छोड़ रहा है। सीईओ और अध्यक्ष के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच एक बार फिर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ने, सीईओ अभिषेक सराफ पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें सवालों के कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया है। तो वहीं उन्होंने स्थानांतरण के बाद भी मामले की जांच कराने और जांच न होने पर न्यायालय की शरण लिए जाने की बात कही है। सीईओ अभिषेक सराफ पर तमाम तरह के आरोप जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार द्वारा सोमवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान लगाए गए हैं।

भ्रष्टाचार के मेरे पास है सबूत

जिला पंचायत अध्यक्ष ने, सीईओ पर गौण खनिज मद में भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि तत्कालीन सीईओ ने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था को प्रभावित किया और जिला पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा की। अध्यक्ष ने कहा कि उनके और जिला पंचायत सदस्यों द्वारा विभिन्न कार्यों एवं पंचायतों से जुड़े मामलों की जानकारी मांगने के लिए कई बार पत्र लिखे गए, लेकिन अधिकांश मामलों में उन्हें कोई जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने कथित रूप से किए गए में भ्रष्टाचार के उनके पास सबूत होने की भी बात कही है।

पंचायत व्यवस्था को चौपट करने का लगाया आरोप

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ने कहा कि सीईओ अभिषेक सराफ के कार्यकाल में पंचायत व्यवस्था के संचालन को लेकर लगातार सवाल खड़े होते रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला पंचायत के अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा जनहित एवं पंचायतों से जुड़े विषयों पर जानकारी मांगने के बावजूद अधिकारियों द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपेक्षित जानकारी नहीं दी गई। अध्यक्ष के अनुसार, उन्होंने स्वयं कई बार सीईओ को पत्र लिखकर विभिन्न विकास कार्यों, पंचायतों से संबंधित निर्णयों और अन्य विषयों की जानकारी मांगी, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था में जिला पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में यदि जनप्रतिनिधियों द्वारा जानकारी मांगने के बावजूद अधिकारियों की ओर से जवाब नहीं दिया जाता है तो यह पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है।

सरपंचों को प्रताड़ित करने और धारा 40 की कार्रवाई का आरोप

जिला पंचायत अध्यक्ष ने सीईओ पर कई सरपंचों को अनावश्यक रूप से परेशान करने और उन्हें बार-बार पेशी के लिए बुलाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि अनेक मामलों में सरपंचों के खिलाफ धारा 40 के तहत कार्रवाई की गई, जबकि पंचायतों में कथित तौर पर लापरवाही या अनियमितता के लिए जिम्मेदार सचिवों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जिन सचिवों की भूमिका पर सवाल उठने चाहिए थे, उन्हें कार्रवाई से बचाने के बजाय अतिरिक्त पंचायतों का प्रभार तक सौंप दिया गया। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि एक ओर निर्वाचित सरपंचों पर कार्रवाई की गई, वहीं दूसरी ओर दोषी सचिवों को उपकृत करने का काम किया गया।

दोषी सचिवों को अतिरिक्त पंचायतों का प्रभार देने पर सवाल

सम्राट सिंह सरस्वार ने कहा कि पंचायतों में किसी भी प्रकार की अनियमितता के लिए जिम्मेदारी तय होना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में सचिवों की भूमिका संदिग्ध होने के बावजूद उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की गई। इसके विपरीत कुछ सचिवों को अतिरिक्त पंचायतों का प्रभार सौंप दिया गया।उन्होंने कहा कि यदि किसी कर्मचारी या अधिकारी के खिलाफ शिकायत या अनियमितता सामने आती है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जांच पूरी होने तक उसे महत्वपूर्ण अतिरिक्त प्रभार देना भी सवालों के घेरे में आता है। उन्होंने इस पूरे मामले की जांच की मांग करते हुए कहा कि जिम्मेदारी तय होने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

गौण खनिज मद की समिति में अध्यक्ष को सदस्य नहीं मानने का आरोप

पत्रकारवार्ता में जिला पंचायत अध्यक्ष ने सबसे गंभीर आरोप गौण खनिज मद से संबंधित बैठकों को लेकर लगाए। उन्होंने कहा कि गौण खनिज मद से होने वाले कार्यों के लिए गठित समिति में जिला पंचायत अध्यक्ष सदस्य होता है। इसके बावजूद उनके कार्यकाल में हुई बैठकों में उन्हें कभी नहीं बुलाया गया।अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस संबंध में अधिकारियों से सवाल किया तो उन्हें लगातार यह कहकर गुमराह किया गया कि जिला पंचायत अध्यक्ष समिति का सदस्य नहीं होता। उन्होंने कहा कि वह लगातार इस विषय को उठाते रहे और जब उन्होंने इस संबंध में दबाव बनाया तो करीब 10 दिन पहले राजपत्र के आधार पर यह स्वीकार किया गया कि जिला पंचायत अध्यक्ष समिति का सदस्य है।

'मुझे बैठकों से दूर रखकर क्या छिपाना चाहते थे?'

सम्राट सिंह सरस्वार ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि जिला पंचायत अध्यक्ष समिति का सदस्य था तो उन्हें गौण खनिज मद की बैठकों से क्यों दूर रखा गया? उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर बैठकों से अलग रखा गया ताकि गौण खनिज मद से संबंधित निर्णयों और कार्यों की जानकारी उनके सामने न आ सके।उन्होंने कहा कि यदि सब कुछ नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से किया गया है तो फिर जिला पंचायत अध्यक्ष को बैठकों से दूर रखने का कारण क्या था? उन्होंने आरोप लगाया कि गौण खनिज मद में हुई कथित अनियमितताओं को छिपाने के उद्देश्य से उन्हें सदस्य नहीं होने की जानकारी दी जाती रही।

'गौण खनिज में भ्रष्टाचार के सबूत मेरे पास'

जिला पंचायत अध्यक्ष ने सीईओ पर गौण खनिज मद में भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पास इस संबंध में दस्तावेज और सबूत हैं। हालांकि पत्रकारवार्ता में उन्होंने सभी दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किए।लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित दस्तावेजों और तथ्यों को सामने रखा जाएगा।अध्यक्ष ने कहा कि यह केवल राजनीतिक आरोप नहीं हैं, बल्कि पूरे मामले से जुड़े तथ्य और दस्तावेज उनके पास हैं। उन्होंने कहा कि गौण खनिज मद से होने वाले कार्यों और उनके अनुमोदन से लेकर बैठकों तथा निर्णयों तक की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए, ताकि वास्तविकता सामने आ सके।

'जनप्रतिनिधियों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं'

सम्राट सिंह सरस्वार ने कहा कि जिला पंचायत के अध्यक्ष और सदस्य जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। ऐसे में अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे जनप्रतिनिधियों को विकास कार्यों एवं प्रशासनिक निर्णयों से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों को ही जानकारी नहीं दी जाएगी तो पंचायत राज व्यवस्था का उद्देश्य कैसे पूरा होगा।उन्होंने कहा कि जिला पंचायत सदस्यों ने भी कई बार संबंधित मामलों को लेकर अधिकारियों के समक्ष अपनी आपत्तियां दर्ज कराई थीं। इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से जनप्रतिनिधियों में नाराजगी थी।

सीईओ के स्थानांतरण पर अध्यक्ष ने जताई खुशी

जिला पंचायत अध्यक्ष ने अभिषेक सराफ के स्थानांतरण पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जिले के जिला पंचायत प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रभारी मंत्री से मुलाकात कर सीईओ के कार्यप्रणाली को लेकर अपनी शिकायतें रखी थीं। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधियों द्वारा सीईओ के स्थानांतरण की मांग की गई थी।अध्यक्ष के अनुसार, मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री ने जिला पंचायत प्रतिनिधियों को सीईओ के स्थानांतरण को लेकर आश्वस्त किया था। अब जब उनका स्थानांतरण हो गया है तो जिला पंचायत अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

अब जांच की मांग, सामने आएगा गौण खनिज का सच

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि अधिकारी का स्थानांतरण होने के बाद मामला खत्म नहीं होना चाहिए। गौण खनिज मद में जिन कार्यों, बैठकों और निर्णयों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं, उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि अनियमितता या भ्रष्टाचार के आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि पंचायत व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। अध्यक्ष ने कहा कि जिला पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता को सामने लाना उनकी जिम्मेदारी है।

हालांकि, सीईओ अभिषेक सराफ पर लगाए गए इन आरोपों पर सीईओ पक्ष सामने नहीं आया है। लेकिन अध्यक्ष द्वारा मामले में न्याय नहीं मिलने पर न्यायालय की शरण में जाने की बात कही गई है।

भांडी शाला में एक राखी वीर जवानों के नाम कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रक्षाबंधन के अवसर पर वीर जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से शासकीय माध्यमिक शाला भांडी में 'एक राखी वीर जवानों के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने अपने हाथों से राखियां तैयार कर उन्हें सीआरपीएफ जवानों के लिए भेजा।शाला की

शिक्षिका श्रीमती अर्चना माहुरकर एरपुड़े और श्रीमती सुनीता पटले के माध्यम से 123 सीआरपीएफ बटालियन के कमांडेंट को ये रक्षा सूत्र सौंपे गए। इसके बाद कैंप में तैनात जवानों की कलाइयों पर राखियां बांधी गईं। विद्यार्थियों ने जवानों के नाम संदेश भी भेजे और देश की सुरक्षा में उनके योगदान के प्रति सम्मान प्रकट किया।कार्यक्रम में राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन समिति की अध्यक्ष सुश्री सुषमा नाविक, उपाध्यक्ष लक्ष्मी मस्कोले, सेवानिवृत्त शिक्षिका, ईवराज रिनायत, प्रशांत गेड़ाम, प्रधान पाठक नरेंद्र कुमार भरने और शाला के समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।विद्यालय परिवार की इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया।

//आम सूचना//

मैं मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी, तह. वारासिवनी जिला बालाघाट, आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पक्षकार श्री दीपक लिल्हारे पिता श्री लक्ष्मण लिल्हारे, निवासी ग्राम भेंडारा तह. खैरलांजी जिला बालाघाट म.प्र. की ओर से श्रीमति शांति बाई पति श्री उरकुडिया तुमसरे एवं श्री महेश व पुष्पा पिता श्री उरकुडिया तुमसरे सभी निवासी ग्राम भेंडारा तह. खैरलांजी जिला बालाघाट म.प्र. एवं आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों के संयुक्त स्वामित्व आधिपत्य की भूमि मौजा ग्राम भेंडारा, प.ह.नं. 18, रा.नि.मं. आरंभा, तह. खैरलांजी जिला बालाघाट मे खसरा नंबर 20/2 रकबा 0.040 हे. एवं खसरा नंबर 43/2 रकबा 0.259 हे. कुल रकबा 0.299 हे. भूमि 10,00,000/- प्रति एकड की दर से कुल 7,50,000/- मे क्रय करने का सौदा वर्णित व्यक्तियों से दिनांक 01.04.2026 को किया गया है और उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों द्वारा अग्रिम भुगतान भी प्राप्त कर लिया गया है और इस इकरारनामा मे मेरे पक्षकार, उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों एवं गवाह श्री नत्थुलाल अटराहे व श्री यतिंद्रनाथ कावडे के भी हस्ताक्षर है और इस भूमि का विक्रय पत्र निष्पादन के मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों को कई बार कहा गया कि लेकिन उपरोक्त वर्णित व्यक्ति हमेशा से ही टालमटोल करते आ रहे है और मेरे पक्षकार के चाहने के बाद भी विक्रय पत्र निष्पादित नहीं हो पाया जिसकी वैधानिक कार्यवाही मेरे पक्षकार ने शुरू कर दिया है किन्तु इसी बीच में मेरे पक्षकार को ज्ञात हुआ है कि वर्णित भूमि को उपरोक्त वर्णित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय करने जा रहे है इस कारण उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों एवं आम जनता को सूचित किया जाता है सौदा भूमि का कोई भी हस्तातंरण प्रलेख किसी भी व्यक्ति या संस्था के पक्ष मे निष्पादित ना करे अन्यथा निष्पादित हस्तांतरण प्रलेख अवैध व शून्य होगा और मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नही होगा।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

वारासिवनी

तारीख- 31/08/2026

प्रेषक
मुकेश अग्रवाल
अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी
जिला बालाघाट

प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य अभियान तेज, 12,375 बच्चों का टीकाकरण पूरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा घर-घर स्क्रीनिंग, स्वास्थ्य परीक्षण, दवा वितरण एवं उपचार की कार्यवाही लगातार जारी है। अभियान के दौरान अब तक 363 मरीजों को जिला चिकित्सालय भेजा गया, जिनमें 287 स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि 76 मरीज उपचाररत हैं। घर-घर सर्वेक्षण में अब तक 4,854 लोगों की जांच की गई, जिसमें 947 विभिन्न बीमारियों से पीड़ित पाए गए। इनमें 287 मरीजों का अस्पताल में और 584 का घर पर उपचार किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 31 अगस्त को 30 सत्रों में कुल 1,674 बच्चों का टीकाकरण किया गया। अब तक 220 सत्रों में 12,375 बच्चों का टीकाकरण हो चुका है। सर्वे के दौरान 804 बच्चों को विटामिन-ए, ओआरएस एवं जिंक, 710 को आयरन सिरप तथा 606 बच्चों को एल्बेंडाजोल की खुराक दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भी प्रभावित ग्रामों के आंगनबाड़ी केंद्रों में साफ-सफाई, बच्चों को समय पर भोजन उपलब्ध कराने के साथ घर-घर भोजन वितरण कराया जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 31 अगस्त को बैहर एवं बिरसा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में जलस्त्रोतों का क्लोरीनेशन, नमूना संग्रहण एवं हैंडपंप सुधार किया गया। मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए 64 गांवों के 4,127 घरों में कीटनाशक छिड़काव तथा 96 गांवों के 7,002 घरों में इंडोर एवं आउटडोर फॉगिंग की गई। जनपद पंचायतों द्वारा बिरसा विकासखंड के 7 ग्रामों में 9 स्थानों पर डार्क स्पॉट की सफाई सहित नाली एवं सड़क सुधार के कार्य किए गए। बैहर विकासखंड के 2 ग्रामों के 26 परिवारों को 'राशन आपके द्वार' योजना एवं शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न वितरित किया गया। बिरसा विकासखंड के 2 ग्रामों में 16 पशुओं की जांच की गई तथा आवश्यकता के अनुसार पशुपालकों को दवाइयां वितरित की गईं। पशुपालकों को साफ-सफाई रखने की समझाइश भी दी गई। बैहर विकासखंड के प्रभावित क्षेत्र में पशुओं का टीकाकरण कार्य पूर्ण हो चुका है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर 60 खिलाड़ियों ने कराते में दिखाया हुनर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 28 से 30 अगस्त तक जिला मुख्यालय एवं विकासखंड स्तर पर 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' के तहत विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिला खेल एवं कल्याण विभाग द्वारा जिला खेल अधिकारी राहुल बरेसा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला मुख्यालय स्थित मुलना स्टेडियम के कराते हाल में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर कराते प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर जिला खेल अधिकारी एवं खिलाड़ियों द्वारा माल्यार्पण कर की गई। प्रतियोगिता में करीब 60 बालक-बालिकाओं ने हिस्सा लिया। विजेता एवं सहभागी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन कराते प्रशिक्षक संतोष पारधी एवं खिलाड़ियों के सहयोग से किया गया। विकासखंड कटंगी में भी राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। शासकीय कन्या माध्यमिक शाला में प्रधान पाठक एम.एल. भलावी, ब्लॉक युवा समन्वयक संतोष पारधी, खेल प्रशिक्षकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से खो-खो एवं फुटबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खेल दिवस मनाया।

कार्यालय नायब तहसीलदार तहसील बिरसा जिला-बालाघाट(म.प्र.)

क्रमांक/48/प्रवा.-2/तह./2026 बिरसा, दिनांक-24.08.2026

// सार्वजनिक सूचना //

विषयांतर्गत लेख है कि प्रकरण न्यायालय कलेक्टर बालाघाट, न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर से राजस्व प्रकरण क्रमांक 0101/अ-20(3)/2025-26 आवेदक विभाग प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सालेटेकरी द्वारा ग्राम सालेटेकरी पटवारी हल्का नंबर 58 राजस्व निरीक्षक मण्डल दमोह/अडोरी तहसील बिरसा जिला बालाघाट खसरा नंबर 171/4 रकबा 10.551 हेक्टेयर भूमि में से 1.618 हेक्टेयर भूमि पर गोदाम भवन निर्माण हेतु भूमि हस्तांतरित किये जाने हेतु प्रकरण पुनः वापस प्राप्त हुआ है।

अतः एतद् द्वारा सर्वसाधारण/ आम जनता को सूचित किया जाता है कि प्रश्नाधीन भूमि के संबंध में पेशी दिनांक 08/09/2026 को सुबह के 11 बजे स्थान तहसील कार्यालय बिरसा में न्यायालय नायब तहसीलदार बिरसा के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता, जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन भूमि आबंटन के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जायेगा।

ईश्तेहार आज दिनांक 18/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील बिरसा,जिला बालाघाट

जनपद पंचायत वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

// आम सूचना //

क्रमांक/2563/ज.प./ कृषि समिति/2026, वारासिवनी, तारीख 21/08/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र.शासन मछली पालन विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देश क्रमांक / 1548/2008/36, भोपाल दिनांक 08.10.2008 के अनुसार, जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत राणा तालाब कार्यदी जल क्षेत्र रकबा 26.684 हेक्ट, खसरा नं. 108 एवं अम्बा तालाब कायदी जल क्षेत्र रकबा 19.291 हेक्ट. खसरा नं. 771 मत्स्य पालन एवं मत्स्यखेट हेतु दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2036 तक 10 वर्षीय पट्टे पर लेने के इच्छुक समिति/समूह / व्यक्त्ति अपना आवेदन समस्त दस्तावेजो सहित दिनांक 07.09.2026 तक अनिवार्यतः कार्यालय में जमा करा सकते है। शेष नियम एवं शर्त कार्यालयीन सूचना पटल पर अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत, वारासिवनी

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य अभियान जारी, 363 बच्चों में 287 स्वस्थ होकर लौटे घर

76 बच्चे अस्पताल में उपचाररत, घर-घर सर्वे के लिए 20 स्वास्थ्य टीमें सक्रिय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा विकासखंड के ग्राम कुंडेकसा, अडोरी, कोरका एवं बांदरी सहित प्रभावित क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों, सर्दी-खांसी, बुखार, चर्मरोग, मीजल्स, स्कैबीज एवं मलेरिया के उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग का अभियान लगातार जारी है। विगत एक माह में अस्पताल में भर्ती कराए गए 363 बच्चों में से 287 बच्चे स्वस्थ होकर अपने गांव लौट चुके हैं। वर्तमान में 76 बच्चे अस्पताल में उपचाररत हैं और सभी की स्थिति पूर्णतः स्वस्थ बताई गई है। प्रभावित क्षेत्रों में 20 सर्वेक्षण टीमों द्वारा घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। बीमार व्यक्तियों की जांच एवं उपचार के लिए 4 पीएम जनमन एएमएमयू, 10 चिकित्सा अधिकारी तथा 4 एम्बुलेंस की सेवाएं लगाई गई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें बच्चों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी कर रही हैं। घर-घर किए गए सर्वेक्षण में अब तक विभिन्न बीमारियों से पीड़ित 947 मरीज मिले हैं। इनमें 287 मरीजों को अस्पताल में तथा 584 मरीजों को घर पर ही उपचार उपलब्ध कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुंडेकसा, बांदरी, कोरका, घुम्मुर, अडोरी, मछुरदा, गठिया एवं मातला सहित अन्य क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य सर्वे किया जा रहा है। सर्वे के दौरान 804 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक, ओआरएस एवं जिंक दिया गया। 710 बच्चों को आयरन सिरप तथा 606 बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। 31 अगस्त को 30 सत्रों में 1,674 बच्चों का टीकाकरण किया गया। अब तक 220 सत्रों में कुल 12,375 बच्चों का टीकाकरण हो चुका है। बीमारियों की रोकथाम के लिए 64 गांवों के 4,127 मकानों में कीटनाशक का छिड़काव किया गया। वहीं 96 गांवों के 7,002 घरों में इनडोर एवं आउटडोर फॉगिंग कराई गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियों की लगातार निगरानी की जा रही है।

पीजी कॉलेज या शराब का अड्डा ?

क्यारियों से पेयजल टंकी तक बिखरी मिलीं देशी-विदेशी शराब की खाली बोतलें, डिस्पोजल और पाउच, महाविद्यालय परिसर में शराबखोरी को लेकर विधायक प्रतिनिधि ने उठाए सवाल, प्राचार्य के निलंबन की मांग; 48 घंटे बाद प्रदर्शन की चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के अग्रणी पीजी कॉलेज परिसर में शराब की खाली बोतलें मिलने से महाविद्यालय की व्यवस्थाओं और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कॉलेज परिसर में सफाई के दौरान देशी और विदेशी शराब की खाली बोतलें, डिस्पोजल और पाउच मिलने का मामला सामने आया है। इन सामग्रियों का वीडियो सामने आने के बाद विधायक प्रतिनिधि ऋषभ सहारे ने कॉलेज प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि आखिर महाविद्यालय परिसर में इतनी बेखौफ तरीके से शराब कौन पी रहा है? विधायक प्रतिनिधि ने इस मामले को महाविद्यालय की गरिमा और विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए प्राचार्य अशोक कुमार मराठे के निलंबन की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि कॉलेज परिसर में शराब की बोतलें मिल रही हैं तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

क्यारियों और पेयजल टंकी के पास मिली बोतलें

विधायक प्रतिनिधि ऋषभ सहारे द्वारा जारी किए गए वीडियो में महाविद्यालय परिसर की क्यारियों और पेयजल टंकी के आसपास खाली शराब की बोतलें दिखाई दे रही हैं। इनमें देशी और विदेशी शराब की बोतलों के साथ डिस्पोजल और पाउच भी नजर आ रहे हैं। सवाल यह है कि कॉलेज परिसर में शराब की बोतलें पहुंचीं कैसे और यहां शराब का सेवन करने वालों पर अब तक नजर क्यों नहीं पड़ी?

कॉलेज की छवि हो रही खराब

ऋषभ सहारे ने आरोप लगाया कि महाविद्यालय परिसर में इस तरह शराब की बोतलों का मिलना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि कॉलेज शिक्षा का केंद्र है। यदि इस परिसर में शराब की खाली बोतलें मिल रही हैं तो यह पूरे महाविद्यालय की छवि पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि प्राचार्य को निलंबित किया जाना चाहिए।

कॉलेज परिसर में शराब की बोतलें मिलने से सवाल

परिसर में शराब की बोतलें कैसे पहुंचीं ?
कॉलेज में शराब पीने वालों पर किसकी नजर?
पेयजल टंकी के पास तक कैसे पहुंची शराब?
सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर सवाल
जांच के बाद किस पर गिरेगी गाज?
परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे का क्या काम
सीसीटीवी कैमरे से क्यो नही की जा रही

48 घंटे बाद किया जाएगा प्रदर्शन -ऋषभ

विधायक प्रतिनिधि ऋषभ सहारे ने चेतावनी दी है कि यदि प्राचार्य के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई नहीं की गई तो 48 घंटे बाद महाविद्यालय के सामने प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर यह पता लगाया जाना जरूरी है कि शराब की बोतलें कॉलेज परिसर तक कैसे पहुंचीं और यहां शराब का सेवन कौन कर रहा था।

दोषी मिला तो होगी कार्रवाई- मरठे

सोशल मीडिया पर जारी वीडियो और विधायक प्रतिनिधि के बयान को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान पीजी कॉलेज के प्राचार्य अशोक कुमार मराठे ने कहा कि यदि महाविद्यालय परिसर में शराब की खाली बोतलें मिली हैं तो पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बालाघाट-वारासिवनी मार्ग पर रात के अंधेरे में खड़े ट्रक बन रहे हादसों का कारण

अवंतिबाई चौक से बंजारी के चढ़ाव तक सड़क किनारे बेतरतीब खड़े रहते हैं भारी वाहन, ट्रकों पर नहीं लगे रहते संकेतक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-वारासिवनी मार्ग पर रात्रि के समय सड़क किनारे खड़े रहने वाले भारी वाहनों के कारण दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है। जिले के व्यस्ततम मार्गों में शामिल इस सड़क पर देर रात तक दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही होती रहती है। ऐसे में अंधेरे में बिना इंडिकेटर अथवा पर्याप्त संकेतक के खड़े ट्रक वाहन चालकों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बने हुए हैं।

खड़े ट्रैकों में रोशनी इंडिकेटर या चेतावनी संकेत नहीं होते

जानकारी के अनुसार ग्राम गर्रा स्थित अवंतिबाई चौक से लेकर वारासिवनी मशीन टोला गर्रा के आगे तथा बंजारी के चढ़ाव तक सड़क के दोनों ओर रात्रि के समय बड़ी संख्या में ट्रक खड़े दिखाई देते हैं। कई भारी वाहनों में पीछे की ओर पर्याप्त रोशनी, इंडिकेटर या चेतावनी संकेत नहीं होने के कारण रात में ये वाहन दूर से दिखाई नहीं देते। अचानक सामने आने वाले इन खड़े ट्रकों से दोपहिया वाहन चालकों के साथ साथ चारपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

लंबे समय से बनी हुई है समस्या

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे भारी वाहनों के खड़े रहने का यह सिलसिला लंबे समय से जारी है। व्यस्त मार्ग होने के बावजूद रात के समय ट्रकों की पार्किंग पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। इससे मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ ही कभी भी गंभीर हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

कार्रवाई के अभाव में बढ़ रही अव्यवस्था

जनहित से जुड़े इस गंभीर मामले में कोतवाली पुलिस और यातायात पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि रात्रि के समय सड़क किनारे खड़े ट्रकों के विरुद्ध नियमित कार्रवाई की जाए और निर्धारित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तो दुर्घटनाओं के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग

बालाघाट-वारासिवनी मार्ग पर लगातार बढ़ रही इस अव्यवस्था को देखते हुए नागरिकों ने पुलिस एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि रात्रि में सड़क किनारे खड़े रहने वाले भारी वाहनों की जांच कर कार्रवाई की जाए। साथ ही ट्रकों में रिफ्लेक्टर, पार्किंग लाइट एवं चेतावनी संकेत अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराए जाएं ताकि रात के समय मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को खड़े वाहनों का आसानी से पता चल सके और संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

सील मेडिकल स्टोर दोबारा खुलने का आरोप-ग्रामीणों ने कलेक्टर से की शिकायत

महदूली के चौहान मेडिकल स्टोर्स को लेकर उठे गंभीर सवाल
पेट्रोल जैसे ज्वलनशील पदार्थ के भंडारण विक्रय की भी जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम महदूली में संचालित चौहान मेडिकल स्टोर्स को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर शिकायत करते हुए तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि एफडीए द्वारा 20 अगस्त 2026 को सील किए गए मेडिकल स्टोर की सील कथित रूप से खोलकर दुकान को दोबारा संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही मेडिकल स्टोर परिसर में पेट्रोल जैसे अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ के कथित विक्रय एवं भंडारण को लेकर भी ग्रामीणों ने जनसुरक्षा का मुद्दा उठाया है। इस संबंध में ग्राम के ग्रामीणों ने कलेक्टर बालाघाट एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट को शिकायत सौंपकर मामले की तत्काल जांच, सील की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा दोष पाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

20 अगस्त को एफडीए ने किया था सील

शिकायत में ग्रामीणों ने उल्लेख किया है कि चौहान मेडिकल स्टोर्स के औषधी लाइसेंस की वैधता एवं प्रमाणिकता को लेकर कथित रूप से गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। इसके बाद एफडीए बालाघाट द्वारा 20 अगस्त 2026 को मेडिकल स्टोर को सील किए जाने की बात शिकायत में कही गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि सील किए जाने के बावजूद मेडिकल स्टोर की सील कथित रूप से खोल दी गई और दुकान को आधा शटर खोलकर पुनः संचालित किया जा रहा है। यदि जांच में यह आरोप सही पाया जाता है तो यह न केवल प्रशासनिक आदेश की अवहेलना का मामला होगा बल्कि सील की सुरक्षा और संबंधित कानूनी प्रावधानों के पालन को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े होंगे।

ज्वलनशील पदार्थ के भंडारण पर भी उठाए सवाल

शिकायत में मेडिकल स्टोर परिसर में पेट्रोल जैसे अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ के विक्रय एवं भंडारण का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि यह कार्य आवश्यक वैधानिक अनुमति लाइसेंस एवं निर्धारित सुरक्षा मानकों के बिना किया जा रहा है तो आसपास के दुकानदारों, मकानों, ग्राहकों एवं ग्रामीणों की जान माल के लिए गंभीर अग्नि अथवा विस्फोट का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

बिना पूर्व सूचना संयुक्त जांच की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए बिना पूर्व सूचना तत्काल संयुक्त निरीक्षण एवं जांच कराई जाए। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जांच के दौरान यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संभावित दुर्घटना अथवा जनहानि को समय रहते रोका जा सकेगा और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा सकेगी। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि शिकायत का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को परेशान करना नहीं बल्कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम ग्रामीणों की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना है। यह शिकायत सुंदरलाल चौहान, शालिग्राम चौहान सहित अन्य ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सौंपकर मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है।

थाना रूपझर पुलिस ने 6 वर्षों से फरार स्थायी वारंटी को किया गिरफ्तार

गोपनीय सूचना पर दबिश देकर आरोपी को दबोचा न्यायालय में किया पेश

पद्मेश न्यूज। रूपझर। रूपझर पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे स्थायी वारंटी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 6 वर्षों से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। स्थायी वारंटी बिर्राल उइके पिता बाबूराम उइके 38 वर्ष कोड़का चौकी सोनेवानी थाना रूपझर निवासी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैहर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी रूपझर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी। टीम द्वारा माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शिवानी असाटी न्यायालय बैहर के प्रकरण क्रमांक 626/2020, धारा 324, 294, 323, 506, 34 भादवि शासन विरुद्ध बिर्राल उइके में जारी स्थायी वारंट की तामील के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। पुलिस टीम को गोपनीय एवं विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि प्रकरण में स्थायी वारंटी बिर्राल उइके थाना रूपझर क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी एवं दबिश देकर वारंटी को पकड़ लिया और विधिवत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की सूचना आरोपी के परिजनों को दी गई। इसके बाद स्थाई वारंटी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धुर्वे के नेतृत्व में सउनि. लक्ष्मीचंद बागश्वे, प्र.आर. विकास खरे, आर. पप्पू उइके, आर. उमेश मालवीय, आर. अभिषेक कोष्टी एवं आर. राजेश टेकाम का सराहनीय योगदान रहा।

ओडिशा तक पहुंची बालाघाट पुलिस की कार्रवाई-एक और गांजा तस्कर गिरफ्तार

पुलिस रिमांड पर लिए गए आरोपी से पूछताछ के बाद बरगढ़ में दबिश 16 लाख रुपए कीमत का 31.570 किलो गांजा जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बालाघाट पुलिस ने गांजा तस्करी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा से एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 31.570 किलोग्राम अवैध गांजा जप्त किया। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपये है बताई गई है। यह कार्रवाई थाना चांगोटोला के अपराध क्रमांक 76/2026 में पुलिस रिमांड पर लिए गए आरोपियों से पूछताछ के बाद की गई। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे नशे के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत बालाघाट पुलिस द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना चांगोटोला में दर्ज अपराध क्रमांक 76/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के मामले में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी जयकुमार नायक एवं दुलामनी गुआल को पुलिस रिमांड पर लेकर गांजा तस्करी के संबंध में गहन पूछताछ की गई।

पूछताछ से मिला ओडिशा कनेक्शन

पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी जयकुमार नायक से पूछताछ में ओडिशा में गांजा सप्लाई करने वाले व्यक्ति के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी एवं सुराग मिले। इसके बाद बालाघाट पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया और टीमों को ओडिशा रवाना किया गया।

बरगढ़ में घेराबंदी कर तस्कर को दबोचा

बालाघाट पुलिस की विशेष टीमों ने ओडिशा के बरगढ़ जिले में आरोपी जयकुमार नायक की निशानदेही एवं प्राप्त सूचना के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी। पुलिस ने घेराबंदी कर गांजा तस्करी में संलिप्त आरोपी महेन्द्र मलिक 42 वर्ष ग्राम मांडोसिल, थाना पाईकमल, जिला बरगढ़ ओडिशा निवासी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 31.570 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया जिसकी अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपये बताई गई है।

दो दिन की पुलिस रिमांड पर आरोपी

ओडिशा से गिरफ्तार आरोपी महेन्द्र मलिक को बालाघाट लाकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब आरोपी से गांजा तस्करी के पूरे नेटवर्क को लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से प्राप्त किया गया था। इसकी सप्लाई किन लोगों के माध्यम से की जाती थी और इसे किन-किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और पूरे सप्लाई एवं वितरण नेटवर्क की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस की पूछताछ से गांजा तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के नाम सामने आने की संभावना है।

प्रशासन की उदासीनता, कभी भी ढह सकता है नगपुरा-पंढरापानी-मुरलीखाम मार्ग, मंडरा रहा हादसे का खतरा

नाला किनारे मिट्टी के कटाव से आधी सड़क हुई क्षतिग्रस्त, रिटर्निंगवॉल बनाने व मरम्मत की मांग पर जिम्मेदार मौन

ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क की मिट्टी कटाव को रोकने रिटर्निंगवॉल का निर्माण एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। प्रशासन की अनदेखी और उदासीनता के चलते ग्राम पंचायत नगपुरा से पंढरापानी-मुरलीखाम को जोड़ने वाला मुख्य पहुंच मार्ग बेहद जर्जर और खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। नगपुरा पंचायत भवन के समीप नाले के किनारे सड़क की मिट्टी बह जाने से मार्ग का एक बड़ा हिस्सा कभी भी ढह सकता है। सड़क धंसने और कटाव होने से रोजाना यहां से गुजरने वाले राहगीरों एवं ग्रामीणों को जान-जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित होने की आशंका बनी हुई है। जबकि सड़क के नीचे की मिट्टी धसकने एवं सड़क का कटाव हुए करीब एक वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है और इस समस्या से कई बार जिम्मेदारों को ग्रामीण एवं ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों ने अवगत करवा चुके है। लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

एक वर्ष से क्षतिग्रस्त है मार्ग, संकेतक बोर्ड तक नहीं

आपकों बता दें कि नगपुरा से पंढरापानी-मुरलीखाम पहुंच मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीणजन व स्कूली बच्चे आवागमन करते है परंतु एक वर्ष पूर्व तेज बारिश के कारण नाले के तेज बहाव में सड़क के नीचे की मिट्टी कटकर बह गई थी। देख-रेख न होने के कारण धीरे-धीरे मिट्टी धसकने से कटाव अब सड़क के आधे हिस्से तक पहुंच चुका है। बीते एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सड़क विभाग के द्वारा न तो यहां रिटर्निंगवॉल का निर्माण करवाया गया है और न ही सड़क की मरम्मत की गई है। ताज्जुब की बात यह है कि प्रशासन अथवा संबंधित विभाग ने दुर्घटना से बचाव के लिए यहां कोई चेतावनी/संकेतक बोर्ड या बैरिकेड्स भी नहीं लगाये हैं। अगर रात्रि के समय तेज गति से गुजरने वाले दुपहिया व चौपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति और भी जानलेवा साबित हो सकती है। अगर तेज गति से वाहन गुजरते है और वे अनियंत्रित होते है तो सीधे वाहन सहित करीब १५ से २० फीट गहरे नाले में गिर सकते है जिससे बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता है। जबकि इस समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा दिया गया है लेकिन प्रशासन के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। अगर तेज बारिश होने के साथ ही नाले पर बाढ़ आने एवं पानी के तेज बहाव में पंचायत भवन के समीप क्षतिग्रस्त स्थान से सड़क कटकर बह जायेगी। ऐसी स्थिति में इस मार्ग से आवागमन पूरी तरह से बंद हो सकता है।

आवागमन ठप होने का डर, ग्रामीणों में भारी रोष

इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, किसान और ग्रामीण एवं राहगीरों रोजाना आवागन करते है और यह मार्ग नगपुरा होते हुए कंजई से हाईवे मार्ग सिवनी में जाकर मिलती है। इस मार्ग से स्कूली बच्चों के साथ ही दुर-दराज के ग्रामीणजन भी आवागमन करते है। लेकिन पंचायत भवन के समीप सड़क धसक जाने से सभी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर सड़क धसक जाती है तो आवागमन पूरी तरह से बंद हो जायेगा। इसी बात का सभी को डर बना हुआ है। ग्रामीणों एवं राहगीरों का कहना है कि यदि इस वर्ष पुन: तेज बारिश होती है और नाले में उफान आता है, तो सड़क पूरी तरह बह जायेगी। जिससे पंढरापानी और मुरलीखाम का संपर्क कट जायेगा और लोगों को लंबी दूरी तय करके अपने गंतव्य तक जाना पड़ेगा। साथ ही ग्रामीण एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को इस गंभीर समस्या से अवगत करवाया है, लेकिन अब तक किसी ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। जिम्मेदारों की इस बेरूखी से ग्रामीणों एवं राहगीरों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों व राहगीरों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़ी अनहोनी के होने का इंतजार किये बिना, जनहित में जल्द से जल्द नाले किनारे मजबूत रिटर्निंगवॉल का निर्माण करवाये जाने तथा क्षतिग्रस्त सड़क का डामरीकरण/मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण करवाने की मांग की है।

प्रशासन किसी बड़े हादसे का कर रहा इंतजार - अनिता

चर्चा में नगपुरा सरपंच श्रीमती अनिता लिल्हारे ने बताया कि पंचायत भवन के समीप से गुजरे नाले किनारे की सड़क पिछले वर्ष हुई तेज बारिश में नाले के पानी के तेज बहाव में सड़क के नीचे की मिट्टी कटकर बह चुकी है और सड़क का आधा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसके बाद से इस मार्ग से आवागमन करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रीमती लिल्हारे ने बताया कि सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने एवं आवागमन में हो रही परेशानियों के संबंध सड़क विभाग को कई बार अवगत करवा चुके है लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे ऐसा लग रहा है कि प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना होने के बाद जागेगा। प्रशासन से मांग है कि मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवॉल का निर्माण एवं सड़क का मरम्मत कार्य जल्द करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

उत्कृष्ट विद्यालय में संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम का हुआ समापन

७ दिनों तक गूंजी देववाणी, विभिन्न गतिविधियों से विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के महत्व से करवाया गया अवगत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लोक शिक्षण संचालनालय एवं महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गत २५ अगस्त से आयोजित सात दिवसीय 'संस्कृत सप्ताह' कार्यक्रम का ३१ अगस्त को समारोहपूर्वक समापन किया गया। संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से सप्ताह भर विविध शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम का समापन के अवसर पर आमंत्रित संस्कृत विद्वानों का बौध्दिक उद्बोधन आयोजित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ-साथ विद्यार्थियों को नैतिक व जीवन मूल्यों से परिचित करवाना तथा जन सामान्य में देववाणी संस्कृत के प्रति जागरूकता फैलाना था।

७ दिनों तक हुए विविध कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं

संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम के तहत सप्ताह भर विद्यालय में संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए कई शैक्षणिक व सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें गत २५ अगस्त को तिलक लगाकर संस्कृत सप्ताह की शुभकामनाएं दी गईं तथा विद्यालय स्तर पर १० सुभाषित श्लोकों का सामूहिक पाठ किया गया। २६ अगस्त को संस्कृत दिनाचरण एवं संस्कृत गीत प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। २७ अगस्त को संस्कृतम् किमर्थम् आवश्यकम् (संस्कृत क्यों आवश्यक है) विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। २८ अगस्त को संस्कृत श्रावणी उपाकर्म, वेद पूजन तथा वेदपाठ का आयोजन किया गया। २९ अगस्त को विद्यार्थियों द्वारा भव्य संस्कृत शोभा यात्रा निकाली गई। ३० अगस्त को संस्कृत क्रीड़ोत्सव, प्रतियोगिताएं तथा संस्कृत संध्या (गीत, कविता, गज्जलिका एवं भजन) का आयोजन किया गया एवं ३१ अगस्त को संस्कृत विद्वानों के बौध्दिक सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। समापन के अवसर पर आमंत्रित संस्कृत विद्वानों ने अपने बौध्दिक उद्बोधन में संस्कृत को समस्त भारतीय भाषाओं की जननी बताते हुए आधुनिक युग में इसके व्यावहारिक व पौराणिक महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा संस्कृत भाषा में गीत, प्रेरक भाषण और नाटक की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन से संपूर्ण विद्यालय परिसर देववाणी की मधुर गूंज से सराबोर रहा। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य सनत दुबे सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बघोली में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली में १ सितंबर को पंचायत क्षेत्र के चौमुखी विकास को गति देने के लिए भव्य भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह का आयोजन दोपहर २ बजे से किया गया है। चर्चा में ग्राम पंचायत बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल ने बताया कि १ सितंबर को दोपहर २ बजे से बघोली पंचायत में पंचायत निधि १५ वें वित्त आयोग से स्वीकृत ६ लाख रूपये की लागत से बनने वाले ३ नये शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण कार्य का भूमिपूजन एवं विधायक निधि से निर्मित संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर, महान समाज सुधारक ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले सभामंच, ग्रामीणों की सुविधा एवं प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से वार्ड नंबर २० में स्थापित नई स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार के हस्ते किया जायेगा। श्री पटेल ने बताया कि लोकार्पण एवं भूमिपूजन के उपरांत पंचायत भवन में 'जनदर्शन' कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस दौरान जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी सीधे ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुनेगें और त्वरित निराकरण करने का प्रयास करेगें। उक्त कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार की अध्यक्षता एवं जनपद सदस्य श्रीमती रजवन/झनकारसिंह उइके के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील ग्राम पंचायत बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल, उपसरपंच देवराम महेरकर, समस्त पंचगणों ने की है।

नौकरी का सपना दिखाकर करोड़ों का खेल

90 लाख की कथित ठगी से हिला वारासिवनी

वारासिवनी के युवक ने खोई जमा पूंजी, प्लॉट बेचा,जेवर गिरवी रखे , एफआईआर की मांग लेकर थाने पहुंचा पीड़ित , कहा मैं भी इस खेल का पहला शिकार हूँ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिले में नौकरी दिलाने के नाम पर कथित रूप से लाखों करोड़ों रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वारासिवनी निवासी ब्रजकिशोर ठाकरे ने लालबर्रा अमोली निवासी सुमित वृषिक के विरुद्ध पुलिस थाना वारासिवनी में लिखित शिकायत प्रस्तुत कर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में बताया कि सरकारी एवं आउटसोर्स नौकरियों में नियुक्ति दिलाने का झांसा देकर वर्षों तक बेरोजगार युवाओं और उनके परिवारों से बड़ी रकम वसूली गई। लेकिन अधिकांश मामलों में ना तो नौकरी मिली और ना ही राशि वापस की गई।

मैं आरोपी नही सबसे पहला पीड़ित हूँ

शिकायतकर्ता ब्रजकिशोर ठाकरे ने बताया कि वह स्वयं इस पूरे प्रकरण का सबसे पहले शिकार बना। सहारा इंडिया में ऑडिटर के रूप में कार्यरत रहने के दौरान सेबी की कार्यवाही के बाद उसकी नौकरी चली गई थी। आर्थिक संकट के इसी दौर में उसकी मुलाकात सुमित वृषिक से हुई जिसने बड़े अधिकारियों और नेताओं से संपर्क होने का दावा करते हुए विभिन्न विभागों में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। शिकायत के अनुसार पहले स्वयं ब्रजकिशोर से विभिन्न नौकरियों के नाम पर रकम ली गई। कुछ लोगों को आउटसोर्स पदों पर कार्य मिलने से उसका विश्वास और बढ़ा। इसके बाद उसने अपने परिचित बेरोजगार युवाओं की फाइलें भी उसके पास भेजना शुरू कर दीं।

पहले जीता लोगों का भरोसा फिर टूटे सपने

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कई युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। वेरिफिकेशन और चयन की प्रक्रिया बताई गई, लेकिन समय बीतने के बाद अधिकांश नियुक्तियां नहीं हुईं। जब लोगों ने पैसा वापस मांगना शुरू किया तो कथित रूप से बहानेबाजी और टालमटोल का दौर शुरू हो गया। कई मामलों में कथित नियुक्ति पत्रों की सत्यता पर भी सवाल खड़े हुए।

लोगों को लौटाने पड़े ४० लाख रुपये

ब्रजकिशोर ठाकरे ने बताया कि जिन लोगों ने उसके माध्यम से राशि जमा की थी। उन्होंने पैसा वापस मांगने के लिए मुझ पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। सामाजिक प्रतिष्ठा बचाने और लोगों का विश्वास कायम रखने के लिए उसने अपनी माता की जमा पूंजी, परिवार के जेवर और निजी संपत्ति तक बेच दी। उसकी बहन ने भी ऋण लेकर मदद की लगभग ४० लाख रुपये लोगों को अपनी ओर से लौटाए जा चुके हैं।

९० लाख रुपये तक का किया लेन देन

ब्रजकिशोर ने बताया कि बैंक स्टेटमेंट, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन, व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्डिंग और अन्य डिजिटल साक्ष्य उपलब्ध हैं। उसके तथा अन्य लोगों के माध्यम से आरोपी तक ९० लाख रुपये की राशि पहुंची। बृजकिशोर ने सभी वित्तीय लेन देन की जांच की मांग की है।

जान से मारने का भी आरोप

ब्रजकिशोर ठाकरे ने आरोप लगाया है कि जब उसने अपनी और अन्य लोगों की राशि वापस मांगनी शुरू की तो उसें कथित रूप से जान से मारने की धमकियां दी गईं। उसे यह कहा कि जो करना है कर लो, मेरा कुछ नहीं बिगड़ेगा। इस कारण उसका परिवार मानसिक तनाव और भय के वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहा है।

प्रशासन से बड़ी कार्यवाही की मांग

पीड़ित ने पुलिस से मांग की है कि मामले में बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, डिजिटल भुगतान रिकॉर्ड और कथित नियुक्ति दस्तावेजों की गहन जांच कर एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि कथित रूप से प्राप्त धनराशि का उपयोग कहां और किस प्रकार किया गया।

इनका कहना है

इस मामले में जब थाना प्रभारी से चर्चा की गई तो उन्होने कहा कि ये मामला मेरे संज्ञान में है। जिसमें जांच प्रारंभ की जायेगी।

अनूप कुमार उइके
थाना प्रभारी वारासिवनी

घोटी के श्रीकृष्णा मंदिर में भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व ४ को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी स्थित सार्वजनिक श्री कृष्णा मंदिर में ग्रामीणजनों के द्वारा आगामी ४ सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा। चर्चा में श्री कृष्णा मंदिर समिति के पदाधिकारी सीताराम गजबे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सार्वजनिक श्री कृष्णा मंदिर में ४ सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया जायेगा। इस अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। वहीं दोपहर में हवन-पूजन एवं महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील सार्वजनिक श्री कृष्णा मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

सीएमएचओ ने बैहर, परसवाड़ा और लामता स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

मौसमी बीमारियों की तैयारियों का लिया जायजा, लामता में साफ-सफाई को लेकर लगाई फटकार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने आज 31 अगस्त को जिले के स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण कर मौसमी बीमारियों से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सिविल अस्पताल बैहर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसवाड़ा तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लामता का विजिट किया। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं, साफ-सफाई तथा मरीजों के उपचार की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को मौसमी बीमारियों को लेकर सतर्क रहने तथा मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लामता में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर सीएमएचओ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मचारियों को व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. उपलप ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को मुख्यालय में अनिवार्य रूप से रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में स्वास्थ्य कर्मचारी मुख्यालय छोड़कर न जाएं और मुख्यालय में रहकर जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराएं। उन्होंने मौसमी बीमारियों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को पूरी गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक बालाघाट श्री राजाराम चक्रवर्ती सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बड़गांव में दही हांडी (मटकी) फोड़ प्रतियोगिता ४ को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बड़गांव के बाजार चौक में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान में आगामी ४ सितंबर को रात ८ बजे से दही हांडी मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में बिट्टू वरकड़े ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति बड़गांव के द्वारा ४ सितंबर को ग्राम बड़गांव में भव्य मटकी फोड़ (दही हांडी) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार ६००१ रूपये, शील्ड प्रदान किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक प्रतिनिधि सुमेन्द्र पटले के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

कोसरीटोला से नेवरगांव कच्चे मार्ग की हालत खस्ता

ग्रामीणों और विद्यार्थियों को आवागमन में हो रही भारी परेशानी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरझड़ के कोसरीटोला से नेवरगांव को जोड़ने वाला कच्चा मार्ग वर्तमान में बदहाल हो चूका हैं। देखरेख के अभाव और हालिया बारिश के कारण यह लगभग २ किलोमीटर का मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। जिससे ग्रामीणों का आवागमन अत्यंत दुभर और जोखिमभरा हो गया है। कई बार मांग करने के बावजूद प्रशासन द्वारा ध्यान ना दिए जाने से स्थानीय निवासियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

कीचड़ और नुकीले पत्थरों से हादसों का डर

वारासिवनी कटंगी मार्ग पर स्थित कोसरीटोला से नेवरगांव के लिए निकलने वाला यह रास्ता वारासिवनी और लालबर्रा क्षेत्र को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान में इस मार्ग पर जगह- जगह पर छोटे.बड़े गड्ढे बन गए हैं और बारिश के पानी के कारण पूरा रास्ता कीचड़ में तब्दील हो चुका है। मार्ग की गिट्टियां और नुकीले बड़े पत्थर बाहर निकल आए हैं जिससे आए दिन मोटरसाइकिल चालक फि सलकर चोटिल हो रहे हैं। पैदल चलना भी अब एक बड़ी चुनौती बन गया है। इस खस्ताहाल मार्ग की वजह से सबसे ज्यादा परेशानी हाई स्कूल नेवरगांव जाने वाले छात्र छात्राओं और अपने खेतों की ओर जाने वाले किसानों को उठानी पड़ रही है। रोज़ाना पढ़ाई के लिए जाने वाले विद्यार्थियों को कीचड़ और पत्थरों से जूझते हुए जोखिमभरा सफर तय करना पड़ता है। किसानों को भी अपने कृषि कार्यों के लिए इसी क्षतिग्रस्त रास्ते से मजबूरी में गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने करीब २ किलोमीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण और मरम्मत को लेकर कई बार संबंधित विभाग से गुहार लगाई जा चुकी है ,लेकिन आज तक ना तो सड़क की मरम्मत कराई गई और ना ही इसका पक्का निर्माण हो सका। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़ी दुर्घटना के होने का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द इस मार्ग की मरम्मत कर डामरीकरण कराया जाए, ताकि लोगों को इस खराब स्थिति से राहत मिल सके।

सड़क की मरम्मत पंचायत या विभाग के द्वारा नहीं की है जो अभी भी समस्या है-आत्माराम कावरे

ग्रामीण आत्माराम कावरे ने बताया कि यह नेवरगांव सड़क है करीब २ किलोमीटर लंबी सड़क है इसकी हालत बहुत बेकार हो गई है। इधर प्रारंभ में जितनी खराब है उससे कई गुना हालत आगे खराब है यहां अभी मेरे सामने ही मोटरसाइकिल लोगों की स्लिप हुई वह गिरते हुए बचे है इस प्रकार की स्थिति इस पूरे मार्ग पर हर जगह है। कहीं भी कोई भी व्यक्ति का वाहन स्लिप हो जाता है और वह गिर जाता है यहां तक की पैदल चलते हुए लोग स्लिप हो जाते हैं कीचड़ जगह जगह हो गया है। इस मार्ग पर दूर.दूर से लोगों का आना जाना लगा रहता है, लंबे समय से इस मार्ग को पक्का बनाने की मांग कर रहे हैं पर आज तक कुछ हुआ नहीं है। इसकी मरम्मत बहुत पहले हुई थी फिर अभी जिसे भी ऐसा लगता है कि गाड़ियां आना.जाना नहीं कर पा रही है तो वह भरन डाल देता है। बाकी व्यवस्थित रूप से इसकी मरम्मत पंचायत या किसी विभाग के द्वारा नहीं की गई है जो अभी हमारे लिए समस्या है।

मार्ग बहुत ज्यादा खराब हो गया है जगह जगह गड्ढे बने हुए है-दीपक देवेश्वर

ग्रामीण दीपक देवेश्वर ने बताया कि यह मार्ग पर हमारा खेत है जहां रोजाना हमें आना जाना होता है इसकी हालत बहुत ज्यादा खराब है। कोसारी टोला से नेवरगांव तक सड़क की यही स्थिति है इस पूरे मार्ग में किसान और स्कूली बच्चों को भयंकर दिक्कत है। किसान दिन में चार बार खेत जाता है स्कूली बच्चे रोजाना स्कूल जाते हैं ,इस दौरान दोनों के साथ दुर्घटनाएं होती रहती है कई बार तो स्कूल के बच्चों के कपड़े खराब हो जाते हैं तो उन्हें वापस लौटना पड़ता है। हर जगह दुर्घटना होने की संभावना है मार्ग बहुत ज्यादा खराब हो गया है जगह.जगह गड्ढे बने हुए हैं कीचड़ पानी बहुत ज्यादा है। बैलगाड़ी तक ढंग से चल नहीं पाती है इतना सकरा मार्ग हो गया है और जो गड्ढे है वह आज तक भरे नहीं गए हैं। हम सभी ग्रामीण यही चाहते हैं कि जल्द से जल्द यहां पक्का मार्ग बने और आवागमन सुगम हो परंतु ऐसा हो नहीं रहा है।

बस स्टैंड में चाय पी रहे छात्र पर नुकीली वस्तु से हमला, दो आरोपियों पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बस स्टैंड स्थित राठौर की दुकान के सामने चाय पी रहे एक कॉलेज छात्र के साथ गाली गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया है। फरियादी आशीष तिल्लासी उम्र २१ वर्ष निवासी वार्ड नं.२ वारासिवनी जो एसएसपी कॉलेज वारासिवनी में बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र है। उसने पुलिस को शिकायत में बताया कि दिनांक ३० अगस्त २०२६ की रात लगभग ११.३० बजे वह अपने दोस्त साहिल कावरे के साथ बस स्टैंड स्थित राठौर की दुकान पर चाय पीने गया था। उसी समय बंटी सोनकुसरे और उसका साथी अंशुल डोंगरे वहां पहुंचे। फरियादी द्वारा देखने पर आरोपी बंटी सोनकुसरे आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए गाली.गलौज करने लगा। जब फरियादी ने गाली देने से मना किया तो दोनों आरोपियों ने गंदी गालियां देते हुए हाथ मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। विवाद के दौरान आरोपी बंटी सोनकुसरे ने अपनी जेब से कोई नुकीली वस्तु निकालकर आशीष के दाहिने गाल और दाहिने कंधे पर मार दी जिससे खून बहने लगा और गले पर खरोंच के निशान आए। फरियादी द्वारा अपने दोस्त इफ्कार खान को फोन कर बुलाए जाने पर इफ्कार खान और साहिल कावरे ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। जाते.जाते दोनों आरोपियों ने भविष्य में विवाद करने पर जान से खत्म करने की धमकी दी। घटना के बाद फरियादी आशीष तिल्लासी ने इफ्कार खान और आभास मेश्राम के साथ थाना वारासिवनी पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा २९६ बी, ११५(२), ११८(१), ३५१(१) और ३,५ के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

डूलीचंद हत्याकांड में आरोपी घासीराम को उम्रकैद

पिता को खोने के गम में रोते रोते बड़बड़ाया बेटा, सामने आई घासीराम की करतूत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश संजय राज ठाकुर की अदालत ने ३१ अगस्त को एक अहम फैसला सुनाते हुए खैरलांजी थाना क्षेत्र के नवेगांव ख निवासी घासीराम बिरनवार को हत्या के मामले में दोषी करार दिया है। न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास और १००० रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। इस प्रकरण में शासन एवं पीड़ित पक्ष की ओर से जिला लोक अभियोजक संतोष लिल्हारे ने पैरवी की।

यह था पूरा मामला

घटना ८ सितंबर २०२० की रात्रि लगभग ९ से ९.३० बजे के बीच की है। आरोपी घासीराम पिता तीरथलाल बिरनवार अपने पुत्र कुनाल के साथ मोटरसाइकिल से मृतक डूलीचंद राउत के घर पहुँचा। वह डूलीचंद के बेटे सुनील को खेत में मोटर पंप चालू करने के बहाने साथ ले गया। खेत पहुँचकर घासीराम ने अपने बेटे कुनाल को वापस भेजकर सुनील के पिता डूलीचंद को भी मौके पर बुलवाया। इसी दौरान खेत की मेड़ पर पैर फिसलने से सुनील रोपाई में गिर गया। इस पर घासीराम अचानक आक्रोशित हो उठा और सुनील के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। जब डूलीचंद अपने बेटे को बचाने पहुँचे तो घासीराम उनसे भी उलझ गया और मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए डूलीचंद भागे लेकिन घासीराम ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया और उनके गले में बंधे गमछे से गला घोंटकर उनकी निर्मम हत्या कर दी।

चश्मदीद बेटे को दी थी जान से मारने की धमकी

इस पूरी वारदात को मृतक के पुत्र सुनील ने अपनी आँखों से देखा। हत्या के बाद आरोपी घासीराम ने सुनील को घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के मारे सुनील रातभर हत्यारे घासीराम के साथ रहा और सुबह चुपचाप घर लौट आया। परिजनों के द्वारा डूलीचंद की तलाश करने पर बेसुध अवस्था में उनका शव खेत के पास मिला। डॉक्टर द्वारा मृत घोषित किए जाने और गले पर निशान दिखने पर परिजनों को हत्या का संदेह हुआ।

अंतिम संस्कार के बाद खुला हत्या का राज

प्रारंभ में खैरलांजी पुलिस ने मृतक के दूसरे पुत्र प्रधुम राउत की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ भादवि की धारा २९४, ३२३ ,३०२,५०६,२ के तहत मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया। अंतिम संस्कार के बाद घाट से लौटने पर पिता को खोने के गम में डूलीचंद का बेटा सुनील स्नान के दौरान रोते हुए बड़बड़ाने लगा कि घासीराम ने हत्या की है। परिजनों के द्वारा सख्ती से पूछताछ करने पर सुनील ने पूरी सच्चाई उगल दी। तत्पश्चात परिजनों के द्वारा सुनील को पुलिस के पास लेकर गए जहां पुलिस के द्वारा पूछताछ करने के बाद अज्ञात अपराध में घासीराम को आरोपी बनाया गया।

गवाहों और दस्तावेजों के आधार पर हुआ फैसला

सुनील के बयान के बाद पुलिस ने मामले में नामजद अपराध दर्ज कर ११ सितंबर २०२० को आरोपी घासीराम को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। विवेचना पूर्ण कर पुलिस ने न्यायालय में चालान पेश किया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान जिला लोक अभियोजक संतोष लिल्हारे ने अभियोजन पक्ष को मजबूत करने के लिए १५ महत्वपूर्ण गवाहों और ४१ दस्तावेजी साक्ष्यों को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। न्यायाधीश संजय राज ठाकुर की अदालत ने प्रस्तुत साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और प्रत्यक्षदर्शी सुनील के बयान के आधार पर घासीराम को धारा ३०२ एवं ५०६ के भाग २ के तहत दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई।

तिरोड़ी महाविद्यालय में प्रवेश उत्सव एवं दीक्षारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक गौरव सिंह पारधी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में विधायक गौरव सिंह पारधी ने विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर विद्यार्थियों के करियर मार्गदर्शन से लेकर किसानों की सुविधाओं से जुड़े विषयों पर चर्चा की। तिरोड़ी में महाविद्यालय के कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद किया। वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय तिरोड़ी में आयोजित प्रवेश उत्सव, दीक्षारंभ कार्यक्रम एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधायक गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए शिक्षा के साथ कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने विद्यार्थियों को कैरियर से संबंधित मार्गदर्शन देते हुए लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की बात कही। उन्होंने बदलते समय के अनुरूप नए कौशल सीखने और बेहतर कैरियर के लिए स्वयं को तैयार करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने महाविद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी ली तथा उनके द्वारा रखी गई मांगों के निराकरण के लिए उचित पहल करने की बात कही। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सुरेश ठाकुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष तिरोड़ी अविनाश देशमुख,भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेश सोनवाने,फि रोज खान,मिहिर त्रिवेदी,विजय कपगते,श्रीमती पूजा मिहिर त्रिवेदी,श्रीमती सविता चौहान,जागेश डहरवाल,राजा ठाकुर,घांसी बिसेन,पवन सोनी सहित महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। विधायक गौरवसिंह पारधी ने कहा कि कृषि उपज मंडी किसानों के लिए महत्वपूर्ण स्थान है जहां किसान अपनी मेहनत से तैयार की गई उपज लेकर पहुंचते हैं। मंडी में आने वाले किसानों को अपनी उपज के विक्रय, उचित सुविधाओं, बैठने, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसके लिए आवश्यक सुधार एवं सुविधाओं पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंडी की व्यवस्थाओं को किसानों की जरूरतों के अनुरूप बेहतर बनाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

संत रविदास ने समाज से छुआछूत, ऊंच नीच और भेदभाव को समाप्त किया-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की ६५०वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर शासन के द्वारा आयोजित कलश वंदन एवं समरसता संकल्प यात्रा का रविदास समाज एवं ग्रामीणों के द्वारा अत्यंत उत्साह और गरिमामय वातावरण में भव्य स्वागत किया गया। इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। यात्रा के ग्राम वारा पहुंचने पर श्रद्धालुओं और समाजजनों के द्वारा रात्रि विश्राम के उपरांत सुबह मंगल कलश का पूजन और आरती की गई। इसके पश्चात समरसता यात्रा ने ग्राम के प्रमुख चौक चौराहों और गलियों में भ्रमण किया। प्रभात फेरी और यात्रा भ्रमण के दौरान पूरे गांव का वातावरण गुरु रविदास जी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। ग्राम के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए यात्रा अंततः मुख्य कार्यक्रम स्थल पर पहुंची जहां एक जनसभा का आयोजन किया गया। सभा में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों के द्वारा संत रविदास के जीवन मूल्यों,उनके भ्रातृत्व भाव और सामाजिक समरसता के दर्शन पर प्रकाश डाला। वहीं सभी लोगों ने संत रविदास जी के समानता, समरसता, बंधुत्व और मानवता के अमर संदेशों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का दृढ़ संकल्प लिया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि संत रविदास ने समाज से छुआछूत, ऊंच नीच और भेदभाव को समाप्त कर एक समरस समाज की स्थापना का मार्ग दिखाया था जो आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले , वारासिवनी नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा ,यात्रा प्रभारी सुनील सोनू जैन,जनपद सदस्य श्री राम गौतम,सरपंच सूर्यभान सिंह पुसाम ,राम सिंह पटेल ,उपसरपंच ज्ञानसिंह पटले ,पूर्व सरपंच वायकर पारधी,सद्गुरु रविदास सामाजिक संगठन ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण खरोले ,मुकेश राहंगडाले,दीपेश राहंगडाले ,रमेश कनोजे,महेश कनोजे,मनोहर पटले ,कैलाश जगने ,दिलीप भोंदेकर ,निर्मला कनोजे,गीता कनोजे ,उर्मिला कटरे , अर्चना कनोजे ,पिंकी कनोजे सहित समस्त ग्रामीणजन व सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

सवालों के घेरे में नीतियां

साल 2007 के बाद से संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव खत्म करने वाली समिति (सीईआरडी) द्वारा की गई अपनी पहली समीक्षा में, भारत में अल्पसंख्यक नस्लीय व नस्लीय-धार्मिक समूहों, दलितों और गैर-नागरिकों के खिलाफ पिछले कुछ सालों में कानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा शारीरिक और अन्य किस्म की हिंसा का सहारा लेने की खबरों पर 卐गहरी चिंता卐 जाहिर की गई है। समिति ने यह भी कहा कि 1968 में 'सभी किस्म के नस्लीय भेदभाव को खत्म करने के अंतरराष्ट्रीय करार' को मंजूरी देने वाले भारत ने इस किस्म की हिंसा के आरोपों से जुड़ी सरकारी जांच एवं कार्रवाइयों के बारे में विस्तृत और ताजा जानकारी नहीं दी है। जहां सरकार ने सीईआरडी से कहा है कि जातिगत भेदभाव इस करार के अनुच्छेद 1 के दायरे में नहीं आता क्योंकि जाति और नस्ल एक ही चीज नहीं हैं, वहीं सीईआरडी ने विरासत में मिली स्थिति के आधार पर होने वाले सभी तरह के भेदभाव को इसमें शामिल माना है। समिति ने कई मुद्दों पर चिंता जताई है। मसलन सीवर की हाथ से सफाई पर रोक लगाने वाले कानून के बावजूद ऐसा किया जाना; रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरे भाषण, उनके रहने की खराब हालत तथा उन्हें बड़े पैमाने पर वापस भेजना; नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) के जरिए बड़ी संख्या में लोगों की नागरिकता खत्म करना; मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाना; सिविल सोसाइटी संगठनों के काम में रुकावट डालने के लिए सरकार द्वारा एफसीआरए, यूएपीए, एएफएसपीए और पीएमएलए जैसे कानूनों का इस्तेमाल; भारतीय न्याय संहिता में नस्लवादी नफरत भरे भाषण को स्पष्ट रूप से अपराध न मानना; और वन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम के तहत 卐राष्ट्रीय सुरक्षा卐 से जुड़ी परियोजनाओं को सलाह-मशविरे से फैसला लेने की प्रक्रिया से छूट देना।

इन समस्याओं और उपलब्ध बिखरे हुए उपायों के मद्देनजर, जनगणना में बहुत देरी और एनसीआरबी के आंकड़ों को जारी करने में बरती जाने वाली सुस्ती समेत वंचित समुदायों के बारे में सही ढंग से अलग-अलग व्यवस्थित आंकड़ों का अभाव का मामला अब सिर्फ प्रशासनिक सुस्ती तक सीमित नहीं रह गया है। बल्कि, यह जाति और धर्म के आधार पर होने वाले भेदभाव से लड़ने के भारत के दावों की स्वतंत्र जांच में सक्रिय रूप से बाधा डाल रहा है। दरअसल, भारत 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर 卐खास उपायों卐 को लागू कर रहा है। इससे अनुसूचित जनजातियों और आदिवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में आई गिरावट छिप सकती है। पिछले साल 'राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों के वैश्विक संघ' ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का दर्जा घटाने की सिफारिश की थी। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि सरकार ने जांच से जुड़े पदों पर पुलिस अधिकारियों को नियुक्त किया था और संस्था में विविधता की कमी थी। अब सीईआरडी एक शून्य को भरने के लिए आगे आ रहा है। आगे की राह बिल्कुल स्पष्ट है- राष्ट्रीय मावाधिकार आयोग की आजादी बहाल करना, नफरत भरे भाषण को अपराध की श्रेणी में लाना, सकारात्मक कार्रवाई को बढ़ावा देना, अलग-अलग किस्म के आंकड़ों को इकट्ठा करके उसे प्रकाशित करना, मतदाता सूची में सुधार की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और कुल मिलाकर नियमों को लागू करने की व्यवस्था को मजबूत करना। लेकिन अगर सरकार द्वारा तकनीकी बातों का सहारा लेकर 200 मिलियन दलितों के मुद्दों को 卐घरेलू मसला卐 बताते हुए अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही से बचने की कोशिश और सीईआरडी की चिंताओं को राजनीतिक मकसद से प्रेरित बताकर खारिज करने के रवैये को देखें, तो यह साफ है कि नागरिक समाज पर ही यह जिम्मेदारी बनी हुई है कि वह बहुपक्षीय मंचों पर अपना असर डाले और सरकार के उन फैसलों का राजनीतिक, कानूनी एवं प्रशासनिक स्तर पर विरोध जारी रखे जो भारत में हर किस्म के भेदभाव की दुखद एवं व्यापक संस्कृति को सामान्य बनाते हैं।

दुनिया के लिए चिंता का विषय बना अलनीनो

धरती का बदलता मिजाज अब केवल वैज्ञानिकों के शोध और मौसम विशेषज्ञों की रिपोर्ट तक सीमित विषय नहीं रह गया है। इसका असर आम आदमी के जीवन से लेकर कृषि, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कहीं आसमान से बरसती आग लोगों को बेहाल कर रही है, तो कहीं कुछ ही घंटों में होने वाली मूसलाधार बारिश शहरों को जलमग्न कर रही है। कहीं किसान बारिश का इंतजार करते-करते परेशान हैं, तो कहीं अत्यधिक वर्षा उनकी महीनों की मेहनत को बहा ले जा रही है। मौसम के इस बदलते और असामान्य स्वरूप के बीच अल नीनो एक बार फिर दुनिया के लिए चिंता का विषय बनकर सामने आता है।

अल नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्री सतह के तापमान के सामान्य से अधिक गर्म होने से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसका प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान, वर्षा और हवाओं के पैटर्न को प्रभावित कर सकता है। यह घटना प्राकृतिक जलवायु चक्र का हिस्सा है और हजारों वर्षों से पृथ्वी की जलवायु व्यवस्था में इसका अस्तित्व रहा है। लेकिन आज परिस्थितियां पहले जैसी नहीं हैं। मानव गतिविधियों के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अल नीनो और बढ़ते वैश्विक तापमान का मेल मौसम की चरम स्थितियों को और अधिक गंभीर बना सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर अल नीनो को लेकर इतनी चिंता क्यों है? इसका उत्तर इसके व्यापक प्रभावों में छिपा है। अल नीनो के दौरान दुनिया के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक बढ़ सकता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में वर्षा के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और आज भी खेती का एक बड़ा हिस्सा मानसूनी बारिश पर आधारित है। यदि बारिश सामान्य से कम होती है या उसका वितरण असमान रहता है, तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है।

धान, मक्का, दालें, तिलहन और अन्य फसलों की पैदावार प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। उत्पादन में कमी का असर केवल किसान तक सीमित नहीं रहता। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई पर दबाव पैदा हो सकता है। पहले से ही महंगाई और रोजगार जैसी चुनौतियों से जूझ रहे आम परिवारों के लिए खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन सकती है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम गंभीर नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब वातावरण अधिक गर्म होता है, तो उसमें नमी धारण करने की क्षमता बढ़ती है। परिणामस्वरूप कई बार कम समय में अत्यधिक बारिश होने लगती है। ऐसी बारिश सामान्य मानसून से अलग होती है। कुछ घंटों में इतनी वर्षा हो जाती है कि शहरों की जल निकासी व्यवस्था जवाब दे देती है, नदियां उफान पर आ जाती हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। यानी एक ओर सूखे जैसी स्थिति और दूसरी ओर अचानक बाढ़—दोनों परिस्थितियां एक ही बदलती जलवायु व्यवस्था का हिस्सा बन सकती हैं।

भारत के लिए यह खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि देश की भौगोलिक विविधता बहुत अधिक है। हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाएं जान-माल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर बढने से बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं महानगरों में कुछ घंटों की तेज बारिश ही यातायात, बिजली, सीवर और जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने के लिए पर्याप्त है। ऐसे में यह समझना होगा कि केवल बारिश की कुल मात्रा देखना पर्याप्त नहीं है; **बारिश कब, कितनी तेजी से और किस क्षेत्र में होती है**, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अल नीनो का असर समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी पर भी पड़ सकता है। समुद्र का तापमान बढने से समुद्री जीव-जंतुओं और मछली उत्पादन पर असर पड़ सकता है। समुद्र दुनिया की जलवायु प्रणाली का महत्वपूर्ण नियामक है। इसलिए समुद्र के तापमान में होने वाला बदलाव लंबे समय तक वातावरण और मौसम को प्रभावित कर सकता है। यदि समुद्रों का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव और बढ़ेगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलता मौसम बड़ी चुनौती बन रहा है। अत्यधिक गर्मी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कमजोर वर्ग, बुजुर्ग, बच्चे और खुले में काम करने वाले श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन और अल नीनो का प्रभाव केवल मौसम विभाग के आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी विषय है।

अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कृषि उत्पादन में कमी, बिजली की मांग में वृद्धि, जल संकट, बाढ़ से बुनियादी ढांचे को नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी खर्च—इन सभी का आर्थिक बोझ सरकार और जनता दोनों को उठाना पड़ता है। अत्यधिक गर्मी में बिजली की मांग बढ़ती है, जबकि जल संकट से उद्योग और कृषि दोनों प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर बाढ़ और भूस्खलन से सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है।ऐसे समय में सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत और मुआवजे तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि जलवायु जोखिम को विकास की हर योजना का हिस्सा बनाया जाए। शहरों की जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक बनाया जाए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण हो, जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए और किसानों को मौसम आधारित कृषि सलाह समय पर उपलब्ध कराई जाए। सूखा और बाढ़ दोनों से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर अलग-अलग रणनीतियां तैयार करनी होंगी।

कृषि क्षेत्र में भी पारंपरिक सोच से आगे बढने की जरूरत है। कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों, सूखा और गर्मी सहन करने वाली किस्मों, माइक्रो-इरिगेशन तथा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना होगा। किसानों को मौसम की वास्तविक समय की जानकारी और संभावित जोखिमों के बारे में पहले से चेतावनी मिलनी चाहिए। इससे वे बुवाई, सिंचाई और कटाई से जुड़े निर्णय अधिक वैज्ञानिक ढंग से ले सकेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अल नीनो को केवल एक अस्थायी प्राकृतिक घटना मानकर उसके खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अल नीनो आएगा और जाएगा, लेकिन यदि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो ऐसी प्राकृतिक घटनाओं के प्रभाव अधिक जटिल और गंभीर हो सकते हैं। इसलिए वास्तविक चुनौती अल नीनो से अधिक उस बदलती जलवायु व्यवस्था की है, जिसमें अल नीनो अपना प्रभाव डाल रहा है।

धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। कभी रिकॉर्ड गर्मी के रूप में, कभी असामान्य बारिश के रूप में और कभी सूखे तथा बाढ़ के एक साथ बढ़ते खतरे के रूप में। अब आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।अल नीनो को रोकना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उसके प्रभावों से होने वाले नुकसान को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना होगा, जलवायु अनुकूल नीतियां बनानी होंगी और प्रकृति के साथ विकास की नई भाषा लिखनी होगी। यदि हमने आज भी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, तो आने वाली पीढियों को केवल बदलते मौसम का नहीं, बल्कि बदलती और अधिक असुरक्षित दुनिया का सामना करना पड़ेगा। अब समय है कि धरती के बदलते मिजाज को समझा जाए और उसके संकेतों पर गंभीरता से अमल किया जाए।

- सौरभ वार्ष्णेय

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बेटी बचाओ पर भारी पड़ रहे हैं सिरफिरे शोहदे!

क्या किसी बेगुनाह लड़की की प्यार के इजहार को स्वीकार नही करने पर जान लेना प्यार हो सकता है? यह तो निरी जबरदस्ती और निहायत दादागिरी का अराजक व्यवहार है। आए दिन शोहदे अपने इजहार को इंकार मिलने पर मासूम लड़कियों का कत्ल कर रहे हैं देश की राजधानी नई दिल्ली में ही जहां कानून व्यवस्था सख्त मानी जाती है पिछले कुछ समय में दर्जनों ऐसी वारदात हुई है आखिर यह सब क्या है? एकतरफा प्यार, शादी से इनकार या ब्रेकअप के बाद लड़कियों युवतियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और हत्याएं एक गंभीर सामाजिक समस्या हैं, जिसे केवल आशिकी या दीवानगी का नाम देकर कम नहीं आंका जा सकता है। इस प्रकार के अपराधों के पीछे गहरी मानसिक विकृति, हिंसक मानसिकता और सामाजिक कमियां जिम्मेदार होती हैं।हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे कई मामले सामने आए हैं जो इस गंभीर स्थिति को दर्शाते हैं।हाल ही में इसी तरह की एक रूह कपां देने वाली वारदात को अंजाम दिया गया है। दिल्ली तिलक नगर अगस्त 2026 में 21 वर्षीय मॉडल मुस्कान की एक जिम ट्रेनर इमरान द्वारा उसके घर में घुसकर चाकू से हत्या कर दी गई, क्योंकि वह एकतरफा प्यार में उसे परेशान कर रहा था।

कर्नाटक मंगलुरु जुलाई 2026 में 21 वर्षीय लावण्या की एकतरफा प्रेमी द्वारा बस से पीछा करके चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई, क्योंकि उसने प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था।शुरुआती जांच के अनुसार, इमरान पिछले डेढ़ साल से मुस्कान को परेशान कर रहा था और उस पर शादी का दबाव बना रहा था। मुस्कान ने उससे दूरी बना ली थी और जिम जाना भी छोड़ दिया था।ये तो सिर्फ बानगी है देश के अधिकांश जिलों में कहीं न कहीं इस तरह की वारदातें सामने आ चुकीं हैं। इसे पितृसत्तात्मक समाज की लैंगिक असमानता भरी परवरिश से पैदा खूनी हनक करार दिया जाए या युवा शोहदों में पैदा हो रहा जुनून भरा अनैतिक और दमनकारी दुराचरण जिसके चलते शोहदे यदि मेरी नहीं होगी तो किसी की नहीं होगी की जिद्दी नफरत पाल रहे हैं । दरअसल समाज और कानून का खत्म होता खौफ भी इसके लिए जिम्मेदार है। लम्बी कानूनी प्रक्रिया गवाहों को सुरक्षा न मिलना मुलजिमों को जमानत मिल जाना और कई साल की सुनवाई के बाद बरी हो जाना ऐसे अपराधिक प्रवृति वाले शोहदों के लिए दुष्प्रेरणा का आधार बना है।

आपको हाल की वारदातों की गंभीरता से अवगत कराने का प्रयास करते हैं

इसी अगस्त माह में ही फरीदाबाद में अमित नाम का एक 21 वर्षीय युवक बिना नंबर की बाइक से एक स्कूल परिसर में घुसा। उसने खुद को संध्या नाम की लड़की का पति बताकर उसे क्लास से बाहर बुलाया और फिर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी।

कर्नाटक मंगलुरु जुलाई 2026 में 21 वर्षीय लावण्या की एकतरफा प्रेमी द्वारा बस से पीछा करके चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई, क्योंकि उसने प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था।हरियाणा के मोहाली में जून 2026 में डिंपल नामक युवती की उसके पूर्व प्रेमी ने ब्रेकअप से परेशान होकर उसके ऑफिस के अंदर चाकू मारकर हत्या कर दी। केंद्र शासित राज्य चंडीगढ़ में भी फरवरी 2026 में 23 वर्षीय युवती द्वारा शादी से इनकार करने पर उसके गले पर चाकू मारकर बेरहमी से मर्डर कर दिया गया। बीती 30 जुलाई को दिल्ली के केशव पुरम इलाके में गोलियों की आवाज से सनसनी मच गई। एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद युवक फरार हो गया। पुलिस ने खून से लथपथ शव बरामद किया।

17 जुलाई को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बांटवाल इलाके में एक युवती की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक युवती की पहचान काक्यापाडावु के पास कोडंगे की रहने वाली 21 साल की लावण्या के तौर पर हुई है, लावण्या और चेतन दूर के रिश्तेदार बताए जाते हैं और ऐसा कहा जा रहा है कि चेतन, लावण्या से एक तरफा प्यार करता था। लावण्या ने उसका प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया, जिससे चेतन बेहद नाराज हो गया। फिर, कुछ देर बाद चेतन ने अपने बैग से बड़ा चाकू निकाल जबरदस्त हमला कर दिया उसपर जानलेवा वार किए। उसकी मौत हो गई।

3 जुलाई हरियाणा के गुरुग्राम जिले में एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की जिंदा जलाकर हत्या कर दी। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसे अपने प्रेमी के शादीशुदा होने का सच पता चल गया था।

जून माह में मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक सनकी प्रेमी ने कंप्यूटर ऑपरेटर युवती को बीच रास्ते में रोका और मात्र 13 सेकंड के भीतर उस पर चाकू से 15 बार वार किए। हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था

6 जून उत्तर प्रदेश कि राजधानी लखनऊ में बीते दिनों एक बीटेक छात्रा की हत्या कर दी गई थी. इस मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी. इसके बाद छात्रा का शव जंगल से बरामद किया गया।

12 जून शिवपुरी जिले से जुड़े एक सनसनीखेज घटनाक्रम में पुलिस द्वारा प्रेमी युगल को गुजरात से बरामद कर वापस लाते समय एक होटल में युवती के सिरफिरे आशिक ने पुलिस अभिरक्षा में ही प्रेमिका की हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद उसने सुसाइड की भी कोशिश की।

12 मई को यूपी के कानपुर में सिरफिरे आशिक का आतंक देखने को मिला. आरोपी ने पहले प्रेमिका का गला काट कर उसकी हत्या कर दी. इसके बाद खुद फांसी लगा ली.

जनवरी 2026 में झांसी में एक बेहद खौफनाक ब्लू बॉक्स मर्डर केस सामने आया. यहाँ पहले से शादीशुदा एक शख्स ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी। उसने सबूत मिटाने के लिए प्रेमिका के शव के टुकड़े किए और उन्हें कई दिनों तक घर के अंदर ही जलाता रहा। बची हुई हड्डियों की राख को एक नीले बक्से में भरकर नदी में बहाने की कोशिश के दौरान पुलिस ने उसे दबोच लिया। जून 2025 में दिल्ली की जहांगीरपुरी इलाके की रहने वाली 18 वर्षीय महक जैन की उसके दोस्त हसप्रीत ने संजय वन के सुनसान इलाके में ले जाकर चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी लड़की के फोन और निजी जीवन पर अत्यधिक नियंत्रण रखता था। आपको बता दें कि अक्सर अपराधी महिलाओं को अपनी संपत्ति या वस्तु समझने की भूल कर बैठते हैं। जब महिलाएं अपनी सहमति नहीं देतीं या रिश्ता खत्म ब्रेकअप करना चाहती हैं, तो अपराधी इसे अपने अहंकार पर चोट मान लेते हैं और बदले की भावना से हिंसा का रास्ता चुनते हैं।वही कुछ सिरफिरे मानसिक विकृति और हिंसक सनक ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले लोग गंभीर मानसिक असुरक्षा और सनक से ग्रस्त होते है। वे प्यार और जबरदस्ती के बीच का अंतर नहीं समझते। उनके लिए जिसे वे प्यार कहते हैं, वह असल में नियंत्रण और मालिकाना हक जताने की सनक होती है। सामाजिक और पारिवारिक परवरिश में कमीी समाज और परिवारों में अक्सर लड़कों को भावनाओं को सही तरीके से संभालना, हार या रिजेक्शन को स्वीकार करना और महिलाओं के फैसलों का सम्मान करना नहीं सिखाया जाता। भावनात्मक बुद्धिमत्ता की कमी युवाओं को बातचीत के बजाय हिंसा की ओर धकेलती है।

- मनोज कुमार अग्रवाल

फरक्का के पार गंगा का सवाल

फरक्का बैराज पर बहस अक्सर वहीं जाकर रुक जाती है जहां से उसे आगे बढ़ना चाहिए। फरक्का रहे या हटे, पानी किसे कितना मिले, भारत और बांग्लादेश के बीच समझौते की शर्तें क्या हों—ये जरूरी सवाल हैं। लेकिन इनके पीछे छिपा बड़ा सवाल इससे कहीं ज्यादा असुविधाजनक है ‐ क्या हमने गंगा को नदी मानना बंद कर दिया है?

अगर गंगा सिर्फ पानी होती तो उसका हिसाब लगाया जा सकता था। अगर वह केवल सिंचाई और नौवहन का साधन होती तो बैराज, तटबंध और नहरों से उसकी नियति तय की जा सकती थी। लेकिन गंगा एक जीवित नदी है। उसका अपना प्रवाह है, अपना भूगोल है, अपना पारिस्थितिक तंत्र है। उसके किनारे बसे समाजों की स्मृतियां और आजीविका हैं। उसके साथ करोड़ों लोगों का जीवन जुड़ा है। इसलिए गंगा के पानी का सवाल अंततः नदी के अधिकार और मनुष्य के न्याय का सवाल है।

फरक्का इसी बड़े संकट का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

1975 में मुर्शिदाबाद के पास फरक्का बैराज शुरू हुआ। उद्देश्य था हुगली में पानी का प्रवाह बढ़ाकर कोलकाता बंदरगाह को गाद से बचाना। उस समय विकास की भाषा में नदी एक संसाधन थी और इंजीनियरिंग उसका समाधान। लेकिन पांच दशक बाद नदी ने इस विकास-दृष्टि की कीमत का हिसाब मांगना शुरू कर दिया है।

फरक्का के ऊपर और नीचे बदलता नदी-तंत्र, गाद का असामान्य व्यवहार, तट कटाव, मछलियों की आवाजाही में बाधा, डॉल्फिन का संकट और बाढ़ की बदलती प्रकृति—इन सबको अलग-अलग समस्याएं मानना सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से यह नदी के साथ हुए व्यापक हस्तक्षेप का हिस्सा है।

बिहार में इसका असर सबसे ज्यादा दिखाई देता है।

यह कैसी विडंबना है कि गंगा के किनारे रहने वाला बिहार बाढ़ में डूबता है और फिर पानी के लिए तरसता भी है। गांव कटते हैं, खेत नदी में समा जाते हैं, परिवार विस्थापित होते हैं और सरकारी आंकड़ों में यह सब हर साल की प्राकृतिक आपदा बन जाता है। सवाल यह है कि जिसे हम हर वर्ष 'प्राकृतिक' कहकर भूल जाते हैं, उसमें कितना हिस्सा हमारी नीतियों का पैदा किया हुआ है?

नदी के कटाव को सिर्फ नदी की मनमर्जी बताकर सरकारें अपने दायित्व से बच नहीं सकतीं।

गंगा मुक्ति आंदोलन और नदी से जुड़े जन आंदोलनों ने वर्षों पहले यह सवाल उठाया था कि नदी को सिर्फ जल संसाधन मानने की नीति बदलनी होगी। नदी के साथ रहने वाले समुदायों की आवाज सुनी जानी चाहिए। लेकिन आज भी निर्णय नदी किनारे खड़े आदमी से दूर, राजधानी के दफ्तरों में लिए जाते हैं।

मछुआरा नदी में उतरता है, किसान नदी के बदलते मिजाज से खेती बचाता है, नाविक धारा को पढ़ता है और कटाव से उजड़ा परिवार नदी के किनारे फिर घर बनाने को मजबूर होता है। लेकिन नदी पर नीति बनाने वाली बैठकों में इन लोगों की जगह कहां है?

यही लोकतंत्र का असली सवाल है।

गंगा के पानी का बंटवारा केवल दिल्ली, पटना, कोलकाता और ढाका के बीच बैठकर तय नहीं किया जा सकता। इसमें उन लोगों की हिस्सेदारी भी होनी चाहिए जिनका जीवन प्रतिदिन नदी के साथ तय होता है।

भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 की गंगा जल संधि की समीक्षा दिसंबर 2026 में होनी है। यह समीक्षा महज कूटनीतिक औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। अगर दोनों देश पुराने आंकड़ों और पुराने दृष्टिकोण के साथ फिर वही गणित दोहराते हैं तो इससे नदी का भविष्य नहीं बदलेगा।

अब सवाल यह होना चाहिए कि 2050 तक गंगा की वास्तविक जल-स्थिति क्या होगी? जलवायु परिवर्तन उसके प्रवाह को कैसे प्रभावित करेगा? हिमालयी क्षेत्र में बदलाव का क्या असर पड़ेगा? गंगा बेसिन में बढ़ती आबादी, कृषि, उद्योग और शहरों की पानी की मांग कितनी होगी? और इन सबके बीच नदी में इतना पानी कैसे बचेगा कि वह नदी बनी रहे?

यहां पर्यावरणीय प्रवाह का सवाल निर्णायक हो जाता है।

नदी में न्यूनतम पानी छोड़ देना पर्यावरणीय प्रवाह नहीं है। नदी को अपने पारिस्थितिक कार्य करने के लिए पर्याप्त और मौसम के अनुरूप प्रवाह चाहिए। गाद का प्राकृतिक परिवहन हो, मछलियों का प्रवास हो, डॉल्फिन का आवास बचे, भूजल का पुनर्भरण हो या नदी की स्वयं को साफ करने की क्षमता—इन सबके लिए नदी का जीवित रहना जरूरी है।

हिल्सा मछली की आवाजाही में बाधा और गंगा डॉल्फिन की घटती संख्या हमें चेतावनी देती है कि नदी की समस्या सिर्फ मनुष्य की समस्या नहीं रह गई है। नदी का जैविक संसार टूट रहा है। और जब नदी का जैविक संसार टूटता है तो अंततः मनुष्य का संसार भी सुरक्षित नहीं रहता।

फरक्का को लेकर राजनीतिक बहस में एक विचित्र सुविधा दिखाई देती है। कोई इसे बिहार की हर समस्या का कारण बताता है, तो कोई इसकी भूमिका पर सवाल उठाने को भारत-बांग्लादेश संबंधों के खिलाफ खड़ा होना मान लेता है। दोनों अतियां समस्या को सरल बना देती हैं।

जरूरत न तो फरक्का-विरोधी नारे की है, न फरक्का-समर्थक सरकारी बयान की। जरूरत है स्वतंत्र वैज्ञानिक मूल्यांकन की।

फरक्का ने क्या हासिल किया और उसकी कीमत किसने चुकाई—इसका निष्पक्ष हिसाब होना चाहिए। बैराज के कारण नदी के प्रवाह, गाद, कटाव, मत्स्य संसाधन और पारिस्थितिकी पर क्या प्रभाव पड़ा, इसका अध्ययन सार्वजनिक किया जाना चाहिए। अगर किसी नीति का लाभ एक क्षेत्र को मिला और उसकी कीमत दूसरे क्षेत्र ने चुकाई, तो लोकतांत्रिक सरकार का दायित्व है कि वह उस कीमत का हिसाब करे।

इसीलिए एक स्वतंत्र बहुविषयक विशेषज्ञ समिति की जरूरत है। इसमें जल वैज्ञानिक हों, नदी विशेषज्ञ हों, पर्यावरणविद हों, मत्स्य विशेषज्ञ हों, समाजशास्त्री हों और अर्थशास्त्री हों। लेकिन इसके साथ गंगा किनारे के किसान, मछुआरे, नाविक और कटाव पीड़ित भी हों। नदी को समझने के लिए प्रयोगशाला जरूरी है, लेकिन नदी किनारे की स्मृति भी कम जरूरी नहीं।

सबसे बड़ा भ्रम यह है कि फरक्का हट जाएगा तो गंगा की सारी समस्याएं खत्म हो जाएंगी। ऐसा नहीं होगा।

हिमालय से बंगाल की खाड़ी तक नदी को जगह-जगह बांधा गया है, मोड़ा गया है, रोका गया है। नदियों पर बने बांध और बैराज, तटबंध, रेत खनन, औद्योगिक और शहरी प्रदूषण तथा नदी के प्राकृतिक क्षेत्र पर कब्जे—ये सभी मिलकर गंगा को खंडित करते हैं।

इसलिए फरक्का पर निर्णय जरूरी है, लेकिन पर्याप्त नहीं।

गंगा के लिए एक ऐसी समग्र नीति चाहिए जिसमें नदी को जल-संसाधन नहीं, जीवित पारिस्थितिक तंत्र माना जाए। पानी के उपयोग का अधिकार हो, लेकिन नदी के अस्तित्व की कीमत पर नहीं। सिंचाई चाहिए, शहरों को पानी चाहिए, उद्योगों को भी पानी चाहिए, नौवहन भी जरूरी हो सकता है—लेकिन नदी को मारकर विकास का कोई मॉडल टिकाऊ नहीं हो सकता।

और बिहार को इस बहस में सिर्फ 'बाढ़ पीड़ित राज्य' बनाकर पेश करना भी बंद करना होगा। बिहार के पास गंगा और उसकी सहायक नदियों के रूप में अपार जल-संपदा है। समस्या यह है कि जल-नीति ने उसे संसाधन की तरह देखा, जीवन-तंत्र की तरह नहीं।

कटाव में जमीन गंवाने वाले किसान को केवल मुआवजा देकर मामला खत्म नहीं किया जा सकता। जिस परिवार की जमीन हर साल नदी में चली जाती है, उसके लिए जमीन केवल संपत्ति नहीं, सामाजिक पहचान और आजीविका है। इसलिए कटाव नीति को पुनर्वास, आजीविका और भूमि-अधिकार से जोड़ना होगा।

राजनीति को यह कठिन सवाल स्वीकार करना होगा कि नदी पर किसका अधिकार है।

क्या ऊपर का राज्य नीचे के राज्य की कीमत पर पानी रोक सकता है? क्या एक देश दूसरे देश की जरूरतों को नजरअंदाज कर सकता है? क्या विकास के नाम पर नदी के जैविक अधिकारों को खत्म किया जा सकता है? और क्या नदी किनारे रहने वाले समुदायों को बिना पूछे उनके भविष्य का फैसला किया जा सकता है?

इन सवालों का जवाब केवल जल मंत्रालयों के पास नहीं है। यह लोकतंत्र के पास है।

दिसंबर 2026 में गंगा जल संधि की समीक्षा इसलिए एक अवसर है। इसे पुराने आंकड़ों की पुनरावृत्ति न बनने दिया जाए। 2050 तक की जल-जरूरतों का वैज्ञानिक आकलन हो। जलवायु परिवर्तन को आधार बनाया जाए। पर्यावरणीय प्रवाह को संधि का केंद्रीय तत्व बनाया जाए। फरक्का और उसके प्रभावों का स्वतंत्र अध्ययन हो। और सबसे बढ़कर, नदी से जुड़े समुदायों को निर्णय प्रक्रिया में वास्तविक भागीदारी मिले।

गंगा को बचाने का अर्थ पानी को रोकना नहीं, उसके प्रवाह को बचाना है।

गंगा को बचाने का अर्थ सिर्फ घाटों की सफाई नहीं, उसके पूरे पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा है।

गंगा को बचाने का अर्थ केवल धार्मिक आस्था की रक्षा नहीं, उन करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा है जिनकी रोजी-रोटी नदी से जुड़ी है।

इसलिए फरक्का पर बहस का अगला चरण नारे से नहीं, सवाल से शुरू होना चाहिए।

फरक्का रहेगा या जाएगा—यह फैसला विशेषज्ञ करेंगे। लेकिन गंगा बचेगी या नहीं, यह फैसला हमारी राजनीति और हमारी जल-दृष्टि करेगी।

फरक्का के पार गंगा का सवाल दरअसल बिहार, बंगाल और बांग्लादेश से भी बड़ा सवाल है। यह पूछता है कि विकास की दौड़ में हमने नदी को कितना पीछे छोड़ दिया है। यह पूछता है कि पानी का न्यायपूर्ण बंटवारा क्या केवल मनुष्यों के बीच होगा या नदी के अपने अधिकार को भी उसमें जगह मिलेगी।

गंगा किसी राज्य की नहीं है। किसी देश की भी अकेली नहीं है।

वह साझा है—और इसी साझेपन में उसका भविष्य है।

इसलिए अब समय फरक्का पर बहस को फरक्का से आगे ले जाने का है।

सवाल बैराज का ही नहीं, नदी का है। सवाल पानी का ही नहीं, न्याय का है। और सवाल आज की जरूरत का ही नहीं, आने वाली पीढ़ियों के अधिकार का भी है।

- कुमार कृष्णन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 30 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.14 पर बंद हुआ। इससे पहले रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.56 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाए जाने के आसार के बीच अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ा और डॉलर में व्यापक मजबूती आई। इससे निवेशकों की धारणा और प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.56 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.62 पर आ गया।

पार्थ जिंदल बने जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के नए चेयरमैन

मुंबई । जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि पार्थ जिंदल को तत्काल प्रभाव से कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वे पहले कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल थे और उनकी नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब समूह भविष्य की रणनीतिक साझेदारियों की तलाश में है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का एक संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 फीसदी, एसएआईसी मोटर की 49 और शेष 16 फीसदी हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों, डीलर व कर्मचारियों के पास है। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही निदेशक मंडल में शामिल रहे हैं। उन्होंने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार और स्थानीयकरण कार्यक्रमों को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के तौर पर अपनी नई जिम्मेदारी के अलावा, पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन तथा जेएसडब्ल्यू एनर्जी के निदेशक मंडल में भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं। उनकी यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब जेएसडब्ल्यू समूह जर्मनी की प्रमुख वाहन कंपनी स्कोडा फॉक्सवैगन के साथ एक संभावित साझेदारी को लेकर बातचीत कर रहा है, जो भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र में समूह की महत्वाकांक्षाओं को रेखांकित करता है।

1 सितंबर से एलपीजी-पीएनजी में होंगे तीन बड़े बदलाव

नई दिल्ली। सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए कई अहम बदलाव लागू होंगे। इनका सीधा असर आपकी रसोई के बजट और गैस सेवाओं पर पड़ेगा, जिनमें सिलेंडर के दामों की समीक्षा, ईकेवायसी की अनिवार्यता और नए कनेक्शन की योजनाएं प्रमुख हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को घरेलू (14.2 किग्रा) और कमर्शियल (19 किग्रा) एलपीजी सिलेंडर की कीमतें संशोधित करती हैं। अगस्त में घरेलू सिलेंडर स्थिर थे, जबकि कमर्शियल सिलेंडर 192 सस्ता हुआ। उपभोक्ता अब घरेलू गैस के दामों में कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। सितंबर में कीमतें घटेंगी, बढ़ेंगी या स्थिर रहेंगी, यह कल ही पता चलेगा। एलपीजी कनेक्शन के लिए आधार-आधारित बायोमेट्रिक ईकेवायसी कराने का 31 अगस्त अंतिम मौका है। यदि आपने समय रहते ईकेवायसी नहीं कराया, तो 1 सितंबर से आपको सब्सिडी या सिलेंडर आपूर्ति में दिक्कतें आ सकती हैं। इसे आप घर बैठे ऑनलाइन या अपनी गैस एजेंसी पर जाकर पूरा कर सकते हैं। सरकार की पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) प्रोत्साहन योजना भी 1 सितंबर से शुरू होगी। इसका लक्ष्य देश के अधिक शहरों और कस्बों को पीएनजी नेटवर्क से जोड़ना है। इस योजना के तहत नए पीएनजी कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं को रजिस्ट्रेशन व सिक्योरिटी डिपॉजिट पर विशेष छूट या आसान किस्तों का लाभ मिलेगा।

चीनी की जमाखोरी पर सरकार सख्त, मिलों को अब 7 दिन में बेचना होगा कोटा

नई दिल्ली । बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर लगाम कसने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, अब चीनी मिलों को अपना आवंटित कोटा रिलीज ऑर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर बेचना अनिवार्य होगा, जबकि पहले इसके लिए एक महीने का समय मिलता था। सरकार ने सितंबर 2026 के पहले पखवाड़े (1 से 15 सितंबर) के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित किया है। सरकार के इस नए नियम के तहत, चीनी मिलों को अब एक महीने के बजाय रिलीज ऑर्डर जारी होने के 7 दिनों के भीतर हर हाल में अपना आवंटित चीनी कोटा बाजार में बेचना होगा। रिलीज ऑर्डर एक आधिकारिक अनुमति पत्र होता है, जिसके माध्यम से सरकार यह तय करती है कि कोई भी चीनी मिल एक निश्चित समय-सीमा के भीतर खुले बाजार में कितनी चीनी बेच सकती है। यह व्यवस्था बाजार में चीनी की अत्यधिक आपूर्ति या कमी दोनों को रोकने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इस कड़े नियम का मुख्य उद्देश्य मिलों को अधिक मुनाफे के लालच में चीनी का स्टॉक दबाकर रखने से रोकना है।

पाकिस्तान-सऊदी अरब का कृषि समझौता, 3 अरब डॉलर निर्यात का लक्ष्य

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने कृषि और खाद्य क्षेत्र में एक बड़ा समझौता किया है, जिसके तहत अगले दो साल में पाकिस्तान से सऊदी अरब को होने वाला कृषि और खाद्य उत्पादों का निर्यात तीन अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाया जाएगा। यह अहम सहमति सऊदी अरब के पर्यावरण, जल और कृषि मंत्री अब्दुलरहमान अल-फादली की हालिया पाकिस्तान यात्रा के दौरान बनी। 26 से 28 अगस्त तक चली अपनी यात्रा के दौरान, मंत्री अल-फादली ने पाकिस्तान के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और अनुसंधान मंत्री राणा तनवीर हुसैन और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 307, निफ्टी 95 अंक गिरा

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी बाजार नीचे आया है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 307.24 अंक टूटकर 76,957.27 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 95.25 अंक फिसलकर 24,080.40 पर बंद हुआ।

बाजार की व्यापक स्थिति पर नजर डालें तो आज बीएसई पर कुल 4680 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2571 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1855 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 254 शेयरों में कोई बदलाव नहीं रहा। बेंचमार्क इंडेक्स में कमजोरी के बावजूद, निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत निफ्टी मिडकैप 100 में देखा गया, जो 0.24 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 64,224.75 पर बंद हुआ। हालांकि, स्मॉलकैप इंडेक्स पर दबाव बना रहा और निफ्टी स्मॉलकैप 100 0.74 फीसदी गिरकर 19,931.65 पर आ गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से अधिकांश में कमजोरी हावी रही, जहां केवल 9 शेयर ऊपर चढ़े, जबकि 21 में गिरावट दर्ज की गई। बढ़त वाले प्रमुख शेयरों में सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई, बजाज फिनसर्व और टीसीएस शामिल थे। दूसरी ओर, अधिक गिरावट वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और कोटक बैंक जैसे दिग्गज शेयर शामिल रहे, जिन्होंने इंडेक्स को नीचे खींचने में अहम भूमिका निभाई।

बाजार में इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। सबसे पहले, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को कमजोर किया।

इसके साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की संभावना ने भी बाजार को चिंतित किया। जानकारों ने इस संभावना को बल दिया है, जिससे अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि हुई और डॉलर में मजबूती आई, जिससे उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का डर बढ़ गया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 419.70 अंक गिरकर 76,844.81 पर और निफ्टी 156.60 अंक फिसलकर 24,019.05 पर कारोबार कर रहा था।

इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एएसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सभी लाल निशान में बंद हुए। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार भी गिरावट के साथ समाप्त हुए थे।

कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च, फिनटेक कंपनियां करेंगी कमाई

60 घंटे का काम सिर्फ 45 मिनट में होगा, यह लोन रिकवरी जैसे काम भी करेगा

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनी कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च कर रही है ताकि भुगतान से जुड़े कामों को स्वचालित बनाया जा सके। भारत में फिनटेक कंपनियां भुगतान की प्रोसेसिंग के अलावा कमाई का नया जरिया बनाने के लिए एजेंटिक यूज केस यानी एआई एजेंट वाले समाधान की ओर बढ़ रही हैं। रिले नाम के इस एआई एजेंट का इस्तेमाल कारोबारी कई कामों के लिए कर सकते हैं, जैसे- फेल हुए पेमेंट को दोबारा प्रोसेस करना, अधूरी कार्ट पर फॉलो-अप करना, कैश-ऑन-डिलिवरी ऑर्डर भेजने से पहले पुष्टि करना, फेल सबस्क्रिप्शन का प्रबंध करना और डिस्प्यूट फाइल करना। कंपनी का लक्ष्य ऐसे एजेंट के जरिये 20,000 करोड़ रुपए की गंवाई हुई ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू वापस पाना है। ये एजेंट उन ग्राहकों को प्रेरित कर सकते हैं जिनके लेनदेन बीच में ही रोक देने की संभावना है। ये एजेंट ग्राहकों से वॉइस या टेक्स्ट के जरिये बातचीत शुरू कर सकते हैं या उन्हें छूट देकर लेनदेन पूरा करने के लिए राजी सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक कैशफ्री पेमेंट्स के इंजीनियरिंग निदेशक ने कहा कि व्यापारियों के पास परिचालन या ग्रोथ टीम होती है जो यह जानने के लिए ग्राहकों को कॉल करती है कि उन्होंने अपनी कार्ट क्यों रोक दी या पेमेंट के दौरान उन्हें क्या दिक्कतें आईं। ये टीमें ग्राहकों को छूट भी दे सकती हैं। अब ये काम एआई एजेंट करेंगे। एक छोटे या मझोले कारोबार को भुगतान से जुड़े कामों में हफ्ते में करीब 60 घंटे लग सकते हैं। कैशफ्री का दावा है कि वह अपने एजेंट के जरिये इस समय को घटाकर 45 मिनट कर सकती है। यह एजेंट बेंगलूरु की कंपनी के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम करता है। कंपनी ने कहा कि कारोबारी लेनदेन का आंकड़ा बाहर के एआई प्रदाता को नहीं भेजा जाता है।

मेष राशि-आज का दिन उपलब्धियों की नई कहानी लिख सकता है। लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम आखिरकार पूरा होने से मन को बड़ी राहत मिलेगी। परिवार में आपसी प्रेम और एकजुटता बनी रहेगी। संतान की खुशी के लिए नया वाहन खरीदने का विचार भी हकीकत बन सकता है। हालांकि, सेहत को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें।

वृषभ राशि-आज का दिन भले ही सामान्य नजर आए, लेकिन इसके भीतर कई नए अवसर छिपे हो सकते हैं। नई नौकरी का ऑफर आकर्षक लगेगा, फिर भी फिलहाल वर्तमान नौकरी में टिके रहना आपके लिए बेहतर हो सकता है। रिश्तों में भरोसा और मजबूती बढ़ेगी। वरिष्ठों का सहयोग आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा।

मिथुन राशि-आज पैसों के लेन-देन में थोड़ी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए हर सौदा सोच-समझकर करें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात बीती यादों को फिर से ताजा कर देगी। जिम्मेदारियों से पीछे हटने के बजाय पूरे आत्मविश्वास से उनका सामना करें, सफलता आपके करीब आएगी। जीवनसाथी के लिए किया गया छोटा-सा सरप्राइज रिश्ते में फिर से मिठास घोल सकता है। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के साथ रुका हुआ पैसा वापस मिलने की भी उम्मीद है।

कर्क राशि-आज जीवन में कोई सकारात्मक बदलाव दस्तक दे सकता है। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी, लेकिन धैर्य और प्यार से स्थिति आपके नियंत्रण में आ सकती है। आज आपका गुस्सा ही आपकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकता है, इसलिए खुद पर नियंत्रण रखें। भाई-बहनों के साथ चल रहा पुराना विवाद बातचीत से सुलझाने का अच्छा समय है। लंबे समय से अटका सरकारी काम पूरा होने की खबर आपको काफी राहत दे सकती है।

सिंह राशि-आज दिनभर भागदौड़ और जिम्मेदारियां आपको व्यस्त रखेंगी, लेकिन मेहनत का अच्छा परिणाम भी मिलेगा। कारोबार में नई पार्टनरशिप भविष्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। परिवार में शादी-विवाह से जुड़ी कोई पुरानी रुकावट दूर होने से घर का माहौल खुशियों से भर जाएगा।

कन्या राशि-आज आपकी सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है, जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करना। परिवार के बुजुर्गों की सेहत पर विशेष ध्यान दें और उनकी जरूरतों को नजरअंदाज न करें। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अनुकूल रह सकता है। आपकी लोकप्रियता और लोगों का समर्थन बढ़ेगा।

तुला राशि-आज आर्थिक संतुलन बनाए रखना आपके लिए सबसे जरूरी रहेगा। कमाई अच्छी हो सकती है, लेकिन अगर खर्चों पर नियंत्रण नहीं रखा तो तनाव बढ़ सकता है। परिवार की निजी समस्याओं को सुलझाने में बाहरी लोगों की सलाह लेने से बचें। किसी वरिष्ठ या अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए सही दिशा दिखा सकती है।

वृश्चिक राशि-आज का दिन खुशी, मुलाकात और नए बदलावों की सौगात ला सकता है। दूर रहने वाला कोई प्रिय व्यक्ति अचानक मिल जाए तो मन को गहरा सुकून मिलेगा। घर की सजावट, मरम्मत या रिनोवेशन पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन इससे घर का माहौल और खूबसूरत होगा।

धनु राशि-आज तरक्की के कई रास्ते आपके सामने खुल सकते हैं। कारोबार को नई ऊंचाई देने के लिए बनाई गई योजना उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकती है। दोस्तों के साथ बिताया समय मन का तनाव कम करेगा। संतान की उपलब्धि आपको गर्व महसूस कराएगी। प्रेम जीवन में किसी खास व्यक्ति से मुलाकात या कोई खूबसूरत पल दिन को यादगार बना सकता है।

मकर राशि- आज आपकी प्रगति की रफ्तार तेज रहेगी और आपकी मेहनत दूसरों को साफ नजर आएगी। हालांकि, आपकी तेजी और सफलता कुछ लोगों को पसंद नहीं आएगी, जिससे नए विरोधी भी बन सकते हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में हर कदम सोच-समझकर उठाना जरूरी होगा। सरकारी कामों में सफलता मिलने की संभावना है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए सुकून, खुशी और पारिवारिक प्रेम लेकर आ सकता है। घर में एकता और सकारात्मक माहौल बना रहेगा। संतान की परीक्षा का अच्छा परिणाम आपकी चिंता दूर कर सकता है। जीवनसाथी को प्रमोशन मिलने से घर में गर्व और खुशी का माहौल बनेगा। भाई-बहनों की कोई सलाह किसी महत्वपूर्ण फैसले में आपके बहुत काम आएगी। दोस्तों के साथ शानदार समय बीतेगा, हालांकि किसी करीबी की सेहत को लेकर मन थोड़ा चिंतित रह सकता है।

मीन राशि- आज छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। कार्यक्षेत्र में किसी से बहस होने की संभावना है, इसलिए गुस्से में कोई ऐसा शब्द न बोलें जिसका बाद में पछतावा हो। अविवाहित लोगों की जिंदगी में प्यार की नई शुरुआत हो सकती है। कारोबार में किया गया सही निवेश भविष्य में अच्छा लाभ दे सकता है। पार्टनरशिप में जाने से पहले सामने वाले की पूरी जानकारी और शर्तों की अच्छी तरह जांच कर लेना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा।

शब्दजाल - 8367

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'गार' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

श	रा	रो	ज	गा	र	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	का	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	का	म	गा	र	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	अं	गा	र
ट	रा	द	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	द	प	ह	ला	उ	ड़	न	आ
श्रं	ट	बु	अं	गा	म	ट	ह	द	ह	गा
गा	जी	वा	ला	र	र	सौ	न	ट	गा	र
र	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	र
र	ल	भं	गा	र	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बे	गा	र	ह	ट

रोजगार, कामगार, उदगार, भंगार, बेगार, पगार, मददगार, श्रंगार, आगार, अंगार

शब्दजाल - 8366 का हल

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	डो	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	स्व	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 सितम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	मेष में
मंगल	मिथुन में
बुध	सिंह में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.54 बजे से
तुला	09.05 बजे से
वृश्चिक	11.19 ब.से
धनु	13.35 बजे से
मकर	15.41 बजे से
कुंभ	17.27 बजे से
मीन	19.00 बजे से
मेष	20.30 बजे से
वृष	22.10 बजे से
मिथुन	00.09 बजे से
कर्क	02.22 बजे से
सिंह	04.38 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 244 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 07.42 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 02.42 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वृद्धि 23.39 बजे को समाप्त। **करण** बालव 07.42 बजे तदनन्तर कौलव 19.00 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 08° 21' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872819 **जूलियन दिन** 2461284.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 18 **विशेष** गोगा पंचमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7311

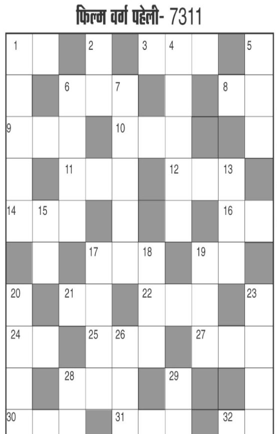

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू. रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7310

गे	ड	■	बॉ	बी	■	श	श	र	त
टी	■	अ	क्स	■	फ	श	ज	■	ला
■	कु	द	र	त	■	बी	■	जो	श
आ	■	ना	■	म	र्द	■	जं	ग	■
द	म	न	■	त्रा	■	■	जी	न	त
मी	■	सा	थी	■	म	द	र	■	ह
■	वि	मी	■	अ	वा	म	■	शू	ल
ही	श	■	रू	दा	ली	■	जै	■	का
■	स	नी	■	ल	■	फ	की	श	■
जी	त	■	सौ	त	न	■	■	जा	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सफलता का रास्ता

एक बार प्रसिद्ध विचारक स्वेट मार्डेन के पास एक व्यक्ति आया और बोला, 'सर, मैं काम करने की इच्छा रखता हूं, लक्ष्य भी मैंने निर्धारित कर लिया है और उसके लिए आवश्यक साधन भी मेरे पास उपलब्ध हैं, फिर भी न जाने क्यों मुझे मेरे कार्य में शत-प्रतिशत सफलता नहीं मिलती। यदि मैं काम न करूं तो असफल होने की बात मेरी समझ में आती है, मगर काम करते रहने पर भी नाकामयाब होते रहने की बात मेरी समझ से परे है।' उस व्यक्ति की बात सुनकर स्वेट मार्डेन बोले, 'तुम्हारे इस प्रश्न का उत्तर बेहद सरल है। फिर भी मैं तुम्हें इसका जवाब एक उदाहरण देकर समझाता हूं। उदाहरण से तुम भलीभांति समझ जाओगे कि तुम्हारे काम में क्या कमी रह जाती है।' व्यक्ति बोला, 'हां, आप मुझे अवश्य बताएं ताकि मैं अपने में सुधार कर सकूं।' स्वेट मार्डेन बोले, 'बहुत से लोग अपने जीवन की गाड़ी को गुनगुने पानी में चलाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे यह नहीं जानते कि पानी को जब तक 212 फारेनहाइट तक गर्म न किया जाए उसमें भाप नहीं बनती है और जब तक पानी में भाप न बने तब तक इंजन गाड़ी को नहीं खींच सकता।' उदाहरण सुनकर वह व्यक्ति आश्चर्य से बोला, 'इंजन का मेरे काम से क्या संबंध है?' स्वेट मार्डेन बोले, 'भाई, बहुत ही गहरा संबंध है। तुम्हारे काम में उत्साह की कमी ठीक उसी तरह असर करती है, जिस तरह गुनगुना पानी इंजन के बायलर पर। जब तक पानी 212 फारेनहाइट तक गर्म नहीं हो जाता, तब तक वह इंजन को नहीं खींच सकता। उसी तरह जब तक तुम अपने काम में संपूर्ण आत्मशक्ति और एकाग्रता नहीं झोंक देते तब तक सफलता तुमसे दूर रहेगी। सारे साधन उपलब्ध होने पर भी मंद गति से काम करने पर मंजिल तक पहुंचना कठिन है।' युवक ने उसी क्षण निश्चय किया कि अब वह अपने उत्साह को गुनगुने पानी की तरह मंद नहीं पड़ने देगा और सफलता पाकर रहेगा।

सूडोकु नवताल- 7620

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7619 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 8835

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन, संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय, फतह-2
10. आम जनता, लोग-2
11. लाभ, कुल योग-2
13. निर्माण, कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट, विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह, अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध, रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत, मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी, गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी, आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण, स्त्रीय-3
12. वृतांत, घटना-3
16. हल, निष्कर्ष-4
17. राशन, भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट, अवरोध-3

शब्द पहेली -8834 का हल

अ	प	ना	प	न	■	प	क	ना
रा	ल	■	त	■	ख	स	म	■
ज	■	का	न	न	■	■	जो	श
क	ह	र	■	क	र	ता	र	■
ता	■	ग	■	छे	■	र	■	फ
■	ब	र	ग	द	■	ता	मी	र
द	गा	■	■	न	ज	र	■	मा
■	व	त	न	■	ह	■	पा	ई
फ	त	ह	■	स	र	फ	रो	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

बैगा आदिवासियों के हिस्से में फिर घोषणा का झुनझुना, 2 लाख की सहायता और 225 करोड़ भी ऊंट के मुंह में जीरा-अजय अवसरे

लांजी सिविल अस्पताल में भर्ती लगभग आधा सैकड़ा बैगा मरीजों का हाल जानना भी जरूरी नहीं समझा मुख्यमंत्री ने, सरकारी तंत्र ने भी नहीं दी जानकारी -ऋषि दशरिया

पद्मेश न्यूज। लांजी। बैगा आदिवासी समाज बालाघाट की पहचान, जंगल और प्रकृति का अभिन्न हिस्सा होने के साथ इस क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण जनजातीय आबादी में से एक है। पीढ़ियों से जंगल और प्राकृतिक संसाधनों के साथ जीवन जीने वाले इस समाज के नाम पर सरकारें योजनाएं बनाती हैं, बजट जारी करती हैं और विकास के दावे करती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि आज भी बैगा परिवारों का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, आवास और मूलभूत सुविधाओं के लिये संघर्ष कर रहा है। बैगा आदिवासी इस क्षेत्र के लिये बेहद आवश्यक हैं। उनकी संस्कृति, परंपराएं, जंगलों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान और प्रकृति के संरक्षण में उनकी भूमिका बालाघाट की पहचान है। इनके नाम पर सरकारी योजनाओं में राशि आती है, विभागों के माध्यम से योजनाएं चलती हैं, लेकिन बैगा आदिवासियों के हिस्से का कितना रुपया वास्तव में उन तक पहुंचता है और कितना सरकारी विभाग और अधिकारी डकार जाते हैं, इसकी जमीनी तस्वीर भी सामने आनी चाहिए। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा बैगा बहुल क्षेत्रों के लिये की गई घोषणाओं को लेकर जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि दशरिया ने अपनी अलग-अलग प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दोनों नेताओं ने कहा कि नक्सल मुक्त बालाघाट को विकास और आत्मनिर्भरता का मॉडल बनाने की बात तभी सार्थक होगी, जब विकास की वास्तविक तस्वीर बोंदारी जैसे गांवों और लांजी के अस्पतालों में दिखाई दे। बैगा आदिवासियों के नाम पर घोषणा करने से ज्यादा जरूरी है कि उनके हिस्से का हक और सरकारी सुविधा वास्तव में उनके घर और अस्पताल के बिस्तर तक पहुंचे।

2 लाख की सहायता बैगा परिवारों के लिये ऊंट के मुंह में जीरा-अजय अवसरे

जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीमारी से मृत बच्चों के परिवारों को प्रति परिवार 2 लाख रुपये की मुआवजा राशि देने की घोषणा की है, लेकिन जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनके लिये यह राशि ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। किसी परिवार ने अपने बच्चे को खोया है तो दो लाख रुपये उस परिवार के दर्द और भविष्य की भरपाई नहीं कर सकते। अवसरे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बालाघाट जिले के सर्वांगीण विकास के लिये 225 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की है। घोषणा सुनने में बड़ी है, लेकिन बैगा आदिवासियों की वास्तविक जरूरतों के सामने यह भी ऊंट के मुंह में जीरा जैसी है। वर्षों से जिन गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल, रोजगार और आजीविका जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, वहां केवल घोषणा कर देने से बैगा परिवारों का जीवन नहीं बदलने वाला। अवसरे ने कहा कि बैगा परिवारों को किसी की कृपा नहीं चाहिए। उन्हें उनके हिस्से का हक चाहिए। घोषणा की राशि से ज्यादा जरूरी यह है कि योजनाओं का पैसा सही हितग्राही तक पहुंचे और सरकारी व्यवस्था उन परिवारों के घर तक पहुंचे, जिनके नाम पर योजनाएं बनाई जा रही हैं।

अवसरे ने कहा कि मुख्यमंत्री बोंदारी आये थे तो बैगा परिवारों के बीच बैठकर उनकी वास्तविक समस्याएं समझने की उम्मीद थी। लेकिन अपनी ढपली और अपना राग अलापते हुए नक्सल समस्या को बीच में ले आए। ग्रामीणों को अपने स्वास्थ्य, बच्चों की बीमारी, शिक्षा, रोजगार और रोजमर्रा की परेशानियों के बारे में मुख्यमंत्री से अपनी बात कहने का अवसर चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीणों से यह कहे जाने पर भी नाराजगी जताई कि कभी इतना बड़ा नेता आप लोगों के बीच में आया है क्या और पहली बार आने पर ग्रामीण ताली बजाकर उनका स्वागत भी नहीं कर रहे हैं। दशरिया ने कहा कि बैगा आदिवासियों को तालियां बजाने से ज्यादा अपने बच्चों के लिये इलाज, शिक्षा और बेहतर भविष्य चाहिए। उन्हें अपने हिस्से की योजनाओं का लाभ और सम्मानजनक जीवन चाहिए।

लांजी अस्पताल में भर्ती लगभग आधा सैकड़ा बैगा मरीज, फिर मुख्यमंत्री को जानकारी क्यों नहीं ?-ऋषि दशरिया

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि दशरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोंदारी में बैगा आदिवासियों से उनका हालचाल जानने और उनके हालात समझने के लिये पहुंचे थे। लेकिन इसी दौरान लांजी के सिविल अस्पताल में भर्ती लगभग आधा सैकड़ा बैगा समुदाय के मरीजों का हालचाल तक मुख्यमंत्री के सामने नहीं आया। दशरिया ने कहा कि इन मरीजों में कुछ स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं, जबकि कुछ मरीज अस्पताल में उपचाररत रहे हैं। बीते दिनों विधायक राजकुमार कर्राहे, सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिविल अस्पताल पहुंचकर मरीजों का हालचाल जाना था। ऐसे में मुख्यमंत्री के दौरे के समय स्वास्थ्य विभाग या संबंधित अधिकारियों द्वारा इन मरीजों की जानकारी मुख्यमंत्री तक नहीं पहुंचाना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बैगा आदिवासियों के स्वास्थ्य और उनके जीवन की कठिनाइयों को समझने के लिये आये थे, तो लांजी सिविल अस्पताल में भर्ती मरीज क्या बैगा समुदाय से नहीं आते? यदि आते हैं तो फिर उनकी बीमारी और उपचार की जानकारी मुख्यमंत्री के सामने क्यों नहीं रखी गई। मंच से बैगा समाज के स्वास्थ्य की बात करने के बजाय अस्पताल में भर्ती वास्तविक मरीजों की स्थिति मुख्यमंत्री के सामने रखी जाती तो उन्हें क्षेत्र की वास्तविक तस्वीर समझने में अधिक मदद मिलती। दशरिया ने कहा कि सरकारी तंत्र वर्षों से इन दूरस्थ क्षेत्रों तक आवश्यक सुविधाएं पहुंचाने में नाकाम रहा है। अब नक्सल मुक्त होने के बाद मुख्यमंत्री द्वारा यह कहना कि 卐इन क्षेत्रों से ऐसी समस्याओं से हम रूबरू हो रहे हैं卐, उचित नहीं लगता। नक्सलियों की मौजूदगी में कभी ऐसी समस्या या घटना प्रकाश में नहीं आई। यदि आज ऐसी समस्याएं सामने आ रही हैं तो यह भी उसी सरकारी तंत्र की विफलता है, जो इतने वर्षों में इन इलाकों के लोगों तक पर्याप्त स्वास्थ्य और अन्य सुविधाएं पहुंचाने में नाकाम रहा।

पालडोंगरी आईटीआई में प्रवेश का अंतिम मौका, आशुलिपिक हिंदी में सीटें रिक्त

5 से 7 सितंबर तक होंगे पंजीयन, विकल्प चयन और त्रुटि सुधार; पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर मिलेगा प्रवेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र की पालडोंगरी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) में सत्र 2026-27 में प्रवेश की अंतिम चरण की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। संस्था में आशुलिपिक हिंदी व्यवसाय में सीटें रिक्त हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए यह प्रवेश का अंतिम अवसर है। रिक्त सीटों पर प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा जारी प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार 4 सितंबर 2026 को रिक्त सीटों की जानकारी प्रवेश पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी। इसके बाद 5 से 7 सितंबर 2026 तक नवीन पंजीयन, विकल्प चयन एवं त्रुटि सुधार की प्रक्रिया चलेगी। अभ्यर्थी अपनी पसंद के अनुसार किसी एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में उपलब्ध किसी एक व्यवसाय का चयन कर सकेंगे। सभी पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए विकल्प चयन करना अनिवार्य रहेगा।

50 रुपए शुल्क देकर सुरक्षित करना होगा विकल्प

अभ्यर्थियों को विकल्प का चयन करने के बाद 50 रुपए का शुल्क जमा कर विकल्प को अंतिम रूप से सुरक्षित करना होगा। एक बार विकल्प सुरक्षित करने के बाद उसमें किसी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकेगा। इसलिए अभ्यर्थियों को संस्था एवं व्यवसाय का चयन पूरी सावधानी के साथ करने की सलाह दी गई है। विकल्प चयन के बाद अभ्यर्थी को आवंटन पत्र निकालकर संबंधित आईटीआई में मूल दस्तावेजों एवं दो सेट छायाप्रतियों के साथ उपस्थित होना होगा। उसी दिन दस्तावेजों का सत्यापन कराया जाएगा। सत्यापन के बाद निर्धारित प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश पर्ची प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

प्रक्रिया पूरी नहीं की तो निरस्त हो सकता है आवंटन

निर्धारित समय में दस्तावेज सत्यापन एवं प्रवेश की प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले अभ्यर्थी का आवंटन संस्था द्वारा अगले कार्यदिवस में दोपहर 1 बजे के बाद निरस्त किया जा सकता है। इसके बाद रिक्त होने वाली सीट पर नियमानुसार किसी अन्य आवेदक को प्रवेश दिया जा सकेगा। पालडोंगरी शासकीय आईटीआई में आशुलिपिक हिंदी व्यवसाय में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी 5 से 7 सितंबर के बीच होने वाली इस अंतिम प्रवेश प्रक्रिया का लाभ उठाकर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं।

75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

विधायक राजकुमार कर्राहे ने वितरित की करियर मार्गदर्शिका, बैग, शील्ड व प्रशस्ति पत्र; विद्यार्थियों से कहा—ऊंचा सपना देखिए, सफलता आपके कदम चूमेगी

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी में 30 सितम्बर को सत्र 2025 की बोर्ड परीक्षा में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शिका पुस्तक, शील्ड, प्रशस्ति पत्र एवं बैग वितरित कर उनकी मेहनत और उपलब्धि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 58 विद्यार्थियों तथा कक्षा 10वीं के 60 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे ने विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शिका पुस्तक, शील्ड, प्रशस्ति पत्र एवं बैग प्रदान किए। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह नजर आया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शिका पुस्तकों के महत्व के बारे में भी बताया गया। कहा गया कि विद्यार्थी इन पुस्तकों को अच्छी तरह पढ़कर और समझकर अपने भविष्य के लिए उपयुक्त क्षेत्र एवं पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं। साथ ही विद्यार्थियों से अपील की गई कि पुस्तक का अध्ययन करने के बाद इसे विद्यालय में वापस जमा करें, ताकि आगामी सत्र में अन्य विद्यार्थी भी इन पुस्तकों का लाभ उठा सकें और अपने करियर की दिशा स्वयं तय कर सकें।

ऊंचा सपना देखिए, लक्ष्य के लिए मेहनत कीजिए

कार्यक्रम के दौरान विधायक राजकुमार कर्राहे ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में हमेशा ऊंचा सपना देखना चाहिए और अपनी सोच को बड़ा रखना चाहिए। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसके लिए निरंतर मेहनत की जाए तो सफलता निश्चित रूप से प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही हैं और बड़े-बड़े पदों पर पहुंचकर परिवार एवं समाज का नाम रोशन कर रही हैं। विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेकर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए मेहनत करनी चाहिए। विधायक ने विद्यार्थियों को 卐नशे से दूरी है जरूरी卐 का संदेश देते हुए नशे जैसी बुराइयों से पूरी तरह दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य निर्माण का महत्वपूर्ण समय है, इसलिए इस समय का सदुपयोग पढ़ाई, ज्ञानवर्धन और सकारात्मक गतिविधियों में करना चाहिए।

अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव भी किए साझा

विधायक राजकुमार कर्राहे ने विद्यार्थियों के साथ अपने विद्यार्थी जीवन के कुछ अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि जीवन में परिस्थितियां चाहे जैसी हों, विद्यार्थी को अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बनने और अपनी शंकाओं का समाधान प्रश्न पूछकर करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के लांजी प्रवास के दौरान विद्यार्थियों द्वारा बिना किसी झिझक के पूछे गए अच्छे एवं सार्थक प्रश्नों का उल्लेख करते हुए संबंधित विद्यार्थियों की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी विषय को समझने के लिए सवाल पूछना अच्छी आदत है और विद्यार्थियों को बिना संकोच अपनी जिज्ञासा सामने रखनी चाहिए। कार्यक्रम में गौरव बैस सांसद प्रतिनिधि जिला पंचायत, कैलाश गोस्वामी विधायक प्रतिनिधि तथा राकेश रामटेककर सांसद प्रतिनिधि सहित विद्यालय के प्राचार्य डी.के. फुल्लारे, एस.आई. बनोठे, रविंद्र धामड़े, जी.आर. चीखले, एम.डी. मेश्राम, एन.के. मेश्राम सहित विद्यालय में पदस्थ समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत कर विद्यालय, परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया।

33 वर्षों की सेवा के बाद एम. एल. नगपुरे को भावभीनी विदाई

सहकारिता एवं बैंकिंग क्षेत्र में योगदान को किया याद, शॉल-श्रीफल व स्मृति-चिह्न भेंटकर किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट, शाखा लांजी के संस्था प्रबंधक एम. एल. नगपुरे के सेवानिवृत्त होने पर सोमवार, 31 अगस्त 2026 को भारती लॉन, लांजी में गरिमामय विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सहकारिता एवं बैंकिंग क्षेत्र में उनके 33 वर्षों से अधिक के समर्पित सेवाकाल को याद करते हुए सहकर्मियों, कृषकों एवं गणमान्य नागरिकों ने भावभीनी विदाई दी। एम. एल. नगपुरे ने 15 दिसंबर 1992 को बी-पैक्स से अपने सेवाकाल की शुरुआत की थी। इसके बाद 22 सितंबर 2003 से उन्होंने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट, शाखा लांजी में अपनी सेवाएं दीं। लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने संस्था, बैंक तथा कृषकों के हित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कार्यशैली, अनुभव और किसानों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार को उपस्थितजनों ने विशेष रूप से सराहा।

ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ किया कार्य

समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एम. एल. नगपुरे ने अपने सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा, कर्तव्यपरायणता और सहकारिता की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। संस्था एवं कृषकों के हितों को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने जो सेवाएं दीं, वे लंबे समय तक याद की जाएंगी। उनका सरल, सहज एवं सहयोगात्मक व्यवहार सहकर्मियों और कृषकों के बीच उनकी अलग पहचान बना रहा। इस अवसर पर एम. एल. नगपुरे को शॉल, श्रीफल, स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। उपस्थितजनों ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करते हुए सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

पुरानी यादें साझा करते हुए भावुक हुए सहकर्मी

विदाई समारोह के दौरान वातावरण भावुक हो गया। सहकर्मियों एवं उपस्थितजनों ने नगपुरे के साथ बिताए सेवाकाल की स्मृतियां साझा कीं और उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि उनका अनुभव, कार्यशैली और सहकारिता के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। समारोह में शाखा प्रबंधक आर. के. हरिनखेड़े, पर्यवेक्षक एस. बी. राहंगडाले, राजेंद्रप्रसाद उमरे, धर्मपत्नी कर्षनी नगपुरे, पुत्र चिरंजीवी नगपुरे, वीरेंद्र नगपुरे, प्रदीप उमरे सहित समिति एवं बैंक से जुड़े पदाधिकारी, कर्मचारी, कृषकगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक समिति के प्रभारी प्रबंधक विलास चौरे, विजय कावड़े, जितेंद्र जाम्भुरकर, गिरीश बड़गैया एवं घनश्याम पंचाले सहित समिति के समस्त कर्मचारियों ने आयोजन में सहभागिता की। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ समारोह का समापन हुआ। उपस्थित अतिथियों एवं कर्मचारियों ने एम. एल. नगपुरे के उज्ज्वल, स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उन्हें सेवानिवृत्ति उपरांत जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

लांजी को मिला नया एसडीएम, आदित्य नारायण तिवारी संभालेंगे प्रशासन की कमान

कलेक्टर कुमार सत्यम ने किया अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन, प्रशासनिक व्यवस्था में हुआ बदलाव

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में प्रशासनिक कार्य व्यवस्था को और अधिक सुचारू एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुमार सत्यम ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के बीच नए सिरे से कार्य विभाजन किया है। जारी आदेश के तहत श्री आदित्य नारायण तिवारी को लांजी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) यानी एसडीएम का दायित्व सौंपा गया है। नए कार्य विभाजन के बाद श्री तिवारी लांजी अनुविभाग में राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके दायित्व में शासन की विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, राजस्व प्रकरणों का निराकरण, कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रशासनिक समन्वय तथा आमजन की समस्याओं के समाधान जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल होंगे। कलेक्टर द्वारा किए गए कार्य विभाजन के तहत संयुक्त कलेक्टर विजय सिंह यादव को कटंगी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर कमलचंद सिंहसार को किरनापुर एसडीएम तथा श्रीश प्यासी को वारासिवनी एसडीएम का दायित्व सौंपा गया है। श्रीश प्यासी को परसवाड़ा एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

लांजी के लिए महत्वपूर्ण बदलाव

आदित्य नारायण तिवारी के लांजी एसडीएम का दायित्व संभालने से क्षेत्र में राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े राजस्व प्रकरण, जनसमस्याओं के निराकरण और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन पर अब प्रशासन की विशेष नजर रहेगी।

रामराजा लोक से बदलेगी बुंदेलखंड की तस्वीर

मप्र भाजपा कार्यसमिति की बैठक में कई मुद्दों पर हुआ मंथन... समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री बोले...

ओरछा। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सबसे पहले रामराजा सरकार को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि आज राम का धाम जगमगा रहा है। ओरछा में राजा राम लोक बनेगा। सनातन संस्कृति की धारा विरासत से विकास का अनुभव कराती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश तेजी से बदल रहा है। प्रदेश में हर साल करीब साढ़े 13 करोड़ पर्यटक आ रहे हैं। इससे रोजगार के साथ धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर एक माह तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने अपने संबोधन में प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि मध्यप्रदेश निवेश के साथ लगातार उन्नति कर रहा है और प्रदेश में करीब 10 लाख करोड़ रुपये के विकास कार्य वर्तमान में चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदेशों में मिल रहे सम्मान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की संगठन शक्ति के कारण मध्यप्रदेश में लंबे समय से स्थिर सरकार चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के विकास मॉडल में गरीब, महिला, युवा और किसान केंद्र में हैं। उन्होंने लाड़ली बहना योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बहनों के प्रति सरकार के विश्वास का परिचायक है। लाड़ली बहना योजना का विरोध करने को लेकर उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग बहनों को राशि देने का विरोध करते हैं और यह कहते हैं कि महिलाएं इस राशि का उपयोग शराब पीने में करेंगी, उन्हें बहनों से माफी मांगनी चाहिए।

प्रदेश में हर तरफ विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का बजट बढ़ाकर 4 लाख 38 हजार करोड़ रुपये किया गया है। मध्यप्रदेश में 31 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है और प्रदेश बिजली के मामले में सरप्लस स्थिति में है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की बिजली से कई स्थानों पर रेल सेवाएं भी संचालित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने किसानों को लेकर बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि बारिश के बाद किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। इससे किसानों को रात में खेतों पर जाकर सिंचाई करने से राहत मिलेगी। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाई गई है। वर्तमान में 39 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं और इसे बढ़ाकर 50 तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मेडिकल शिक्षा में सीटों की संख्या भी बढ़ी है और अब करीब 6250 सीटें हो गई हैं। नए आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज भी खोले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल स्किल पार्क के माध्यम से युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा दी जा रही है। 55 उत्कृष्ट महाविद्यालयों में भी रोजगार से जुड़ी शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस विभाग में साढ़े 18 हजार पदों पर भर्ती की गई है और कुल मिलाकर 85 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले दो वर्षों में ढाई लाख सरकारी पदों पर भर्ती का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा निजी क्षेत्र के माध्यम से करीब दो करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। केन-बेतवा परियोजना को लेकर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के लिए यह परियोजना महत्वपूर्ण है और इसके विरोध की राजनीति को जनता के सामने रखा जाना चाहिए। प्रदेश के विभिन्न शासकीय कर्मचारियों को पदोन्नति दिए जाने पर मुख्यमंत्री ने संतोष जताया। उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी 20, 25 और 30 वर्षों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे थे, उन्हें पदोन्नति देने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सबका साथ, सबका विश्वास और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना है। किसानों के लिए भी सरकार लगातार सहायता और सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

70 फीसदी संकल्प पूरे करने का दावा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने करीब ढाई वर्ष के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के समय पार्टी ने जो संकल्प लिए थे, उनमें से करीब 70 प्रतिशत संकल्प पूरे किए जा रहे हैं। इन्हीं संकल्पों के आधार पर भाजपा की सरकार बनी थी। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। पांच रुपये में बिजली कनेक्शन देने की योजना का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में नक्सल समस्या के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की गई है। अब प्रदेश में 'लाल सलाम' को आखिरी सलाम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एयर एंबुलेंस, नए हवाई अड्डे, हवाई सेवा और हेलीकॉप्टर सेवा का विस्तार हो रहा है। पर्यटन कारोबार बढ़ रहा है और नए महानगरीय शहरों के विकास की दिशा में काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सिंहस्थ की तैयारियों, सडकों के विस्तार, एक्सप्रेस-वे और हरित एक्सप्रेस-वे निर्माण का भी उल्लेख किया। पशुपालन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए इसे कट्टरपंथ के खिलाफ सरकार का जवाब बताया। उन्होंने कहा कि अब चुनौती विरोधी दलों की राजनीति से निपटने की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने समान नागरिक संहिता का कोई ठोस विरोध नहीं किया है। भाजपा को इस विषय की जानकारी मुस्लिम समाज तक भी पहुंचानी होगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सत्ता हासिल करने के लिए हिंदू-मुस्लिम के बीच विभाजन की राजनीति करती रही है।

फार्मर आईडी में मध्य प्रदेश तीसरे नंबर पर

- राज्यों के बीच अब एआई से खेती की होड़ तेज, मप्र में 1.14 करोड़ किसान जुड़े

भोपाल (ईएमएस)। किसानों की डिजिटल पहचान (फार्मर आईडी) बनाने के अभियान में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। राज्यवार आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश में 1.14 करोड़ फार्मर आईडी बन चुकी थीं और राज्य देश में तीसरे स्थान पर था। उत्तर प्रदेश में 2.44 करोड़ और महाराष्ट्र में 1.35 करोड़ डिजिटल किसान पहचान बनाई गईं। इन तीन राज्यों में ही देश की कुल फार्मर आईडी का करीब आधा हिस्सा दर्ज है। केंद्र सरकार के अनुसार तीन अगस्त 2026 तक देश में 10.31 करोड़ से अधिक फार्मर आईडी बनाई जा चुकी हैं। 20 जुलाई तक देश में बनी 10.18 करोड़ आइडी में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी 48.3 प्रतिशत थी। इसके बाद राजस्थान में 87.23 लाख, कर्नाटक में 64.44 लाख और गुजरात में 62.25 लाख फार्मर आइडी दर्ज की गईं।

अब एआई से फायदा पहुंचाने की दौड़

फार्मर आईडी को एग्रीस्टैक (किसानों और कृषि से जुड़ी जानकारी का डिजिटल ढांचा) के तहत किसान के विवरण और डिजिटाइज्ड भूमि अभिलेखों से जोड़ा जा रहा है। इसका उपयोग पीएम-किसान, फसल बीमा, एमएसपी आधारित खरीदी, कृषि ऋण, कृषि आदान, मौसम सलाह और आपदा राहत जैसी सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने के लिए किया जाना है। अब राज्यों के बीच अगली होड़ इस डिजिटल डेटा के बेहतर उपयोग को लेकर है। महाराष्ट्र ने एग्रीस्टैक का उपयोग योजना वितरण और एआइ आधारित कृषि सलाह तक के लिए शुरू किया है। मध्य प्रदेश भी कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तैयारी तेज कर रहा है। आईआईटी इंदौर में एग्रीहब के जरिए एआई, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग आधारित कृषि समाधान, नवाचार और स्टार्टअप विकसित करने की दिशा में काम हो रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर भी फसल उत्पादन के अनुमान में एआइ और मशीन लर्निंग के उपयोग को बढ़ाया जा रहा है। ऐसे में फार्मर आइडी के मामले में तीसरे स्थान पर पहुंचने के बाद मध्य प्रदेश के सामने अगली बड़ी चुनौती इस विशाल डिजिटल किसान डेटा को व्यक्तिगत कृषि सलाह और तेज सेवा वितरण में बदलने की है।

देश के टॉप राज्य

उत्तर प्रदेश- 2.44 करोड़
महाराष्ट्र -1.35 करोड़
मध्य प्रदेश- 1.14 करोड़
राजस्थान- 87.23 लाख
कर्नाटक- 64.44 लाख
गुजरात- 62.25 लाख

टीईटी का मामला फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

- 2005-09 के शिक्षकों को राहत की मांग

भोपाल। टीईटी का मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। 2005 से 2009 के बीच नियुक्त किये गए शिक्षकों को टीईटी से बाहर रखने को लेकर याचिका लगाई गई है। यह याचिका ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन की तरफ से लगाई गई है। जिसमें शिक्षकों को राहत देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि 2005 से 2009 के बीच नियुक्त हुए टीचरों ने पात्रता परीक्षा दी। इसलिए ञ्जश्वञ्ज अनिवार्यता से बाहर किया जाए। याचिका के माध्यम से उन शिक्षकों के पक्ष को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष रखा गया है, जिन्होंने वर्ष 2005 से 2009 के बीच तत्कालीन वैधानिक भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत आयोजित पात्रता/चयन परीक्षाएं उत्तीर्ण कर शिक्षक पद प्राप्त किया था। एसोसिएशन का मानना है कि उस समय लागू नियमों और निर्धारित योग्यताओं के आधार पर नियुक्त शिक्षकों पर बाद में लागू की गई ञ्जश्वञ्ज अनिवार्यता का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पडना चाहिए। ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन प्रदेश और देशभर के प्रभावित शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए न्यायिक व संवैधानिक स्तर पर निरंतर प्रयासरत है।

जल्द बदले जाएंगे रेंज आईजी...

भोपाल। मध्य प्रदेश में जल्द ही पुलिस महकमे में बड़े स्तर पर तबादले होने की संभावना है। सरकार दो रेंज के आईजी की नई पोस्टिंग के साथ कुछ जिलों के स्क्क भी बदलने की तैयारी में है। इसके अलावा 132 आईपीएस और एसपीएस अधिकारियों को डीएसपी और एसडीओपीके पद पर पदस्थ करने वाली तबादला सूची को भी जल्द मंजूरी मिल सकती है।

ग्वालियर और सागर को नए आईजी का इंतजार

ग्वालियर रेंज के आईजी अरविंद सक्सेना 31 जुलाई को रिटायर हो चुके हैं। उनके बाद से आईजी का प्रभार डीआईजी असित यादव के पास है। अब सरकार यहां नए आईजी की पोस्टिंग करने की तैयारी में है। वहीं सागर रेंज के आईजी मिथलेश शुक्ला भी सोमवार को रिटायर हो रहे हैं। ऐसे में ग्वालियर के साथ सागर रेंज को भी नया आईजी मिलने की संभावना है। दोनों पदों पर जल्द आदेश जारी हो सकते हैं।

पांच बार लौट चुकी 132 अफसरों की सूची

गृह विभाग ने 132 आईपीएस और एसपीएस अधिकारियों को डीएसपी और एसडीओपी के पद पर पदस्थ करने की सूची तैयार की है। यह फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच चुकी है। सूत्रों के मुताबिक सूची में अब तक पांच बार बदलाव के लिए लौटाई जा चुकी है। अब इसके जल्द जारी होने की संभावना जताई जा रही है। सूची में राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के साथ 2024-25 बैच के आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं। इन अधिकारियों की जिलों में डीएसपी और एसडीओपी के तौर पर पोस्टिंग की जानी है।

शिकायतों के बाद कुछ एसपी भी बदलेंगे

तबादला सूची में कुछ जिलों के एसपी के नाम भी शामिल किए जा सकते हैं। विभागीय सूत्रों के मुताबिक कुछ ऐसे अधिकारियों को जिलों की कमान सौंपी गई थी, जिन्हें बाद में आईपीएस अवार्ड मिला।

हर मंत्री की तैयार होगी जमीनी रिपोर्ट

- चिंतन शिविर में योजनाओं से लेकर संकल्प पत्र तक की होगी समीक्षा
- जिलों में कमजोर प्रदर्शन वाले अफसरों पर भी गिरेगी गाज

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2027 के नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों से पहले सरकार अब अपनी पूरी मशीनरी को चुनावी मोड में लाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सितंबर में मंत्रियों के साथ प्रस्तावित चिंतन शिविर में सिर्फ सरकार के ढाई साल के कामकाज की समीक्षा नहीं करेंगे, बल्कि मंत्रियों की सक्रियता, विभागों की उपलब्धियों और जमीनी स्तर पर योजनाओं के असर का भी आकलन किया जाएगा। इस समीक्षा के आधार पर तैयार होने वाली रिपोर्ट आगे सरकार और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के लिए महत्वपूर्ण आधार बन सकती है। सूत्रों के मुताबिक चिंतन शिविर के बाद मंत्रिपरिषद में फेरबदल की संभावनाएं भी बन सकती हैं। यानी इस बार मंत्रियों का मूल्यांकन केवल विभागीय कामकाज तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले चुनावों के लिहाज से उनकी राजनीतिक और प्रशासनिक उपयोगिता भी देखी जाएगी।

चिंतन शिविर से पहले राज्य शासन ने जिलों से सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की रिपोर्ट तैयार कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। संभागायुक्तों, कलेक्टरों और जिला पंचायतों के सीईओ से अपने-अपने क्षेत्रों में योजनाओं की प्रगति और विकास कार्यों की स्थिति की जानकारी जुटाने को कहा गया है। इन रिपोर्टों के जरिए यह देखा जाएगा कि सरकार की योजनाएं कागज से निकलकर जमीन पर कितनी पहुंची हैं और उनका जनता पर कितना प्रभाव पड़ा है। इसके साथ ही संबंधित मंत्रियों की अपने प्रभार वाले जिलों में सक्रियता को भी कसौटी पर रखा जा सकता है।

संकल्प पत्र बनेगा समीक्षा का मुख्य आधार

विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा जारी किए गए संकल्प पत्र को भी चिंतन शिविर में प्रमुख आधार बनाया जाएगा। ढाई साल में कितने संकल्प पूरे हुए, कितनों पर काम चल रहा है और कौन से वादे अभी तक शुरू नहीं हो सके हैं—इसका हिसाब तैयार किया जाएगा। खास तौर पर किसान, आदिवासी और युवा वर्ग के लिए शुरू की गई योजनाओं के परिणामों पर फोकस रहेगा। जिन संकल्पों पर काम शुरू नहीं हो पाया है, उनके लिए समयसीमा और क्रियान्वयन का रोडमैप तैयार किया जा सकता है।

कमजोर जिलों में प्रशासनिक बदलाव संभव

चिंतन शिविर का एक बड़ा हिस्सा मैदानी प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा पर भी केंद्रित रह सकता है। ऐसे संभाग और जिले चिन्हित किए जाएंगे जहां सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों के अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। सरकार यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि इसके पीछे प्रशासनिक कमजोरी है, अधिकारियों की कार्यप्रणाली है या योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई दूसरी समस्या है। जरूरत महसूस होने पर संबंधित जिलों और संभागों में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले भी किए जा सकते हैं। मंत्रालय स्तर पर भी वरिष्ठ अधिकारियों के पास मौजूद अतिरिक्त विभागों का बोझ कम करने पर विचार संभव है। हालांकि इस स्तर के प्रशासनिक बदलावों पर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बीच अलग से चर्चा होने की संभावना है।

चुनावी जिम्मेदारी भी तय होगी

2027 में पहले नगरीय निकाय और उसके बाद त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संभावित हैं। सरकार इन चुनावों को विधानसभा चुनाव से पहले अपने कामकाज की बड़ी परीक्षा के रूप में देख रही है। संभावना है कि मंत्रिपरिषद में बदलाव के बाद मंत्रियों के जिलों के प्रभार भी नए सिरे से तय किए जाएं। प्रभारी मंत्रियों को उनके जिलों में निकाय और पंचायत चुनाव की राजनीतिक जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। सरकार की कोशिश अक्टूबर तक इस पूरी प्रशासनिक और राजनीतिक जमावट को पूरा करने की होगी।

संगठन की रिपोर्ट भी होगी अहम

चिंतन शिविर से पहले मुख्यमंत्री भाजपा संगठन के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर सकते हैं। इसमें प्रत्येक जिले से संगठन स्तर पर तैयार की जा रही रिपोर्ट पर चर्चा होगी।

राहुल गांधी पर एफआईआर से भडक़ी मप्र कांग्रेस

- पटवारी बोले- बीजेपी की सोच दलित विरोधी...

भोपाल। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े की रैली के बाद कथित तौर पर मैदान का शुद्धिकरण कराए जाने के मामले पर एमपी में भी कांग्रेस आक्रोशित है। इस मुद्दे पर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने बीजेपी और आरएसएस पर हमला बोला है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी को दलित विरोधी करार दिया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा पर सीधा हमला बोलते हुए लिखा- संकीर्ण सोच वाली बीजेपी ने पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े जी की रैली स्थल का शुद्धिकरण करवाया! जब जननायक राहुल गांधी जी ने छुआछूत के इस गंभीर मसले को उठाया, तो अब उन्हीं पर एफआईआर करवा दी!

पटवारी ने आगे आरोप लगाया कि बीजेपी अपराधियों को संरक्षण दे रही है और आवाज उठाने वालों को दबा रही है। उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला बीजेपी-आरएसएस की दलित विरोधी सोच को दर्शाता है।

वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इस पूरी कार्रवाई को चोरी और सीनाजोरी करार दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी पहले तो दलितों का अपमान करती है और फिर विरोध करने वालों का उत्पीडऩ करती है। कमलनाथ ने अपनी पोस्ट में लिखा- बीजेपी ने हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खडग़े जी की सभा के बाद स्थान का शुद्धिकरण कर दलितों का अपमान किया। जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसका विरोध किया, तो दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय राहुल जी के खिलाफ ही गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करा दी गई। कमलनाथ ने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी खडग़े जी और राहुल गांधी के साथ मजबूती से खड़ी है।

गांवों में अगले साल से लगेगा संपत्ति कर, पक्के मकानों पर न्यूनतम 1000 रुपया संपत्ति कर

भोपाल । अगले साल से गांवों में रहने वाले लोगों को अपनी संपत्ति पर कर देना पड़ सकता है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत क्षेत्रों में पक्के मकानों और अन्य संपत्तियों का आकलन कर संपत्ति कर लगाया जाएगा। पक्के मकानों पर न्यूनतम ?1000 सालाना संपत्ति कर निर्धारित किए जाने का प्रस्ताव तैयार है। इसके साथ ही ग्रामीणों को पानी की सुविधा के लिए जलकर भी देना होगा।

सरकार का तर्क है, ग्राम पंचायतों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के रखरखाव के लिए स्थानीय राजस्व को बढ़ाना जरूरी है। हालांकि, इस व्यवस्था का ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक असर भी पड़ेगा।

प्रस्ताव में आदिवासी ब्लॉकों को संपत्ति कर में छूट देने के प्रावधान पर विचार किया जा रहा है।

इससे आदिवासी बहुल क्षेत्रों के ग्रामीणों को राहत मिलेगी। नई कर व्यवस्था लागू होने से पहले संपत्तियों का सर्वे और मूल्यांकन शुरू किया जाएगा. ग्राम पंचायतों को कर निर्धारण और वसूली की जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

पेंशन फाइल अटकी तो अब अफसर की तय होगी जिम्मेदारी

- 15 दिन से ज्यादा नहीं चलेगा इंतजार

भोपाल। रिटायरमेंट के बाद पेंशन के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने वाले कर्मचारियों को राहत देने के लिए सरकार ने पूरी प्रक्रिया की समय-सीमा बांध दी है। अब पेंशन फाइल किस अधिकारी के पास कितने दिन से अटकी है, इसका हिसाब ऑनलाइन सिस्टम में दर्ज होगा और तय समय में कार्रवाई नहीं हुई तो संबंधित स्तर की जवाबदेही तय की जाएगी।

वित्त विभाग ने राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल (एससीपीपीसी) के तहत ऑनलाइन पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए क्रिएटर, वेरीफायर और एप्रूवर—तीनों स्तरों की अलग-अलग डेडलाइन तय की है। सामान्य नए पेंशन प्रकरण को अधिकतम 15 कार्य दिवस में पूरा करना होगा। यानी एक स्तर पर फाइल रोककर दूसरे स्तर पर भेजने में अनावश्यक देरी की गुंजाइश कम होगी।

तीन स्तर, लेकिन हर स्तर पर पांच दिन की सीमा

नई व्यवस्था में पेंशन प्रकरण पहले क्रिएटर स्तर पर तैयार होगा। इसके बाद वेरीफायर जांच करेगा और अंत में एप्रूवर स्तर से स्वीकृति दी जाएगी। तीनों स्तरों के लिए अधिकतम पांच-पांच कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। इसका मतलब यह है कि सामान्य नवीन पेंशन प्रकरण के लिए पूरी प्रक्रिया 15 कार्य दिवस से अधिक नहीं खिंचनी चाहिए। समय-सीमा खत्म होने के बाद भी फाइल लंबित रहती है तो संबंधित स्तर पर देरी की जिम्मेदारी तय की जा सकेगी।

रिवाइज्ड पेंशन में और कम समय

पुनरीक्षित पेंशन के मामलों में सरकार ने डेडलाइन और कम रखी है। क्रिएटर को चार कार्य दिवस, जबकि वेरीफायर और एप्रूवर को तीन-तीन कार्य दिवस में कार्रवाई करनी होगी। इस तरह पूरा प्रकरण अधिकतम 10 कार्य दिवस में निपटाना होगा। वेतन निर्धारण से जुड़े मामलों के लिए भी कुल 11 कार्य दिवस की सीमा तय की गई है। इसमें क्रिएटर को पांच दिन तथा वेरीफायर और एप्रूवर को तीन-तीन दिन मिलेंगे।

समीक्षा में सामने आई थी फाइलें अटकने की समस्या

वित्त विभाग की समीक्षा में सामने आया कि संभागीय और जिला कार्यालयों में पेंशन प्रकरण कई बार अलग-अलग स्तरों पर अपेक्षा से अधिक समय तक लंबित रहते हैं। खासकर क्रिएटर, वेरीफायर और एप्रूवर स्तर पर देरी के कारण कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन शुरू होने का इंतजार करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए अब प्रक्रिया को सिर्फ ऑनलाइन करने के बजाय उसकी मॉनिटरिंग और जवाबदेही को भी समय-सीमा से जोड़ दिया गया है। इससे वरिष्ठ अधिकारी यह पता लगा सकेंगे कि किसी प्रकरण में देरी किस स्तर पर हुई।

रिटायरमेंट से पहले ही तैयार होगी फाइल

सरकार ने अग्रिम पेंशन प्रकरणों पर भी जोर दिया है। जिन कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आने वाले महीनों में होनी है, उनके पेंशन प्रकरण पहले से तैयार कर निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश हैं। इसका मकसद यह है कि कर्मचारी के रिटायर होते ही पेंशन संबंधी औपचारिकताएं पूरी रहें और उसे अपनी पेंशन के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

अब सवाल सिर्फ फाइल का नहीं, जिम्मेदारी का भी

नई व्यवस्था का सबसे बड़ा बदलाव यह है कि पेंशन प्रकरण के लंबित रहने को अब केवल प्रशासनिक देरी मानकर टाला नहीं जा सकेगा। ऑनलाइन प्रक्रिया में हर चरण और उसकी समय-सीमा दर्ज होने से यह पता लगाना आसान होगा कि फाइल कहां रुकी और निर्धारित अवधि में कार्रवाई क्यों नहीं हुई। यानी रिटायर होने वाले कर्मचारी की पेंशन फाइल अब किसके पास पड़ी है से आगे बढक़र किसकी जिम्मेदारी में कितने दिन से लंबित है के सवाल तक पहुंचेगी। वित्त विभाग की नई समय-सीमा व्यवस्था का सीधा उद्देश्य यही है कि कर्मचारी को उसकी पेंशन के लिए इंतजार न करना पड़े और विभागीय स्तर पर होने वाली देरी पर जवाबदेही तय हो।

1.22 लाख मेधावी छात्रों को मिलेंगे 25-25 हजार रुपये

– आज सीएम मोहन यादव करेंगे राशि ट्रांसफर

भोपाल। मध्य प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। राज्य सरकार कक्षा 12वीं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को लैपटॉप खरीदने के लिए आर्थिक सहायता देने जा रही है। 1 सितंबर 2026 को करीब 1.22 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में 25-25 हजार रुपये की राशि ट्रांसफर की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के खातों में राशि का अंतरण करेंगे। इस योजना के तहत सरकार करीब 305 करोड़ रुपये की राशि विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएगी।

लैपटॉप खरीदने के लिए आर्थिक सहायता पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस बार करीब 1.22 लाख है। प्रत्येक पात्र विद्यार्थी के खाते में 25 हजार रुपये की राशि भेजी जाएगी। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस मद में 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि का अंतरण किया जाएगा। राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाई जाएगी, जिससे वे अपनी आवश्यकता और पसंद के अनुसार लैपटॉप खरीद सकेंगे।

1 सितंबर को भोपाल में होगा कार्यक्रम

विद्यार्थियों को राशि ट्रांसफर करने का कार्यक्रम 1 सितंबर को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इसी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पात्र विद्यार्थियों के खातों में राशि अंतरित करेंगे। सरकार का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराना है। लैपटॉप के माध्यम से विद्यार्थी पढ़ाई के साथ ऑनलाइन शैक्षणिक सामग्री और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकेंगे।

सीधे बैंक खाते में पहुंचेगी राशि

सरकार विद्यार्थियों को लैपटॉप उपलब्ध कराने के बजाय इसके लिए आर्थिक सहायता देती है। 25 हजार रुपये की राशि सीधे पात्र विद्यार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है। इससे विद्यार्थी अपनी जरूरत के मुताबिक लैपटॉप खरीद सकते हैं। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए यह सहायता विद्यार्थियों के लिए उपयोगी मानी जा रही है। लैपटॉप मिलने से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के दौरान डिजिटल संसाधनों का इस्तेमाल करने में सुविधा होगी। वे ऑनलाइन कक्षाओं, ई-लाइब्रेरी, डिजिटल स्टडी मैटेरियल और विभिन्न शैक्षणिक प्लेटफॉर्म तक आसानी से पहुंच बना सकेंगे।

मंधाना महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बनी

सूज़ी बेट्स तीसरे नंबर पर खिसकी

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप के पहले ही मैच में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। मंधाना पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ 19 रन ही बना पायीं पर इसी दौरान वह अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गयीं। मंधाना ने इसी के साथ ही न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 4 रनों की जरुरत थी। अब उनके नाम अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 10,756 रन दर्ज हो गए हैं।

इस रिकार्ड के साथ ही मंधाना अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स 10,740 रनों के साथ दूसरे स्थान पर थीं। दिलचस्प बात यह है कि इस सूची के शीर्ष दो स्थान अब भारतीय खिलाड़ियों के नाम हैं। सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज के नाम है, जिन्होंने अपने करियर में 10,868 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना को मिताली का रिकॉर्ड तोड़ने और नंबर एक पर पहुंचने के लिए अब केवल 113 रनों की और जरुरत है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाली शीर्ष पाँच बल्लेबाज इस प्रकार हैं- 10,868 रन के साथ मिताली राज (भारत), 10,756 रन के साथ स्मृति मंधाना (भारत), 10,740 रन के साथ सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड), 10,273 रन के साथ शार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड) और 10,007 रन के साथ स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज)।

मंधाना ने अब तक अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 301 मैच खेले हैं और कुल 10,756 रन बनाए हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में भी वह संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। उनके नाम 17 शतक दर्ज हैं, जो ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग और दक्षिण अफ्रीका की लौरा वुल्वार्ट के बराबर हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज ने 9 टेस्ट मैचों में 788 रन, 120 वनडे मैचों में 5411 रन और 172 टी20 मैचों में 4557 रन बनाए हैं। उनके नाम 75 अर्धशतक भी दर्ज हैं, जो उनकी निरंतरता और हर प्रारूप में प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाता है।

एकदिवसीय में जगह नहीं बना पाने के लिए अपने को जिम्मेदार मानते हैं सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और अच्छी तकनीक के बाद भी एकदिवसीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये और टी20 तक ही सीमित होकर रह गये। सूर्यकुमार ने अब इसका कारण बताया है। उनका कहना है कि इसके लिए वह स्वयं को ही जिम्मेदार मानते है। इस बल्लेबाज ने कहा है कि एकदिवसीय के लिए जितनी मेहनत करनी चाहिये थी। वह नहीं कर पाये। सूर्यकुमार ने अपने करियर में 37 एकदिवसीय मैचों में खेलते हुए केवल 773 रन बनाए हैं। उन्होंने अंतिम बार एकदिवसीय मुकाबला 2023 विश्व कप का फाइनल था, जहां सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वह केवल 18 रन ही बना पाये। उसके बाद वह टीम से बाहर हुए तो वापसी नहीं कर पाये। वहीं अब वह टी20 विश्वकप से भी बाहर हो गये हैं। 30 साल की उम्र में

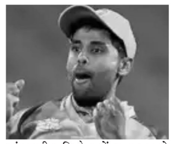

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाले सूर्यकुमार का मानना है कि अगर उन्हें 2016 के आसपास टीम इंडिया में मौका मिल जाता, तो शायद वे टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में एक अलग मुकाम हासिल कर पाते।

सूर्यकुमार ने अपना एकमात्र टेस्ट मैच, जो 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसमें वह केवल 8 रन ही बना पाए थे। उस पारी के बाद वह टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पायी। अपनी एकदिवसीय विफलताओं को लेकर उन्होंने कहा, यह टी20 की तरह ही सीमित ओवरों है पर मैंने इसमें उतनी मेहनत नहीं की, जितनी मुझे करनी चाहिए थी। मैं व्यक्तिगत रूप से यह स्वीकार करता हूँ कि मैं इस फॉर्मेट का फार्मुला नहीं खोज पाया। उन्होंने आगे कहा, मैं जानता था कि मुझे नंबर 5 या 6 पर ही बल्लेबाजी मिलेगी, फिर भी मैंने इस प्रारुप को बेहतर ढंग से समझने या इसके अनुसार अपने खेल में बदलाव लाने के अधिक प्रयास नहीं किए, और इसका सीधा असर मेरे प्रदर्शन पर दिखा। सूर्यकुमार के अंतरराष्ट्रीय करियर के आंकड़ों पर नज़र डालें तो, टी20 प्रारुप में उनकी बादशाहत साफ दिखती है। उन्होंने 113 टी20 मैचों में 3272 रन बनाए हैं, जिसमें उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के सभी चार शतक शामिल हैं। इसके विपरीत, 37 एकदिवसय मैचों में उनके नाम 773 रन हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 72 रन रहा। टेस्ट क्रिकेट में उनका एकमात्र अनुभव एक पारी का है, जहाँ वे सिर्फ 8 रन ही बना सके थे।

महिला एशिया कप में पाकिस्तान से मुकाबले को लेकर बोले बोले कोच अमोल मजूमदार

हमारा ध्यान मैच में अच्छे प्रदर्शन पर, अन्य बातों पर ध्यान नहीं देते

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 5 सितंबर को एशिया कप में पाकिस्तान टीम से खेलना है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर पाक के खिलाफ अपने जीत के रिकार्ड को बनाये रखना होगा। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। प्रशंसक भी इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पाक से तनाव को देखते हुए पिछले कुछ टूर्नामेंटों से महिला टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी थी, अब देखना है कि एशिया कप में भी यही सिलसिला जारी रहता है या नहीं। वहीं इस मामले को लेकर भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि हम मैदान पर सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और मैदान के बाहर की चीजों पर अधिक ध्यान नहीं देते। हम उस दिन सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और जब हम वह मैच खेलेंगे तो इस बारे में बात करेंगे। उनके इस बयान से साफ होता है कि टीम का ध्यान बाहरी विवादों की जगह पर खेल में बेहतर प्रदर्शन पर रहेगा। भारतीय टीम के हालिया टी20 फॉर्मेट प्रदर्शन को लेकर उठ रहे सवालों पर भी मजूमदार ने जवाब दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले छह महीनों में टीम के प्रदर्शन को लेकर चर्चाएं रही हैं, लेकिन उनका मानना है कि हम फॉर्म पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। हम जानते हैं कि इस टीम में सुधार की बहुत गुंजाइश है। टीम में युवा खिलाड़ी हैं। हम अच्छा और आक्रामक क्रिकेट खेलने की कोशिश कर रहे हैं। कोच के बयान से भारतीय टीम की रणनीति और पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले खिलाड़ियों के मानसिक स्थिति का पता चलता है, जिसमें उनका पूरा जोर क्रिकेट और मैदान पर बेहतर प्रदर्शन पर है।

मिडफील्डर रोड्री को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खींचतान जारी

मैड्रिड । यूरोपीय फुटबॉल में आजकल स्पेन के दिग्गज मिडफील्डर रोड्री हर्नांडेज़ के ट्रांसफर को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच जोरदार खींचतान चल रही है। यह बहुचर्चित खिलाड़ी वर्तमान में ट्रांसफर बाजार में मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, क्योंकि रियल मैड्रिड उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है। हालांकि, इस सौदे में सबसे बड़ी बाधा मैनचेस्टर सिटी की उच्च मांग है, जो अपने इस स्टार खिलाड़ी को छोड़ने के लिए कम से कम 80 मिलियन यूरो की राशि की मांग कर रहा है। इसके विपरीत, रियल मैड्रिड ने अपनी अधिकतम पेशकश 60 मिलियन यूरो तक ही सीमित रखी है, जिससे दोनों क्लबों के बीच 20 मिलियन यूरो का बड़ा अंतर बना हुआ है। मीडिया रिपोर्टों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों क्लबों के बीच अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई है और यह गतिरोध जारी है। इस हाई-प्रोफाइल ट्रांसफर को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आने वाले कुछ सप्ताह बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा संभव होना है, तो दोनों पक्षों को एक बीच का रास्ता खोजना होगा, जिसमें उन्हें अपनी-अपनी शुरुआती मांगों से कुछ समझौता करना पड़ सकता है। यह स्पष्ट है कि इस बड़े खिलाड़ी को हासिल करने के लिए रियल मैड्रिड को अपनी पेशकश बढ़ानी होगी, वहीं मैनचेस्टर सिटी को भी अपनी मांग में थोड़ी नरमी दिखानी पड़ सकती है। गौरतलब है कि रोड्री हर्नांडेज़ को मौजूदा समय में दुनिया के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली मिडफील्ड खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से मैनचेस्टर सिटी के लिए बड़े-बड़े मुकाबलों में लगातार असाधारण प्रदर्शन किया है। उनकी सटीक पासिंग क्षमता, खेल की गति को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित करने का हुनर और रक्षात्मक मोर्चे पर उनकी अभेद्य मजबूती उन्हें किसी भी टीम के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाती है। इन्हीं असाधारण खूबियों के चलते रियल मैड्रिड अपने मध्य क्षेत्र को और अधिक मजबूत व स्थिर बनाने के लिए लंबे समय से रोड्री पर अपनी नजरें जमाए हुए है।

रोड्री का मौजूदा अनुबंध वर्ष 2027 की गर्मियों तक वैध है। इस अनुबंध की स्थिति रियल मैड्रिड को बातचीत में कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है, क्योंकि यदि मैनचेस्टर सिटी समय रहते रोड्री के साथ एक नया और दीर्घकालिक अनुबंध हासिल नहीं कर पाता है, तो भविष्य में खिलाड़ी की बाजार कीमत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में मैनचेस्टर सिटी के सामने यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक फैसला होगा कि वह अभी एक बड़े ट्रांसफर शुल्क पर विचार करे या खिलाड़ी को अपने साथ बनाए रखने का जोखिम उठाए, जिसके परिणामस्वरूप भविष्य में कम कीमत मिलने की संभावना हो सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोड्री स्वयं भी व्यक्तिगत और पेशेवर फुटबॉल से जुड़े कारणों से एक नई चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार दिख रहे हैं। इसी वजह से रियल मैड्रिड में उनके शामिल होने की संभावना को लेकर अटकलें लगातार तेज हो रही हैं।

जोकोविच अमेरिकी ओपन के पहले ही दौर में हारे, नावोन रहे विजेता

न्यूयॉर्क। सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रहे नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन टेनिस 2026 के पहले ही दौर में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। जोकोविच को अर्जेंटीना के अनकैप्ड खिलाड़ी मारियानो नावोन ने पांच सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7-6 (5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया । इस हार के साथ ही जोकाविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। इससे वह भावुक नजर आये। वहीं नावोन बेहद खुश दिखे।

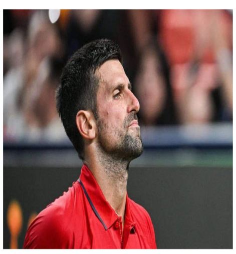

चार बार के विजेता जोकोविच पूरे मैच के दौरान असहज दिखे। उन्हें उल्टी की शिकायत हुई और पैरों में भी दर्द का सामना करना पड़ा, जिससे उनकी गति और खेल पर असर पड़ा। पहले सेट के दौरान बारिश के कारण मैच को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा, जिसके बाद स्टेडियम की छत बंद कर दी गई और मुकाबला फिर से शुरू हुआ। नावोन ने इस अवसर का भरपूर फायदा उठाया और जोकोविच को लगातार दबाव में बनाए रखा, जिससे अंतत: यह ऐतिहासिक जीत उनके नाम हुई।

जोकोविच इससे पहले यूएस ओपन में कभी भी तीसरे दौर से पहले नहीं हारे थे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद यह पहला मौका है जब उन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना शुरुआती मुकाबला हारे हैं।

वहीं पुरुष एकल वर्ग में ही सातवीं वरीयता प्राप्त रुस के दनिल मेदवेदेव ने ह्यूगो गैस्टन को सीधे सेटों में 6-4, 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। हाल के समय में खराब फॉर्म से जूझ रहे मेदवेदेव को इस जीत से राहत मिली है। इसके अलावा अमेरिका के ही 20वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने भी कोलमैन वोंग के खिलाफ 6-1, 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की। पॉल ने कोलमैन वोंग के खिलाफ पहला सेट टाईब्रेक में हारने के बाद, पॉल ने जोरदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-1, 6-3, 6-3 से जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को 194 रनों से हराया

लंदन । पाकिस्तान को लॉर्ड्स के एतिहासिक मैदान में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 194 रनों से शर्मनाक हार मिली है। इस मैच में जीत के साथ ही मेजबान टीम इंग्लैंड ने 2-0 से सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है। इस मैच में पाक को जीत के लिए 389 रनों का बेहद कठिन लक्ष्य मिला था, जिसका पीछा करते हुए वह केवल 194 रन ही बना पायी। उसके एक ही बल्लेबाज सउद

शकील ने 97 रन बनाए। वहीं बाकि बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे। इस मैच में इंग्लैंड ने पहली पारी में 290 रन बनाए थे जिसके बाद पाक की टीम पहली पारी में केवल 110 रन ही बना पायी। ऐस में मेजबान टीम के पास 180 रनों की अच्छी खासी बढ़त थी। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में डैन लॉरेंस के अर्धशतक से 208 रन बनाए। इस प्रकार मेजबान टीम की कुल बढ़त 388 रन पहुंच गयी और पाक को 389 रनों का लक्ष्य मिला। सउद शकील के 97 रनों के अलावा शान मसूद ने 26 रन बनाए। वहीं अन्य सभी बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं पाक टीम को पहले टेस्ट में एक पारी और 103 रनों की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। ज्यादा बुरा हाल हुआ था. पाक टीम वह मुकाबला पारी और 103 रनों के अंतर से हार गई थी। दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही इंग्लैंड के कप्तान जो रुट अब एशियाई टीमों के खिलाफ इंग्लैंड के सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। रूट ने कप्तानी करते हुए एशियाई टीमों के खिलाफ 15 टेस्ट मैच जीते हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड एंड्रयू स्ट्रॉस के नाम था, जिनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने टेस्ट में 14 बार एशियाई टीमों को मात दी थी।

महिला एशिया कप में भारतीय टीम की जीत से शुरुआत

दुबई। शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट टीम ने महिला एशिया कप के पहले ही मैच में थाईलैंड को 94 रनों से हरा दिया। भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 159 रन बनाए।शेफाली ने 36 गेंदों में 3 छक्के और 8 छक्के लगाकर 64 रन बनाए। इसे बाद जीत के लिए मिले 160 रनों के लक्ष्य क पीछा करते हुए थाईलैंड टीम 65 रनों पर ही सिमट गयी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और नंदनी शर्मा ने 3-3 विकेट लिए, जबकि 2 विकेट स्पिनर श्री चरणी को मिले। लक्ष्य का पीछा करते हुए थाईलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। क्रांति गौड़ ने पहले ही ओवर में उसे झटका दिया। सलामी बल्लेबाज नट्टकान चंतम 4 रनों पर ही आउट हो गयी।इसके बाद तीसरे ओवर की पहली गेंद पर नंदनी ने फणीता माया को 6 रनों पर ही आउट कर उसे दूसरा झटका दिया। पॉवरप्ले के अंतिम ओवर में श्री चरणी ने अफिसारा सुवानचोनराथी को एक रन पर एलबीडबल्यू कर दिया। इसके बाद श्री चरणी ने चनिदा सुथिरुआंग को 5 रनों पर आउट कर थाईलैंड का चौथा विकेट लिया। दीप्ति ने नाओमि कनोकपोर्न हैमिल्टन को एक रन पर ही आउट कर दिया। इस प्रकार थाईलैंड की आधी टीम केवल 44 रनों पर आउट हो गयी। थाईलैंड की ओर से केवल कर कोंचारोएनकाई ने ही सबसे अधिक 41 रन बनाए। .

इस मैच में कई रिकार्ड भी बने। भारतीय टीम की शेफाली 64 रनों की पारी के साथ ही एशिया कप में संयुक्त रुप से सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी हैं।

इस मैच में भारत की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और कप्तार हरमनप्रीत कौर रन बनाने में विफल रही।

दीप्ति ने थाईलैंड के खिलाफ बिना कोई रन दिये 3 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर दीप्ति शर्मा ने एशिया कप के पहले ही मैच में थाईलैंड के खिलाफ मिली 94 रनों की जीत के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। दीप्ति ने इस मैच में केवल 1.1 ओवर में ही बिना कोई रन दिये 3 विकट ले लिए। थाईलैंड के खिलाफ अपनी कसी हुई गेंदबाजी से दीप्ति टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की पहली ऐसी गेंदबाज बन गयी हैं। जिन्होंने एक या उससे अधिक विकेट लेते हुए कोई रन नहीं दिया हो। उनकी इस गेंदबाजी से विरोध बल्लेबाजों पर दबाव आया जिससे अन्य गेंदाबाजों को विकेट मिलने में आसानी हुई।

दीप्ति के अलावा नंदिनी शर्मा ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट जबकि श्री चारणी ने 2 और क्रांति गौड़ ने 1 विकेट लिया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण–सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 27/ व0ले0लि0/2026–27 — बालाघाट, दिनांक 27.08.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं क्र.	टेण्डर क्र0	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_532705	बालाघाट	विशेष मजबूतीकरण कार्य। 1. गर्रा पिपरिया मार्ग लम्बाई 2.20 कि.मी. 2. सेलवटपार टुईयापार मार्ग लम्बाई 2.00 कि.मी. 3. ब्राम्हनटोली डोके काथुरना मार्ग लम्बाई 4.00 कि.मी. 4. कोथुरना गोंडीटोला मार्ग लम्बाई 1.00 कि.मी. 5. आरंभा बकोड़ी मार्ग लम्बाई 1.40 कि.मी. 6. आगरी जर्राहमोहगांव मार्ग लम्बाई 2.40 कि.मी. कुल लम्बाई 13.00 कि.मी.	नोवा आमंत्रण	249.13	249200.00	15000.00	03 माह वर्षाऋतु सहित
			कुल योग		249.13			

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 09/09/2026 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें । विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

जी -17945/26

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

कार्यालय क्षेत्र संचालक, कान्हा टाईगर रिजर्व, मण्डला (म.प्र.) 481661
ई-मेलः fdknp.mdl@mp.gov.in, दूरभाषः 07642-250760

क्रमांक/का.टा.रि./वाहन/3037 — मण्डला, दिनांक/25/8/2026

निविदा विज्ञप्ति

कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला के अंतर्गत शासकीय वाहनों में उपयोग किये गये पुराने, अनुपयोगी एवं कटे-फटे टायर/टयूब "जहां है जिस स्थिति में है" के आधार पर विक्रय हेतु मुहरबंद निविदाए आमंत्रित की जाती है।

क्र.	पुराने एवं अनुपयोगी टायर/टयूब की साईज/प्रकार	संख्या	धरोहर राशि	स्थान जहां सामग्री उपलब्ध है
1	235/75 R 15	50	1000.00	कार्यालय क्षेत्र संचालक कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला जिला मण्डला (म.प्र.) 481661
2	215/75 R 15	25		
		75 Nos		

निविदा की शर्ते :

(1) पुराने, अनुपयोगी एवं कटे-फटे टायर/टयूब की मुहरबंद निविदा दिनांक 07.09.2026 (मंगलवार) को सांय 04.00 बजे आयोजित की जावेगी।

(2) निर्धारित निविदा फार्म रु. 100/- का पोस्टल ऑर्डर जो "उप संचालक, कान्हा टाईगर रिजर्व, मण्डला के नाम से देय होगा। निविदा हेतु निविदा फार्म दिनांक 01.09.2026 से कार्यालयीन समय में दिनांक 07.09.2026 (सोमवार) को दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। निविदा केवल निर्धारित निविदा प्रपत्र में ही स्वीकार की जाएगी। निविदाकर्त्ता अपनी सीलबंद निविदा दिनांक 07.09.2026 को अपरांह 02.00 बजे तक इस कार्यालय में जमा कर सकते है। प्राप्त समस्त निविदाए उसी दिन सांयकाल 04.00 बजे उपस्थित निविदाकारों के समक्ष/प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जाएगी।

(3) निविदा प्रपत्र विक्रय एवं प्राप्ति स्थल - कार्यालय क्षेत्र संचालक, कान्हा टाईगर रिजर्व, मण्डला में कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता।

(4) पुराने, अनुपयोगी एवं कटे-फटे टायर/टयूब हेतु धरोहर राशि राष्ट्रीयकृत बैक के डिमाण्ड ड्राफ्ट (डी.डी.) के रुप में "उप संचालक, कान्हा टाईगर रिजर्व, मण्डला के नाम से देय होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट निविदा प्रपत्र के साथ कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला में दिनांक 07/09/2026 समय दोपहर 02.00 तक जमा करना होगा। निर्धारित समय के पश्चात धरोहर निविदा राशि मान्य नहीं की जावेगी।

(5) मुहरबंद निविदा में स्वीकृति योग्य दरें प्राप्त न होने की स्थिति में मुहरबंद निविदा दिनांक 15-09-2026 (सोमवार) को सायं 04.00 बजे आयोजित की जावेगी। पुराने, अनुपयोगी एवं कटे-फटे टायर/टयूब हेतु धरोहर राषि राष्ट्रीयकृत बैक के डिमाण्ड ड्राफ्ट के रुप में "उप संचालक, कान्हा टाईगर रिजर्व, मण्डला के नाम से देय होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट निविदा प्रपत्र सहित कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला में समय दोपहर 02.00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय के पश्चात धरोहर राशि निविदा मान्य नहीं की जावेगी। प्राप्त समस्त निविदाए उसी दिन सांयकाल 04.00 बजे उपस्थित निविदाकारों के समक्ष/प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जाएगी। द्वितीय निविदा का फार्म दिनांक 08.09.2026 से 15.09.2026 समय 12 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है।

(6) पुराने, अनुपयोगी एवं कटे-फटे टायर/टयूब का निरीक्षण एवं शेष अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस/समय पर दर्शाए गये स्थान पर ली जा सकती है।

(7) असफल निविदा पाये जाने पर धरोहर की राशि डिमाण्ड ड्राफ्ट निविदाकार को उसी दिन वापस लौटा दिया जावेगा। सफल निविदाकार की धरोहर राशि जमा रहेगी।

(8) सफल निविदा पाये जाने पर धरोहर की राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट निविदा में स्वीकृत सम्पूर्ण राशि जमा करने पर लौटा दी जायेगी।

(9) सक्षम अधिकारी द्वारा निविदा स्वीकृत करने के पश्चात निविदा खुलने के दिनांक से 7 दिवस के अंदर पुराने, अनुपयोगी एवं कटे-फटे टायर/टयूब के विक्रिय मूल्य की राशि ऑनलाईन चालान/डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करना होगा। अन्यथा समय सीमा के उपरांत धरोहर की राशि बतौर जमा सत्यंकार की राशि शासन के पक्ष में राजसात कर ली जावेगी।

(10) क्रय किये गये पुराने, अनुपयोगी एवं कटे-फटे टायर/टयूब का परिवहन जहां है जैसी स्थिति में है उसी स्थल से किया जावेगा।

(11) इस कार्यालय के सक्षम/प्राधिकृत अधिकारी का निर्णय ही अंतिम एवं मान्य होगा।

(12) नीलामी में किसी भी प्रकार का विवाद होने पर प्रथम अपील क्षेत्र संचालक कान्हा टाईगर रिजर्व के समक्ष की जा सकती है। पश्चात विवाद की स्थिति में न्यायालयीन कार्यवाही मण्डला न्यायालय के अंतर्गत मान्य होगी।

जी -17955/26

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

उप संचालक
कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला

टीएल बैठक में हुई समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 31 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा (टीएल) बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कलेक्टर कुमार सत्यम ने समय सीमा संबंधी प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निराकरण के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एमआर कोल, विजय यादव, एसडीएम गोपाल सोनी सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बिरसा विकासखंड के प्रभावित क्षेत्रों में प्रत्येक सप्ताह शिविर, समस?याओं का मौके पर होगा निराकरण

कलेक्टर कुमार सत्यम ने बिरसा विकासखंड के प्रभावित क्षेत्रों में प्रत्येक सप्ताह शिविर लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर आयोजित इस शिविर में ग्रामीण विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य से जुडे सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधार करेंगे। इन शिविरों में आधार कार्ड बनाने, समग्र आईडी बनाने, जाति प्रमाण पत्र बनाने, आधार कार्ड में संशोधन, पात्र लोगो के वन अधिकार पट्टे तैयार करने जैसे कार्य मौके पर ही तत्काल किये जाएंगे। इसके साथ ही शिविर में हितग्राही मूलक योजनाओं जैसे लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहना योजना, आहार अनुदान योजना, पेंशन योजना, खाद्यान्न की पात्रता पर्ची से वंचित लोगो को जोडने का काम किया जाएगा। इन शिविरों में निर्माण विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे और क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप सडक, पुल-पुलिया एवं अन्य कार्यो के प्रस्ताव तैयार करेंगे।

शिविरों में क्लस्टर तैयार कर ऋण प्रकरणों के निराकरण के निर्देश

कलेक्टर कुमार सत्यम ने इन शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन विभाग द्वारा ग्रामीणों को रोजगारमूलक गतिविधियों से जोडने के लिए क्लस्टर तैयार कर ऋण प्रकरण भी तैयार करने के निर्देश दिये। इन शिविरों में महिला एवं बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग को स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में विशेष अभियान के रूप में कार्य करने कहा गया। सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी विभाग को मिलकर प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामों में पशुपालकों को समिति बनाने और उन्हें ऋण अनुदान पर दुधारू पशु उपलब्ध कराकर दुग्ध उत्पादन से जोडने के निर्देश दिये गए। प्रत्येक शिविर में प्राप्त आवेदनों एवं की गई कार्यवाही का फॉलोअप लेकर नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी।

05 सितम्बर को बैहर में लगेगा मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 05 सितम्बर शनिवार को बैहर विकासखंड के अंतर्गत जिला स्तरीय शिविर लगाया जाएगा। कलेक्टर कुमार सत्यम ने बैहर एसडीएम को इस शिविर के लिए तैयारी करने के निर्देश दिये। बैठक में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन के प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिये गए। जिले के नगरीय क्षेत्रों में अभियान चलाकर श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए। नगरीय क्षेत्र बालाघाट में कम संख्या में पंजीयन पाये जाने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण तैयार करने कहा गया। अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने कहा गया।

अधूरी नलजल योजनाओं का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने एवं खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच के निर्देश

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि अधूरी नलजल योजनाओं का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराये। जो ठेकेदार कार्य नही कर रहे है उन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर खाद्य सामग्री तैयार करने और विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की जांच करे और उनसे खाद्य सामग्री के सेम्पल एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे। खाद्य सामग्री की जांच नियमित रूप से चलना चाहिए। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को बैगा जनजाति की सभी पात्र महिलाओं को आहार अनुदान राशि दिलाने के निर्देश दिये गए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसूति सहायता योजना में हितग्राही महिलाओं को तत्परता के साथ सहायता राशि का वितरण किया जाए और कोई भी प्रकरण अनावश्यक लंबित नही रहना चाहिए। जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी को सभी पात्र हितग्राहियों को समय सीमा में खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने एवं हितग्राहियों की ई-केवायसी का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। उपसंचालक कृषि को उर्वरक, कीटनाशक, खाद बीज एवं अन्य कृषि आदान सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की नियमित रूप से जांच कर सेम्पल एकत्र करने के निर्देश दिये गए।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टि के साथ निराकरण करें

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की गई और अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 50 दिन, 100 दिन एवं उससे अधिक दिनों से लंबित शिकायतें का तेजी से निराकरण करें। शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण होना चाहिए। एल-1 स्तर के जिन अधिकारियों द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायत समय सीमा में अटेंड नही की गई उन पर जुर्माना लगाने और यह राशि रेडक्रॉस में जमा करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के अंतर्गत समय सीमा में प्रकरण का निराकरण नही करने वाले अधिकारियों पर जुर्माना लगाने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए।

कारंजा के सरस्वती विद्यालय की दो बेटियों ने रचा सफलता का इतिहास

प्रियांशी ठाकरे और निशा चौरे का एमबीबीएस में चयन, विद्यालय परिवार ने शाल-श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्या भारती बालभाऊ देवरस सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कारंजा की दो प्रतिभाशाली छात्राओं कुमारी प्रियांशी ठाकरे एवं कुमारी निशा चौरे ने एमबीबीएस में चयनित होकर विद्यालय, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दोनों छात्राओं की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय समिति द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें शाल, पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में विद्यालय के अध्यक्ष लालाराम नंदनवार, व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष डॉ. देवेश येड़े ने दोनों छात्राओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। देवलगांव निवासी कुमारी प्रियांशी ठाकरे, पिता कमल किशोर ठाकरे ने अपनी प्राथमिक शिक्षा बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर, कारंजा से प्रारंभ की। इसके बाद उनका चयन जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में हुआ, जहां उन्होंने आगे की शिक्षा प्राप्त की। कड़ी मेहनत और लगन के बल पर प्रियांशी ने नीट में सफलता हासिल करते हुए सुखसागर मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया। वहीं कुमारी निशा चौरे, पिता प्रहलाद चौरे ने कक्षा केजी-1 से लेकर 12वीं तक करीब 14 वर्षों तक बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर, कारंजा में शिक्षा प्राप्त की। निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करते हुए निशा ने भी नीट में सफलता हासिल की और इंडेक्स मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया।

रोजाना 10 से 12 घंटे पढ़ाई को बनाया सफलता का मंत्र

सम्मान समारोह के दौरान दोनों छात्राओं ने विद्यालय में बिताए अपने पुराने दिनों और अध्ययन के अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र बताते हुए कहा कि नियमित रूप से प्रतिदिन 10 से 12 घंटे पढ़ाई, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों छात्राओं ने विद्यालय के आचार्यों के मार्गदर्शन एवं अपने माता-पिता के सहयोग के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उनकी सफलता से विद्यालय के विद्यार्थियों में भी उत्साह का माहौल रहा और उन्होंने दोनों छात्राओं से प्रेरणा ली। कार्यक्रम में देवलगांव की सरपंच श्रीमती पुष्पा ठाकरे सहित विद्यालय का आचार्य परिवार एवं बड़ी संख्या में भैया-बहनों की उपस्थिति रही। विद्यालय के संरक्षक सदस्य राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्यामराव राखड़े, परिषद मनोनीत सदस्य रामेश्वर मटाले सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। दोनों छात्राओं की सफलता को विद्यालय ने अपनी शैक्षणिक परंपरा और संस्कारमय शिक्षा की उपलब्धि बताते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

सुश्री तनुश्री मीणा ने जिला पंचायत सीईओ का कार्यभार संभाला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय प्रशासनिक सेवा की वर्ष 2022 बैच की अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा ने 31 अगस्त को जिला पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। सुश्री तनुश्री मीणा की पहली पदस्थापना सहायक कलेक्टर के रूप में छिंदवाडा में हुई थी। इसके बाद उन्होंने झाबुआ जिले के पेटलाबाद में एसडीएम के पद पर कार्य किया है।

महाकौशल खेल रत्न से सम्मानित हुए बालाघाट के शुशांक पारधी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को जबलपुर के मानस भवन में आयोजित महाकौशल क्रीड़ा परिषद के अलंकरण समारोह में बालाघाट के कराते खिलाड़ी शुशांक पारधी को महाकौशल खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। शुशांक ने वर्ष 2022 से 2026 तक सब-जूनियर वर्ग में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की कराते प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक हासिल किए हैं। उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान संध्या अग्रवाल सहित विभिन्न खेलों से जुड़े खेल सितारे एवं महाकौशल क्रीड़ा परिषद के पदाधिकारी मौजूद रहे। समारोह में कुल 27 खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शुशांक के साथ कराते प्रशिक्षक एवं ब्लॉक युवा समन्वयक संतोष पारधी भी उपस्थित रहे। शुशांक को मिले सम्मान पर जिला खेल एवं कल्याण विभाग तथा खेल जगत से जुड़े लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे बालाघाट जिले के लिए गौरव की बात बताया।

कलेक्टर ने किया प्रशासनिक अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की दृष्टि से जिले में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के बीच नये सिरे से कार्य विभाजन किया है। इसके तहत विभिन्न अनुविभागों में अधिकारियों को एसडीएम का दायित्व सौंपा गया है। जारी कार्य विभाजन के अनुसार संयुक्त कलेक्टर विजय सिंह यादव को कटंगी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर कमलचंद सिंहसार को किरनापुर एसडीएम, आदित्य नारायण तिवारी को लांजी एसडीएम तथा श्रीश प्यासी को वारासिवनी एसडीएम का प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही डिप्टी कलेक्टर श्रीश प्यासी को परसवाड़ा एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

न्यूज गैलरी

बेलगाम ऑटो ने स्कूटी को मारी जोरदार टक्कर-65 वर्षीय व्यवसायी गंभीर

घायल को जिला अस्पताल से हायर सेंटर किया रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर से भरवेली मार्ग पर आंवलाझरी स्थित आरएनटी स्कूल के पास सोमवार दोपहर तेज रफ्तार ऑटो ने सामने से आ रही स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार 65 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल शोभराज पिता सुंदरलाल वाधवानी 65 वर्ष निवासी सिंधी मोहल्ला, बालाघाट निवासी बताये गये है। जिन्हें तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शोभराज वाधवानी व्यवसाय करते हैं। बताया गया कि 31 अगस्त को दोपहर करीब 1 बजे वे अपनी स्कूटी से बालाघाट से भरवेली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आंवलाझरी के आरएनटी स्कूल के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रहे ऑटो ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शोभराज वाधवानी स्कूटी सहित सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना दी। जिसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही उनके परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए।जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने घायल का प्राथमिक उपचार किया लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद जिला अस्पताल पुलिस ने घायल के परिजनों के बयान दर्ज किए। प्रारंभिक कार्रवाई के बाद मामले को आगे की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित थाना भरवेली पुलिस को भेज दिया गया है।

26 आदिवासी बच्चों की मौत पर कांग्रेस का हल्लाबोल

सीएचएमओ कार्यालय का घेराव, फूंका पुतला

तीन विभागीय अधिकारियों पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज करने की मांग, जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप, स्वास्थ्य विभाग, पीएचई और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को हटाने की मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के बैहर और परसवाड़ा क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौत का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बच्चों की मौत को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सीएमएचओ कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी और धरना-प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप का पुतला फूंका और उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की मौत के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है।

तीन विभाग के हटाए जाए अधिकारी, गैर इरादतन हत्या का दर्ज हो मामला

कांग्रेस ने मामले में स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संबंधित अधिकारियों को तत्काल उनके पद से हटाने की मांग की। साथ ही तीनों विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज किए जाने की मांग को लेकर सरकार को घेरा।

सीएम के स्वागत को लेकर भी साधा निशाना

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया जिले के दौरे को लेकर भी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मुख्यमंत्री के आदिवासी महिलाओं द्वारा किए गए स्वागत और राखी बंधवाने के कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि जिन परिवारों में मौत का मातम हो, वहां सामान्य तौर पर त्योहार नहीं मनाए जाते।

संवेदना में भी आदिवासी समाज से बाजवा दी ताली

कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि बच्चों की मौत से प्रभावित परिवारों के बीच मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए तालियां बजवाना और राखी बंधवाना संवेदनशीलता पर सवाल खड़े करता है। शोकाकुल परिवारों की भावनाओं को समझने के बजाय अभिनंदन कराना सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जनता पूरे घटनाक्रम को देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी।

कार्यालय परिसर में गूंजते रहे सरकार विरोधी नारे

कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सीएमएचओ कार्यालय पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। पुतला दहन के दौरान कार्यकर्ताओं ने बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदारी तय करने, प्रभावित परिवारों को न्याय देने और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की मांग उठाई।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे में केवल जांच या औपचारिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होती है, उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई भी की जानी चाहिए।

सरकार के सामने बढ़ा दबाव

आदिवासी अंचल में बच्चों की मौत का मुद्दा लगातार राजनीतिक रूप से तूल पकड़ता जा रहा है। कांग्रेस के अलावा विभिन्न सामाजिक एवं आदिवासी संगठनों द्वारा भी मामले में जिम्मेदारों पर कार्रवाई और प्रभावित परिवारों को राहत देने की मांग की जा रही है। सोमवार को कांग्रेस के सीएमएचओ कार्यालय घेराव के बाद सरकार और प्रशासन पर इस मामले में ठोस कार्रवाई का दबाव और बढ़ गया है।

कार्रवाई नहीं हुई तो और उग्र होगा आंदोलन- पंजवानी

शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि आदिवासी अंचल में लगातार बच्चों की मौतें चिंता का विषय हैं। कांग्रेस की मांग है कि मामले में जिम्मेदारी तय करते हुए संबंधित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जिम्मेदार अधिकारियों को संरक्षण दे रही है, जिसके कारण अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। यदि सरकार ने अधिकारियों को तत्काल नहीं हटाया और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस आंदोलन को और व्यापक करेगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों पर कार्रवाई होने तक अर्थी आंदोलन सहित विभिन्न चरणों में आंदोलन किया जाएगा और जनता को सरकार की कथित लापरवाही एवं अधिकारियों को मिल रहे संरक्षण के बारे में जागरूक किया जाएगा।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

घटना के बाद से चल रहे थे फरार,न्यायालय में किया पेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में रूपझर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के बाद से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।इस मामले का मुख्य आरोपी हिमांशु उइके ग्राम दलदला निवासी पूर्व में गिरफ्तार हो चुका है। जानकारी के अनुसार 7 अगस्त 2026 को प्रार्थिया ने थाना रूपझर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। रिपोर्ट पर थाना रूपझर में गुम इंसान क्रमांक 37/2026 एवं अपराध क्रमांक 107/2026 के तहत धारा 137(2), 96 बीएनएस में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।विवेचना के दौरान पुलिस ने नाबालिग को दस्तयाब किया। न्यायालयीन कथन के आधार पर मामले में धारा 64(2)(एम), 64(2)(आई), 332(2), 351(2), 87, 142 बीएनएस तथा धारा 5(एल)/6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। इस मामले का मुख्य आरोपी हिमांशु उइके को पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया गया है जो न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है ।प्रकरण में शामिल दो आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे थे। जिन्होंने इस मामले में नाबालिक को भगाने में सहयोग किए थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मेंअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं एसडीओपी बैहर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी रूपझर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने गोपनीय एवं विश्वसनीय सूचना के आधार पर दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में कमलेश चौधरी पिता जितेन्द्र चौधरी 25 वर्ष वार्ड नंबर 06 दिदरी, चौकी उकवा थाना रूपझर तथा पंकज मेरावी पिता गणेश मेरावी 24 वर्ष कैण्डाटोला, थाना बिरसा निवासी शामिल हैं। गिरफ्तारी की सूचना उनके परिजनों को दी गई तथा दोनों को न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस टीम की रही अहम भूमिका

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धुर्वे के नेतृत्व में प्र.आर. संतोष मरकाम, आर. अघन सिंह उइके, आर. 659 उमेश मालवीय, आर. सोहन मरसकोले एवं विशेष सहयोगी दस्ते की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई से मामले में फरार चल रहे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

IPCCS URBAN MULTI STATE
Co OP. Credit SOCIETY LTD. GONDIA
Reg. No. MSCS/CR/787/2013
(बचत व ऋण सहकारी समिति)
शाखा-वारासिवनी
उपभोक्ता शाखा में आवश्यकता है
• व्यवस्थापक - 01 • कर्मचारी - 01
दैनिक जमा अभिकर्ता (Agent)
संपर्क करें-9421715754, 9421715753, 7030130553

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट